@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 7 फरवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 94 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत सरकार
CBC 35101/13/0109/2526
बुनियादी ढांचे से शिक्षा को मज़बूती,
शिक्षा से भारत को शक्ति
स्कूलों में बनेंगे किचन शेड,
अतिरिक्त कक्षाएं, प्रयोगशालाएं,
कंपाउंड वॉल और खेल मैदान

Viksit Bharat - Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) : VB - G RAM G
(विकसित भारत - जी राम जी) Act, 2025
125 दिन
की रोज़गार गारंटी

'परीक्षा पे चर्चा' में छात्रों को प्रधानमंत्री मोदी का मंत्र-

शिक्षा जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं बल्कि जीवन का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि परीक्षा जीवन की अंतिम मंजिल नहीं, स्वयं को परखने का एक माध्यम है। अंक ही सबकुछ नहीं होते, असली लक्ष्य संतुलित, आत्मविश्वासी और सक्षम जीवन का निर्माण होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने आज यहां अपने आवास पर 'परीक्षा पे चर्चा' 2026 के नौवें संस्करण में देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों से संवाद किया। मणिपुर की एक छात्रा के सवाल पर प्रधानमंत्री ने छात्रों को सलाह दी कि जो बीत गया उसकी गिनती में समय बर्बाद न करें। अपना उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि '17 सितंबर को उनके जन्मदिन पर एक नेता ने फोन किया और बोले कि अब आप 75 के हो गए, तो मैंने कहा कि

अभी 25 बाकी हैं।' उन्होंने कहा कि 'जो बीता है, मैं उसे गिनता नहीं हूं। जो बचा है उसको गिनता हूं।' उन्होंने छात्रों से भी यही दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि जो बीता है उसकी गिनती में समय बर्बाद मत कीजिए, जो बचा है उसको जीने के लिए सोचिए।

अलग-अलग अध्ययन पद्धतियों को लेकर भ्रम

माता-पिता और शिक्षकों द्वारा सुझाई जाने वाली अलग-अलग अध्ययन पद्धतियों को लेकर भ्रम संबंधी एक छात्र के सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह स्थिति जीवन भर बनी रहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद भी लोग उन्हें अलग-अलग तरीके से काम करने की सलाह देते हैं। सलाह जरूर लें लेकिन वही करें जो आपके स्वभाव और परिस्थितियों के अनुकूल हो।

मोदी ने कहा, 'आप अपना जो पैटर्न है, उस पर पूरा भरोसा करो। लेकिन जो पैटर्न के लिए सुझाव देते हैं, उसको ध्यान से सुनो, समझने की कोशिश करो और उसमें आपको लगता है कि यह चीज अगर जोड़ दूं तो अच्छा होगा। लेकिन किसी के कहने पर मत जोड़ो, अपने अनुभव से जोड़ो।'

'इम्पोर्टेंट क्वेश्चन' पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर किया आगाह

प्रधानमंत्री ने बोर्ड और स्कूल परीक्षाओं की तैयारी में पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों और तथाकथित 'इम्पोर्टेंट क्वेश्चन' पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर छात्रों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि जब छात्र केवल सीमित पैटर्न पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तब प्रश्नपत्र कठिन लगने लगता है, जबकि वह सिलेबस के बाहर नहीं होता। यह प्रवृत्ति उनके छात्र जीवन के समय भी थी और आज भी कुछ शिक्षक अनजाने में इसे बढ़ावा देते हैं। अच्छे शिक्षक वही होते हैं जो पूरे सिलेबस को जीवन से जोड़ कर पढ़ाते हैं।

भारत ने छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता

इंग्लैंड को 100 रन से हराया; वैभव सूर्यवंशी ने 175 रन बनाए, 15 छक्के लगाए

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने इंग्लैंड को वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में 100 रन से मात देकर छठी बार खिताब अपने नाम कर लिया है। शुक्रवार को खेले गए इस ऐतिहासिक मुकाबले में भारत के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 30 बाउंड्री के साथ 175 रन की यादगार पारी खेली। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 9 विकेट खोकर 411 रन बनाए। भारत को महज 20 के स्कोर पर आरोन जॉर्ज (9) के रूप में पहला झटका लग गया था। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ दूसरे विकेट के लिए 142 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी। म्हात्रे 51 गेंदों में 53 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद सूर्यवंशी ने वेदांत त्रिवेदी के साथ तीसरे विकेट के लिए 39 गेंदों में 89 रन जोड़ते हुए भारत को 251 के स्कोर तक पहुंचा दिया। वैभव 80 गेंदों में 15 चौकों और

इतने ही छक्कों के साथ 175 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विहान मल्होत्रा ने वेदांत त्रिवेदी के साथ 51 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 300 के पार पहुंचा दिया। विहान 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद अभिज्ञान कुंडु ने 31 गेंदों में 40 रन की पारी खेली। अंतिम ओवरों में 37 रन की नाबाद पारी खेलते हुए कनिष्क चौहान ने भारत को 411/9 के स्कोर तक पहुंचा दिया। विपक्षी खेमे से जेम्स मिंटो ने सर्वाधिक 3 विकेट निकाले, जबकि सेबेस्टियन मॉर्गन और एलेक्स ग्रीन ने 2-2 विकेट हासिल किए। एक विकेट मैनी लम्सडेन ने अपने नाम किया। इसके जवाब में इंग्लिश टीम 40.2 ओवरों में 311 रन पर सिमट गई।

बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का परीक्षण

भारत ने एक और कामयाबी हासिल की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ओडिशा के तट से दूर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण करके अपनी मिसाइल शक्ति और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र में एक और कामयाबी हासिल की है। मिसाइल का परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा और यह विभिन्न मानकों पर खरी उतरी। अग्नि-3 बैलिस्टिक मिसाइल 3500 किलोमीटर दूर तक दुश्मनों के ठिकानों पर सटीक निशाना लगाकर उसे तबाह करने की ताकत रखती है। इसकी जद में पूरा पाकिस्तान और चीन का लगभग आधा हिस्सा आता है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इंटरमीडिएट रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि -3 का सफल प्रक्षेपण सामरिक बल कमांड के तत्वाधान में किए गए नियमित उपयोगकर्ता प्रशिक्षण का हिस्सा था। मिसाइल का प्रक्षेपण पूर्व निर्धारित सीमा के लिए किया गया था और सिस्टम के सभी परिचालन मापदंडों को मान्य किया गया। लॉन्च में सभी ऑपरेशनल और टेक्निकल पैरामीटर्स सही पाए गए।परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अग्नि-3 मिसाइल की लंबाई 17 मीटर और व्यास 2 मीटर है। इतना ही नहीं, यह मिसाइल एक सेकेंड में पांच किलोमीटर की दूरी तय करने में सक्षम है। मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 को 2011 में अग्नि-2 के उत्तराधिकारी के रूप में सेवा में शामिल किया गया था। अग्नि-3 की मारक क्षमता 3,000 से 5,000 किलोमीटर तक है। फायर के बाद यह मिसाइल पाकिस्तान और चीन सहित कई पड़ोसी देशों के अंदर तक जाकर टारगेट को हिट कर सकती है। अग्नि-3 दो चरणों वाली बैलिस्टिक मिसाइल है, जो परमाणु हमला करने में सक्षम है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने डिजाइन किया है। यह मिसाइल सॉफिस्टिकेटेड नेविगेशन, ऑनबोर्ड कंप्यूटर सिस्टम और गाइडेंस एवं कंट्रोल सिस्टम्स से लैस है।

हंगामें की भेंट चढ़ी लोकसभा की कार्यवाही

सुचारू रूप से चला राज्यसभा का कामकाज

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के आठवें दिन शुक्रवार को भी लोकसभा में विपक्ष का हंगामा जारी रहा। जिसके बाद लोकसभा की कार्यवाही 9 फरवरी को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, राज्यसभा में कामकाज सुचारू रूप से चला।

राज्यसभा में आज शून्य काल में ऑनलाइन गेमिंग, आयुष मंत्रालय से पैरों के इलाज, कंपनी में माता-पिता की देखरेख के लिए अवकाश की मांग सहित रेलवे मंत्रालय से जुड़े सवालों के जवाब दिए गए। भोजनावकाश के बाद 02 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सदस्यों ने निजी विधेयकों को पटल पर रखा। जिसके बाद सदन की

कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और हाथों में प्लेकार्ड लेकर सदन के बीचोंबीच आ गए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि बजट सत्र में अब तक सदन के 19 घंटे 13 मिनट हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्नकाल सभी सदस्यों का समय होता है और जनता ने सांसदों को चर्चा और संवाद के लिए भेजा है, न कि पोस्टर और नारेबाजी के लिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा कर सदन की मर्यादा समाप्त की जाती है तो सदन को चलाना संभव नहीं है। अध्यक्ष के बार-बार आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं थमने पर सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर में कार्यवाही पुनः शुरू होने पर भी विपक्ष का शोरशराबा जारी रहा।

पीठासीन सदस्य कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने बताया कि स्थगन प्रस्ताव की किसी भी सूचना को अध्यक्ष ने अनुमति नहीं दी है। नारेबाजी के बीच स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा सहित कई मंत्रियों ने सभा पटल पर प्रस्ताव रखे। पीठासीन अधिकारी ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि बजट पर चर्चा के दौरान वे अपने सभी विषय उठा सकते हैं और कार्यवाही को बाधित न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन में प्लेकार्ड लाना नियमों के विरुद्ध है। लगातार व्यवधान के कारण लोकसभा की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राजस्थान अक्षय एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य- सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पीएम कुसुम योजना (कम्पोनेन्ट ए तथा सी) में राजस्थान ने तीन हजार मेगावाट की क्षमता अर्जित की है। डबल इंजन सरकार के विजन से किसान 'अन्नदाता' के साथ 'ऊर्जादाता' और प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' बन रहा है। मुख्यमंत्री ने पीएम कुसुम योजना की इस उपलब्धि के लिए मेहनती किसानों, ऊर्जा विभाग और राजस्थान डिस्कॉम्स के कार्मिकों को बधाई दी है। राजस्थान अक्षय ऊर्जा एवं सौर ऊर्जा के साथ-साथ पीएम कुसुम योजना कम्पोनेन्ट ए तथा सी में देश का अग्रणी राज्य है।

इस वर्ष 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आयोग की बड़ी तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों को स्वतंत्र और शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी उद्देश्य से नई दिल्ली स्थित भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में आयोजित दो दिवसीय 'केंद्रीय पर्यवेक्षक ब्रीफिंग' का शुक्रवार को समापन हुआ। इसमें देशभर से आए कुल 1,444 अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के अंतिम दिन आज मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ.

सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ पर्यवेक्षकों के तीसरे बैच को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत में चुनाव पूरी तरह से कानून और आयोग के निर्देशों के अनुसार होते हैं। इसलिए नियमों से किसी भी तरह के विचलन की कोई गुंजाइश नहीं है। पर्यवेक्षक सुनिश्चित करें कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता का उच्चतम स्तर बना रहे। चुनाव

> *'इसलिए नियमों से किसी भी तरह के विचलन की कोई गुंजाइश नहीं है।'*

आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने जोर दिया कि राजनीतिक दलों और जनता से मिलने वाली शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाए ताकि चुनावी प्रक्रिया में भरोसा बना रहे। उन्होंने उन्हें पिछले एक साल में आयोग द्वारा की गई विभिन्न नई पहलों के बारे में भी बताया, जिन्हें बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान सफलतापूर्वक लागू किया गया था।डॉ. एस.एस. संधू ने कहा कि पर्यवेक्षक मैदान में ईसीआई के प्रतिनिधि होते हैं इसलिए उन्हें सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए उच्चतम आचरण का पालन करना चाहिए। आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20 बी द्वारा उसे दिए गए विशेषाधिकार के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में आयोग की सहायता के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त करता है। वे फील्ड स्तर पर चुनावी प्रक्रिया के कुशल और प्रभावी प्रबंधन की भी देखरेख करते हैं।

जब तर्क विफल हो जाते हैं, तो संस्थाओं को निशाना बनाया जाता : सुनील जाखड़

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने शुक्रवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ कांग्रेस सांसदों के पिछले आचरण को देखते हुए, उनके द्वारा अनुचित व्यवहार की आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के पद की गरिमा उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पद की गरिमा को खतरे की चिंताओं का जिक्र करते हुए, जाखड़ ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक संदेश में कहा कि पंजाब कांग्रेस के नेता अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के लिए किसी भी हद तक गिर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिन नेताओं ने फिरोजपुर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री की सुरक्षा को खतरे में डाला था, वे अब संसद में कांग्रेस की सीटों पर बैठे हैं, और वे कांग्रेस हाई कमांड का समर्थन पाने के लिए अब भी किसी भी हद तक गिर सकते हैं। पंजाब भाजपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि लोकसभा में कुछ कांग्रेस सांसदों के आचरण को लेकर उठाई गई चिंताओं को सामान्य व्यवधान कहकर खारिज नहीं किया जा सकता, खासकर उनके अपने पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए। वही लोग, जिन्होंने 2022 में प्रधानमंत्री की पंजाब यात्रा के दौरान न केवल उनकी सुरक्षा को खतरे में डालने वाली परिस्थितियां पैदा कीं आज सांसद हैं और कांग्रेस हाई कमान के हिस्से के रूप में पार्टी की नीति और रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं।

देश की सुरक्षा के लिए बीएसएफ जहां भी गया, कर्तव्य के जज्बे का परचम लहराया: अमित शाह

शाह ने 'अजेय प्रहरी' स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अपने जम्मू दौरे पर भारत-पाकिस्तान की सीमा पर स्थित बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) 'गुरनाम' और 'बोबिया' का दौरा किया। उन्होंने 'अजेय प्रहरी' स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और बीओपी 'बोबिया' परिसर में पौधारोपण भी किया। अमित शाह ने प्रहरियों के कल्याण के लिए 7 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन शाह ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि वे

जब भी कच्छ, राजस्थान या जम्मू-कश्मीर के दुर्गम स्थानों पर स्थित कहा कि बीएसएफ जवानों के 60 वर्षों के इस पराक्रमपूर्ण इतिहास ने देश की जनता के मन में भी यही भावना पैदा की है। रखा। उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जम्मू-कश्मीर फ्रंटियर ने 118 पाकिस्तानी पोस्टों और तीन आतंकी लॉन्च पैड को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज अहमद और सिपाही दीपक चिंखाम को वीर चक्र से सम्मानित किया गया। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। शाह ने कहा कि इसी दौरान बीएसएफ को 16 वीरता पदक और अनेक प्रशस्ति पत्र भी प्राप्त हुए।

रामभक्तों का अपमान भारत की विरासत का अपमान:योगी

'दंगा और दंगाई दोनों समाप्त हो चुके हैं।'

एजेंसी

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि रामभक्तों का अपमान किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अपमान था। उन्होंने कहा कि विरासत और मूल्यों के क्षरण का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश लंबे समय तक अराजकता, दंगों और असुरक्षा का केंद्र बना रहा। मुख्यमंत्री योगी हरिद्वार में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की विग्रह मूर्ति स्थापना समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब प्रदेश में

रामभक्तों पर गोलियां चलीं, विरासत को लांछित किया गया और आध्यात्मिक मूल्यों को कमजोर किया गया। इसका नतीजा यह हुआ कि उत्तर प्रदेश दंगों, लूट और गुंडागर्दी का अड्डा बन गया। सीएम ने कहा कि आज स्थिति पूरी तरह बदली है। अब प्रदेश में न अराजकता है, न दंगा, न कर्फ्यू। दंगा और दंगाई दोनों समाप्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब कर्फ्यू अपराधियों पर लगाया जाता है। यह परिवर्तन स्पष्ट नीति और दृढ़ नीयत का परिणाम है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी यह कल्पना भी नहीं की गई थी कि 500 वर्षों बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण संभव होगा, लेकिन आज भव्य राम मंदिर साकार हो चुका है। विरासत को सम्मान देने से प्रदेश में सुरक्षा का वातावरण बना और उत्तर प्रदेश आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है।

उन्होंने कहा कि लोग उनसे पूछते हैं कि बिना किसी औपचारिक प्रशासनिक प्रशिक्षण के वह उत्तर प्रदेश का संचालन कैसे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय आश्रम पद्धति प्रशासन और प्रबंधन का व्यावहारिक ज्ञान देती है। संन्यासी जीवन अनुशासन, सेवा और नेतृत्व सिखाता है।

जालंधर मर्डर केस पर गरमाई सियासत, सुखबीर बादल ने पंजाब सरकार पर कसा तंज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। जालंधर में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता की सरेआम गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले ने पंजाब की राजनीति को गरमा दिया है। इस घटना को लेकर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सुखबीर बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि पंजाब में अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुके हैं और हालात इतने खराब हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी के अपने नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि आम आदमी पार्टी के नेता अपनी ही सरकार में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, जो कानून-व्यवस्था की विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने जालंधर के मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारा साहिब के बाहर हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबराए की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात न सिर्फ चौंकाने वाली है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं बचा है। सुखबीर बादल के मुताबिक, सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की घटना राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। अकाली दल प्रमुख ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2026 में अब तक पंजाब में करीब 25 हत्याएं हो चुकी हैं, जबकि महीने के पहले सप्ताह में ही 9 हत्याओं के मामले सामने आए थे। उन्होंने कहा कि ये वारदातें किसी एक इलाके तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे राज्य में फैल चुकी हैं। चाहे कोर्ट कॉम्प्लेक्स हो, व्यस्त बाजार, शादी समारोह का स्थल हो या फिर गुरुद्वारा साहिब के बाहर—अपराध हर जगह हो रहे हैं। सुखबीर बादल ने सरकार और पुलिस द्वारा गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार भले ही सख्त कार्रवाई के दावे करे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

भाजपा विधायक को 'लुटेरा' कहने वाले उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पर एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। सरोजनी नगर से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह को 'लुटेरा' कहने के मामले में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर की गई है। यह मामला अजय राय द्वारा एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान दिए गए बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने विधायक पर देश और प्रदेश को लूटने का आरोप लगाया था। भाजपा नेता शिवशंकर सिंह उर्फ शंकरी की शिकायत पर सरोजनी नगर थाने में यह मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया गया कि 1 फरवरी 2026 को सरोजनी नगर के गौरी-बिजनौर रोड स्थित नटकुर तिराहा पर एक राजनीतिक सभा आयोजित की गई थी। इस सभा को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा था कि विधायक राजेश्वर सिंह देश और प्रदेश को लूटने का काम कर रहे हैं और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में रहते हुए भी लूट-खसोट जारी रही। शिकायतकर्ता के अनुसार, अजय राय का बयान पूरी तरह असत्य, तथ्यहीन और मानहानिकारक है, जिससे विधायक की छवि को नुकसान पहुंचा है। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि भाषण को योजनाबद्ध तरीके से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। भाजपा नेता ने 'रुद्रदमन सिंह' नामक फेसबुक अकाउंट से वीडियो साझा किए जाने का आरोप लगाया है।

बिहार में नीट छात्रा की मौत का मामला : राबड़ी देवी ने पुलिस पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता राबड़ी देवी ने राज्य में नीट छात्रा की मौत के मामले में पुलिस और सरकार पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया है। यह घटना पिछले महीने 6 जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर स्थित छात्रावास में हुई थी। जहानाबाद निवासी छात्रा को अचेत अवस्था में पाया गया था और कई दिनों तक कोमा में रहने के बाद 11 जनवरी को उसने निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। बजट सत्र के तीसरे दिन विधानपरिषद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि राज्य में किसी भी जिले में अपराध नहीं हो रहे हैं ऐसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और गृह मंत्री इस मामले में चुप हैं और सभी तथ्यों को छिपाने के बाद इसे सीबीआई को सौंप दिया गया। राबड़ी देवी ने कहा कि सरकार दोषियों को बचाने की कोशिश कर रही है क्योंकि अपराध में शामिल लोग सरकार का हिस्सा हैं। सीबीआई क्या करेगी? यह एजेंसी भी केंद्र सरकार के नियंत्रण में है। इस मामले पर जनता दल यूनाइटेड के विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने राबड़ी देवी की टिप्पणियों को मीडिया में सुर्खियां बटोरने की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार अपराधियों को कानूनी कार्रवाई से नहीं बचाती और इस तरह के आरोप निराधार हैं। परिवार ने अधिकारियों पर मामले को दबाने का आरोप लगाया था। बिहार सरकार ने मामले की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से सिफारिश की थी। फिलहाल विशेष जांच दल इस घटना की जांच कर रहा है। राबड़ी देवी ने विधानसभा में कहा कि इस बजट में बिहार के लोगों के लिए कुछ नहीं है और सरकार केवल जनता को गुमराह कर वोट हासिल करने की कोशिश कर रही है।

रांची के जाने-माने कारोबारी और बिल्डर अनुराग सरावगी ने की आत्महत्या

रांची (एजेंसी)। रांची के जाने-माने बिल्डर और व्यवसायी अनुराग सरावगी ने मेन रोड स्थित ब्लेयर अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से न केवल इलाके में हड़कंप मच गया, बल्कि राजधानी के कारोबारी जगत में भी शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार अनुराग सरावगी गुरुवार रात करीब 11 बजे अपार्टमेंट में अपने फ्लैट की बालकनी से नीचे कूद गए। ऊंचाई से गिरने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। तेज आवाज सुनकर अपार्टमेंट के सुरक्षाकर्मी और स्थानीय लोग घटनास्थल की ओर पहुंचे, जहां उनका शव पड़ा मिला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि अनुराग गुरुवार की रात घर पर अकेले थे। उनकी पत्नी और दोनों बच्चे किसी रिश्तेदार के यहां तमिलनाडु गए हैं। अपार्टमेंट में रहने वाले कुछ लोगों ने पुलिस को बताया है कि वह देर रात किसी से मोबाइल पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदपीढ़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी, कोतवाली डीएसपी समेत वरीय पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

सरकारी जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा, एयर इंडिया के 70 फीसदी विमानों में तकनीकी खराबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया के बेड़े को लेकर एक चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। सरकार ने संसद में जानकारी दी है कि एयरलाइन के हर 10 में से 7 विमानों में किसी न किसी तरह की तकनीकी खामी पाई गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एयर इंडिया के लगभग 70 फीसदी विमान तकनीकी रूप से समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जो सभी भारतीय एयरलाइन्स में सबसे अधिक है।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया कि जनवरी 2025 से 3 फरवरी 2026 तक विभिन्न एयरलाइनों के कुल 377 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने के मामले दर्ज किए गए। सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि एयर इंडिया के जिन 166 विमानों की जांच की गई, उनमें से 137 विमानों में तकनीकी खामियां पाई गईं। इसी समूह की अन्य कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के भी 101 विमानों में से 54 में बार-बार खराबी की बात सामने आई है। जांच के दायरे में केवल एयर इंडिया ही नहीं, बल्कि अन्य निजी एयरलाइन्स भी रहीं। इंडिगो के 405 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 148 विमानों में तकनीकी समस्याएं मिलीं। वहीं, स्पाइसजेट के 43 विमानों में से 16 और अकासा एअर के 32 विमानों में से 14 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने की पुष्टि हुई है। इस अवधि के दौरान विमानन सुरक्षा नियामक, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए कुल 3,890 निगरानी निरीक्षण किए।

हालांकि, मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले तीन वर्षों में उड़ानों के दौरान तकनीकी खराबी की कुल घटनाओं में धीरे-धीरे कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में खराबी के 448 मामले सामने आए थे, जो 2024 में घटकर 421 रह गए। सरकार का दावा है कि डीजीसीए के पास हवाई अड्डा संचालकों और विमानों की निगरानी के लिए एक व्यवस्थित सुरक्षा तंत्र मौजूद है, जिसके तहत औचक निरीक्षण और नियामक ऑडिट किए जाते हैं। नियमों के उल्लंघन या सुरक्षा मानकों में कोताही पाए जाने पर डीजीसीए द्वारा सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जाती है। एयरलाइन्स के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे किसी भी तकनीकी घटना की रिपोर्ट तुरंत नियामक को दें। ऑडिट के दौरान मिलने वाली कमियों को दूर करने के लिए संबंधित एयरलाइन्स को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए जाते हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र, कहा- गोवंश यदि सुरक्षित हैं इसका हो परीक्षण

वाराणसी (एजेंसी)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गोवंश को लेकर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि हाल ही में राज्य के पशुपालन मंत्री ने उनके द्वारा उठाए गए गोकशी के गंभीर मुद्दे को 'भ्रम' और 'असत्य' करार दिया। मंत्री ने दावा किया था कि राज्य में गो-वंश पूर्णत: सुरक्षित है। शंकराचार्य ने पत्र में कहा कि धर्मसत्ता और राजसत्ता के बीच सत्य की स्थापना के लिए आवश्यक है कि दावों का धरातलीय एवं वैज्ञानिक परीक्षण हो। यदि शासन का विश्वास अडिग है कि राज्य में गोहत्या पूर्णत: बंद हो चुकी है, तो पारदर्शिता के लिए ज्योतिषपीठ के प्रतिनिधियों को कुछ बिंदुओं पर अनुमति एवं पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए। उन्होने मांग की कि निर्यातित मांस का डीएनए परीक्षण कराया जाए। हापुड़, अलीगढ़, मेरठ और उन्नाव जैसे निर्यात केंद्रों से रैंडम सैंपलिंग कर स्वतंत्र जांच की अनुमति दी जाए। चर्म शोधन इकाइयों का निरीक्षण किया जाए। कानपुर एवं अन्य क्षेत्रों में आने वाली खालों के वैज्ञानिक परीक्षण हेतु प्रवेश की अनुमति प्रदान की जाए। परिवहन एवं सीमा निरीक्षण किया जाए। अंतर्राज्यीय सीमाओं और प्रमुख मार्गों पर संदिग्ध वाहनों के आकस्मिक निरीक्षण में प्रशासनिक सहयोग दिया जाए। नगर निकायों एवं निजी वधशालाओं की व्यवस्था की धरातलीय जांच के लिए 'सरप्राइज ऑडिट' का अधिकार प्रदान किया जाए। इसके अलावा गौशाला एवं निस्तारण केंद्रों का ऑडिटरू सरकारी गौशालाओं में मृत्यु के कारणों एवं शवों के निस्तारण की प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराई जाए और अधिकृत प्रयोगशालाओं की सूची जारी की जाए। शंकराचार्य ने कहा कि इन बिंदुओं के तहत संकलित नमूनों की निष्पक्ष जांच के लिये शासन द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की सूची उपलब्ध कराई जाए, जिनकी रिपोर्ट को शासन साक्ष्य के रूप में स्वीकार करता हो। इससे भविष्य में जांच परिणामों पर कोई विवाद नहीं रहेगा।

उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप जारी:

पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड और कोहरे का दोहरा सितारा जारी है। हिमाचल प्रदेश के 14 शहरों में रात का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज किया गया है, जिससे समूचा राज्य शीत लहर की चपेट में है। मौसम विभाग ने मैदानी इलाकों के लिए घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। आने वाले दिनों में हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और मंडी के निचले इलाकों में दृश्यता काफी कम रहने का अनुमान है।

केवल हिमाचल ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी ठंड ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मध्य प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर खत्म होते ही उत्तरी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। राज्य के ग्वालियर समेत 8 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया है, जबकि 30 से अधिक जिलों में घना कोहरा देखा गया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी सुबह के समय घने कोहरे और बर्फीली हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। पहाड़ी राज्यों में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 9 फरवरी से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का नया दौर शुरू हो सकता है। उत्तराखंड में 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर बारिश और हिमपात की संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 10 और 11 फरवरी को राज्य के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश और बर्फबारी के आसार जताए गए हैं। आगामी 7 और 8 फरवरी को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में सुबह के वक्त घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इस दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है, जिससे सुबह और रात की ठंड और अधिक महसूस होगी। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही हलचल का सीधा असर मैदानी इलाकों के तापमान पर पड़ेगा, जिससे फिलहाल सर्दी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। प्रशासन ने कोहरे को देखते हुए वाहन चालकों को सावधानी बरतने और ठंड से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने की सलाह दी है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा: नए उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के विरोध में भारी बवाल

चुराचांदपुर (एजेंसी)। मणिपुर में नई सरकार के गठन और शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही राज्य में एक बार फिर अशांति का माहौल पैदा हो गया है। विशेष रूप से चुराचांदपुर जिले में गुरुवार को स्थिति उस समय अनियंत्रित हो गई, जब नए उपमुख्यमंत्रियों के रूप में नेमचा किपगेन और एल दिखो के शपथ ग्रहण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हिंसक संघर्ष में बदल गया। पूरे क्षेत्र में व्याप्त भारी तनाव को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा बल तैनात कर दिए हैं।

हिंसा की शुरुआत गुरुवार शाम करीब 6 बजे तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में हुई। यहां सैकड़ों की संख्या में युवा प्रदर्शनकारी सड़क पर उतर आए और सुरक्षा बलों को पीछे धकेलने की कोशिश करने लगे। जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया, तो भीड़ उग्र हो गई और पत्थरबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने सड़क के बीचों-बीच टायर जलाकर आवागमन बाधित कर दिया। युवाओं का यह आक्रोश उस समय चरम पर पहुंच गया, जब उन्हें सूचना मिली कि कुकी-जोमी समुदाय के तीन विधायक सरकार का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इनमें नेमचा किपगेन ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है, जबकि एलएम खाउते और नगुरसंगलुर के भी सरकार में शामिल होने की खबरें हैं। स्थानीय कुकी संगठनों ने पहले ही अपने समुदाय के विधायकों को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि वे वर्तमान परिस्थितियों में सरकार में शामिल न हों। समुदाय का एक बड़ा धड़ा इस बात से आहत है कि इंफाल में हुई पिछली हिंसा के दौरान जान-माल और धार्मिक स्थलों का भारी नुकसान हुआ था, जिसकी टीस अभी भी बरकरार है। समुदाय का मानना है कि ऐसे समय में सत्ता में साझेदारी करना उनके हितों और भावनाओं के खिलाफ है। इसी नाराजगी के चलते चुराचांदपुर में विरोध प्रदर्शन और बंद का आह्वान किया गया।

राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो, एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के करीब एक साल बाद राज्य में नई सरकार का उदय हुआ है। युमनाम खेमचंद सिंह ने मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला है। उनके साथ भाजपा की नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के एल दिखो ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। इस नई राजनीतिक व्यवस्था को क्षेत्रीय गुटों ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जिससे टकराव की स्थिति बनी हुई है। हालात पर काबू पाने के लिए असम राइफल्स और पुलिस के जवानों को मोर्चे पर लगाया गया है। शुरुआती झड़पों के बाद सुरक्षा बलों को कुछ समय के लिए पीछे हटना पड़ा, लेकिन भीड़ के लगातार बढ़ते दबाव को देखते हुए अंततः आंसू गैस के गोले छोड़े गए। वर्तमान में, आदिवासी संगठन ज्वाइंट फोरम ऑफ सेवन ने सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक पूर्ण बंद का आह्वान किया है। संगठन ने सख्त चेतावनी दी है कि यदि कोई विधायक या नेता इस बंद और समुदाय की भावनाओं का उल्लंघन करता है, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सुरक्षा एजेंसियां संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च कर रही हैं ताकि स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सके।

गोलवलकर से जुड़ी टिप्पणी को लेकर फंसे दिग्विजय, नहीं होगी मानहानि याचिका खारिज

-कोर्ट ने कहा कांग्रेस नेता के खिलाफ दायर मानहानि याचिका में वैध कारण बनता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) और दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर से जुड़ी एक टिप्पणी को लेकर फंसते नजर आ रहे हैं। इस मामले में उनके खिलाफ दायर एक मानहानि याचिका को कोर्ट ने खारिज करने से इनकार कर दिया है। 8 जुलाई 2023 को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिग्विजय सिंह ने दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर की एक तस्वीर साझा करके उसके कैप्शन में लोगों से सवाल पूछा था कि क्या वह दलितों, पिछड़े वर्गों, मुसलमानों और भूमि, जल व जंगल से जुड़े मुद्दों पर गोलवलकर के विचारों से परिचित हैं?

इस पोस्ट को लेकर संघ के स्वयंसेवक शशिकांत चंपानेकर ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ मामला दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे संघ की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। याचिका के दाखिल होने के बाद कोर्ट ने सुनवाई शुरू कर दी है। राज्यसभा सांसद सिंह ने इस याचिका को खारिज करने की अपील करते हुए तर्क दिया कि यह मामला कानूनन विचारणीय नहीं है। इस पर सिविल जज राजेश बी. खंडारे ने कहा कि दिग्विजय सिंह के खिलाफ दायर मानहानि याचिका में वैध कारण बनता है। इसी वजह से इसे खारिज नहीं किया जा सकता है। दिग्विजय सिंह की ओर से दलील दी गई कि याचिका कर्ता को यह मुकदमा दायर करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि संघ न तो कोई पंजीकृत संस्था है और न ही कानूनी व्यक्ति है। ऐसे में वह मुकदमा दायर नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आखिर कोई व्यक्तिगत सदस्य संघ और गोलवलकर की ओर से हर्जाना कैसे मांग सकता है?

इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि आपराधिक मानहानि कानून के तहत किसी पहचाने जाने योग्य समूह की मानहानि की जा सकती है और उस समूह का कोई आहत सदस्य कानूनी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े गंभीर और विचारणीय मुद्दे हैं, जिनका फैसला केवल साक्ष्य दर्ज होने के बाद ही किया जा सकता है, न कि वाद खारिज करने के चरण पर। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि इस वाद को खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याचिका में कारण बनता है, संघ सदस्य के मुकदमा दायर करने के अधिकार को इस चरण पर कानून द्वारा प्रतिबंधित नहीं कहा जा सकता और वाद के मूल्यांकन या कोर्ट फीस की पर्याप्तता जैसे मुद्दे बिना सुधार का अवसर दिए वाद खारिज करने का आधार नहीं बन सकते।

कोयला खदान में विस्फोट से अब तक 18 की मौत, कई मलबे में दबे, बचाव कार्य जारी

-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दु:ख, मृतकों के परिवारों को सहायता की घोषणा

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को कोयला खदान में विस्फोट ने पूरे देश को हिला दिया। अवैध रूप से संचालित इस खदान में अचानक हुए धमाके के बाद चीख-पुकार मच गई। मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूर अंदर ही फंस गए। राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंची। भारी मशक्कत के बाद 18 मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं, कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस दर्दनाक हादसे ने खदानों में सुरक्षा व्यवस्था और अवैध खनन के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। हादसे की खबर मिलते ही राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों सक्रिय हो गईं। पीएम मोदी ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया। वहीं मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और अवैध खनन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक विस्फोट खदान के अंदर हुआ, जिससे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। प्रशासन ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, खान और खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और विशेष टीमों को लगाया गया है।

हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दुख जताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी घटना की जांच और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम संगमा से बातचीत कर केंद्र की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा मेघालय सरकार ने मृतकों के परिवारों को तीन-तीन लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है। सरकार का कहना है कि यह मदद पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत देने के लिए दी जा रही है। हादसे के बाद लोगों में गुस्सा है।

सीएम कॉनराड संगमा ने कहा है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार अवैध खनन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। प्रशासन ने साफ किया है कि राज्य में वैज्ञानिक खनन को बढ़ावा दिया जाएगा और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज, अगले महीने तारीखों का एलान संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल समेत देश के पांच राज्यों में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग जल्द ही संबंधित राज्यों का दौरा शुरू करेगा। इन दौरों का उद्देश्य चुनाव की तारीखों के एलान से पहले कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक तैयारियों और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर आकलन करना है। माना जा रहा है कि मार्च के पहले सप्ताह के बाद कभी भी चुनावों की आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।

इस साल जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों का कार्यकाल 7 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। वहीं, तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 10 मई, केरल की 140 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 23 मई, असम की 126 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को पूरा होगा। इसके अलावा, पुडुचेरी की 30 सीटों वाली विधानसभा का कार्यकाल 15 जून 2026 को खत्म हो रहा है। संवैधानिक प्रावधानों के तहत इन सभी राज्यों में कार्यकाल समाप्त होने से पहले नई विधानसभा का गठन अनिवार्य है।

सूत्रों के मुताबिक, चूंकि चार राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल मई महीने में और पुडुचेरी का जून में समाप्त हो रहा है, इसलिए चुनाव आयोग समय से पहले सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने में जुट गया है। खासतौर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल सबसे पहले 7 मई को समाप्त हो रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए आयोग की प्राथमिकता भी इसी राज्य पर अधिक रहने की संभावना है।

आयोग फरवरी के अंत से लेकर मार्च के पहले सप्ताह तक इन राज्यों का दौरा कर सकता है। इस दौरान संबंधित राज्यों के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के साथ बैठकें की जाएंगी। इसके अलावा, सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से भी संवाद किया जाएगा, ताकि चुनाव से जुड़े उनके सुझावों और आपत्तियों को सुना जा सके और यदि कोई वैध बिंदु हो तो उसे चुनावी प्रक्रिया में शामिल किया जा सके।

गौरतलब है कि पिछले साल बिहार विधानसभा चुनावों में तारीखों के एलान से लेकर पूरी चुनावी प्रक्रिया समाप्त होने तक कुल 42 दिन का समय लगा था। बिहार में चुनाव की घोषणा 6 अक्टूबर 2025 को हुई थी और दो चरणों में मतदान के बाद 16 नवंबर को पूरी प्रक्रिया संपन्न हुई, जबकि विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक था। इसी पैटर्न को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि इन पांच राज्यों में भी चुनावों की घोषणा मार्च के पहले सप्ताह के बाद की जा सकती है। राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माने जा रहे इन चुनावों को लेकर सभी

दलों की निगाहें अब चुनाव आयोग के आधिकारिक एलान पर टिकी हुई हैं।

दिल्ली में लापता मामलों के नंबर बड़े लेकिन कहानी अलग

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस के मुताबिक लापता मामलों के ऊंचे आंकड़े बेहतर डिजिटल रिपोर्टिंग का नतीजा हैं, न कि बढ़ती गुमशुदगी का। पुलिस का दावा है कि बरामदगी की रफ्तार तेज हुई है। नई दिल्ली में लापता लोगों के आंकड़ों को लेकर इन दिनों चिंता और सियासत दोनों देखने को मिल रही है। लेकिन ताजा सरकारी आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ बड़े नंबर देखकर किसी नतीजे पर पहुंचना सही नहीं है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि राजधानी में लापता मामलों की रिपोर्टिंग भले ही ज्यादा दिखती हो, लेकिन इसकी बड़ी वजह एक मजबूत और आसान डिजिटल-फर्स्ट सिस्टम है, न कि अचानक बढ़ती गुमशुदगियां। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आज कोई भी नागरिक मोबाइल ऐप या ऑनलाइन पोर्टल के जरिये कुछ ही मिनटों में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करा सकता है। इस आसान पहुंच का असर यह हुआ है कि छोटी-छोटी अनुपस्थितियां भी तुरंत रिकॉर्ड में आ जाती हैं। मसलन, स्कूल से देर से लौटे बच्चे, मोबाइल नेटवर्क की दिक्कत के कारण कुछ समय तक संपर्क में न आ पाने वाले किशोर, या फिर एहतियातन चिंतित माता-पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतें, ये सभी तुरंत आधिकारिक आंकड़ों का हिस्सा बन जाती हैं। अक्सर ऐसा भी होता है कि व्यक्ति कुछ ही घंटों में घर लौट आता है, लेकिन परिवार औपचारिक रूप से इसकी सूचना नहीं देता। नतीजा यह कि केस रिकॉर्ड में बना रहता है, जिससे कुल संख्या ज्यादा नजर आती है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, २०२५ में लापता व्यक्तियों के कुल मामलों में करीब २ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यही रुझान २०२६ की शुरुआत में भी देखने को मिला है। जनवरी २०२६ में १,७७७ लापता मामलों की रिपोर्ट हुई, जो न सिर्फ २०२५ के मासिक औसत २,०४२ से कम है, बल्कि जनवरी २०२५ (१,७८६) से भी थोड़ा कम है। पुलिस इसे ठंडा होता रुझान मान रही है। अगर पिछले वर्षों से तुलना करें तो बरामदगी की गति में साफ सुधार दिखता है।

श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित साल भर चलेंगे क्रमवार समागम, मुख्यमंत्री ने की शुरुआत

खुरालगढ़, श्री गुरु रविदास महाराज जी की महान विरासत के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रगट करते हुए पंजाब सरकार ने गुरु साहिब के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित साल भर चलने वाले क्रमवार समागमों की रस्मी तौर पर शुरुआत की। इन क्रमवार समागमों के तहत 20 फरवरी, 2027 तक राज्य भर में धार्मिक, सांस्कृतिक और अकादमिक स्तर पर अलग-अलग प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इन यादगार समागमों की शुरुआत करते हुए कहा कि साल भर संत सम्मेलन, कॉन्फ्रेंसें, कथा-कीर्तन और यूनिवर्सिटीज़ में सैमीनार करवाए जाएंगे। इस के साथ ही खुरालगढ़ में श्री गुरु रविदास यागार के विस्तार का कार्य और फरीदपुर में श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र की

स्थापना समेत बुनियादी ढांचे के बड़े प्रोजेक्ट का ऐलान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु साहिब जी को समर्पित महान समागमों और प्रोजेक्टों के लिए फंड की कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया कि संत समाज के सारे आदेश पूरी तरह लागू किए जाएंगे। साल भर चलने वाले प्रोग्राम 'आप' सरकार के शासन के अनुकूल होंगे जो शिक्षा सुधारों को प्राथमिकता देता है, 10 लाख रुपये तक के नकद रहित इलाज के साथ जनतक स्वास्थ्य संभाल का विस्तार करता है और लोक भलाई पर आधारित फैसले लेता है। श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए करवाए राज्य स्तरीय समागम को संबोधन करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने संगत को वधाई दी और कहा, 'गुरु जी के संदेश को दुनिया भर में फैलाना हमारा समूहिक फर्ज है। श्री गुरु रविदास महाराज जी ने हर तरह के भेदभाव से मुक्त बराबरी वाले समाज की कल्पना की थी।'

संगत में हाजरी लगवा कर स्वयं को किस्मत वाला बताते मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भरोसा दिया कि 'सूबा सरकार श्री गुरु रविदास महाराज जी के आने वाले 650वें प्रकाश पर्व को व्यापक स्तर पर मनाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी।' मुख्यमंत्री ने कहा कि सूबा सरकार ने हाल ही में नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहाददी दिवस के पवित्र मौके को क्रमवार समागम करके श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को भी व्यापक ढंग से मनाने के लिए साल भर चलने वाले समागम करवाए गए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वह खुरालगढ़ की पावन धरती से जुड़ कर सौभाग्य महसूस कर रहे है क्योंकि गुरु जी ने यहां चार साल से अधिक समय रह कर भगती की और बराबरी का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी की महान विरासत को कायम रखने के लिए सूबा सरकार ने पंजाब यूनिवर्सिटी और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में खोज के लिए चेयर स्थापित की हैं। उन्होंने आगे कहा कि संत समाज के नेतृत्व में राज्य सरकार श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए समागम करवाएगी।

९७ मिनट का भाषण कांग्रेस-टीएमसी और डीएमके पर वार

नई दिल्ली । राज्यसभा में पीएम मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर विपक्ष के आरोपों का करारा जवाब दिया। ९७ मिनट के भाषण में उन्होंने कांग्रेस और गांधी परिवार को नेहरू काल से लेकर वर्तमान तक घेरा। विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। वहीं, लोकसभा स्पीकर के खुलासे से विपक्ष की सदन में पीएम को रोकने की योजना भी सामने आई। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बुधवार को लोकसभा में पीएम नहीं बोल पाए लेकिन गुरुवार को राज्यसभा में खूब बोले। चुन-चुनकर विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। उनकी गलतियां गिनाईं। हालांकि जब उन्होंने बोलना शुरू किया तो विपक्ष हंगामा करने लगा लेकिन वो रुके नहीं। प्रधानमंत्री जब नॉनस्टॉप बोलते रहे तो विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। यानी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राज्यसभा में पीएम मोदी ९७ मिनट तक धाराप्रवाह बोले। कांग्रेस को चुभने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया। डेढ़ घंटे से भी ज्यादा लंबे भाषण में उनके कई कीवर्ड थे। जो बार बार आए। जैसे- नेहरू, इंदिरा गांधी, कब्र खुदेगी, घुसपैठ, शीशमहल, अर्बन नक्सल, ऑपरेशन सिंदूर, गद्दार, अटकाना, लटकाना, भटकाना, ट्रेड डील और शाही परिवार। प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना जवाब भी दिया। राहुल पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज नरवने की किताब के जरिए सरकार से सवाल पूछ रहे हैं तो पीएम मोदी ने याद दिलाया कि कैसे सरहदों पर एक वक्त गोला बारूद और जूते की कमी हुआ करती थी। राहुल गांधी चीन का मुद्दा उठा रहे हैं तो पीएम मोदी ने पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी के भाषणों का जिक्र किया। राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान खोलने का नारा बुलंद करते हैं तो पीएम ने कहा, मेरे लिए कब्र खोदने के नारे लगाए जा रहे हैं, ये कैसी मोहबब्त की दुकान है? राहुल अक्सर संविधान का मुद्दा उठाते रहे हैं। राज्यसभा में पीएम ने पूछा कि लोकसभा में अभिभाषण पर चर्चा नहीं हो पाई। ये राष्ट्रपति पद का घोर अपमान है। उनको संविधान शब्द बोलने का अधिकार नहीं है।

मोबाइल चोरी गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली । सरोजिनी नगर पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो आरोपियों को दिल्ली और एनसीआर से मोबाइल फोन चुराकर नेपाल और बांग्लादेश भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उनके पास से ४६ चोरी के महंगे मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिन्हें उनके असली मालिकों को सौंप दिया गया है। आरोपी भीड़भाड़ वाले बाजारों में पॉलीथीन पहनकर फोन चुराते थे और तुरंत मुख्य आरोपी को सौंप देते थे। सरोजिनी नगर पुलिस टीम ने एक नाबालिग समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो दिल्ली और एनसीआर से मोबाइल फोन चुराकर नेपाल और बांग्लादेश भेजते थे। उनके पास से ४६ महंगे चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान झारखंड के साहिबगंज जिले के अभिषेक कुमार उर्फ शुभम के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद फोन उनके असली मालिकों को सौंप दिए हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार, पिछले साल २७ दिसंबर को सरोजिनी नगर मार्केट से मोबाइल फोन चोरी होने की शिकायत दर्ज की गई थी। जांच में सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि दो संदिग्ध शिकायतकर्ता के आसपास घूम रहे थे। २८ दिसंबर को एक सूचना के आधार पर, सब-इंस्पेक्टर अनूप कुमार और हेड कांस्टेबल राजेंद्र ने सरोजिनी नगर मार्केट के गेट नंबर २ के पास नाबालिग को पकड़ लिया।

NAME CHANGE
I, AVDESH KUSHWAH wife of No.-15818412X, Rank-HAV, Name-RAMSEVAK KUSHWAH residing at VILL-JANAKPUR, PO-BANGWAN, TEHSIL-KARERA, DIST-SHIVPURI, MADHYA PRADESH-473660, have changed my name from AVDESH KUSHWAH to AVDHESH KUSHWAH for all future purposes vide Affidavit dated 06/02/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, AASTHA daughter of Shri MANISH KUMAR residing at B-182, GALI NO-7, ASHOK NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110093, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as MANISH SEN and AMRITA SEN in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are MANISH KUMAR and AMRITA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, LATA, is legally wife of JC No. 463419Y, Rank – Nb Sub, Name – BHITADE PRATAP PARAJI, presently residing at Vill – Sakharwadi, Post – Chikhali, Teh – Badnapur, Dist – Jalna, State – Maharashtra, Pin – 431203, have changed my name from LATA to LATA PRATAP BHITADE for all future purposes. Vide affidavit dated 06/02/2026 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता, पत्नी श्री महिपाल, एक प्लॉट (प्रॉपर्टी आईडी नं. 1छ8श्व472) की स्वामिनी हैं, जो 8 मरला 3.5 सरसाई, अर्थात 254 वर्ग गज, खेवट/खाता नं. 169/174, म्यू. नं. 17, किला नं. 7/2 (7-18) में से स्थित है, तथा वाका मौजा दरबारीपुर, उप-तहसील बादशापुर, जिला गुरुग्राम, हरियाणा में अवस्थित है। श्रीमती सुनीता ने उक्त संपत्ति श्री सुनील कुमार दयामा उर्फ सुनील कुमार, पुत्र श्री नारायण सिंह, एवं श्रीमती मीनाक्षी से दिनांक 31.03.2025 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से क्रय की है। कृपया ध्यान दें कि संपत्ति से संबंधित मूल चेन दस्तावेज़ खो गए हैं, जिनका विवरण

निम्नलिखित है: 1. विक्रय विलेख, दस्तावेज़ संख्या 3192, दिनांक 12.03.2012, एसआरओ-मानेसर; & 2. विक्रय विलेख, दस्तावेज़ संख्या 494, दिनांक 08.06.2015, एसआरओ-मानेसर; तथा 3. विक्रय विलेख, दस्तावेज़ संख्या 3024, दिनांक 18.03.2014, एसआरओ-मानेसर। अतः उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में उक्त मूल दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं। उक्त दस्तावेज़ों के खो जाने के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 132270032600144) दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी अवगत कराया जाता है कि उक्त संपत्ति को हीरो हाउसिंग फाइनेंस, गुरुग्राम शाखा, हरियाणा से वित्तपोषित (फाइनेंस) किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट

अश्वनी कुमार अधिवक्ता
चैम्बर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ई-मेल:kumar2021ashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
यह आपको सूचित किया जाता है कि श्रीमती मोनिका पत्नी श्री मनजीत, 50 वर्ग गज क्षेत्रफल के एक भू-खण्ड की स्वामिनी हैं, जो निम्न विवरण के अंतर्गत आता है: खेवट संख्या 1983//1983 खतौनी संख्या 2777 खसरा संख्या 2760 (0-12) क्षेत्रफल 10 वर्ग गज, खेवट संख्या 1984//1984 खतौनी संख्या 2778 खसरा संख्या 5288/2761 (0-17) क्षेत्रफल 15 वर्ग गज तथा खेवट संख्या 1960//1960 खतौनी संख्या 2754/4 खसरा संख्या 5287/2761/5 (0-9) क्षेत्रफल 25 वर्ग गज। उक्त भू-खण्ड का कुल क्षेत्रफल 50 वर्ग गज है, जो ग्राम सूरत नगर, न्यू पटेल पार्क, रेलवे लाइन पार्क, अंदर नगर, नगर परिषद बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा में स्थित है। श्रीमती मोनिका पत्नी श्री मनजीत ने उक्त संपत्ति श्रीमती सोनिया पत्नी श्री संदीप कुमार से विक्रय विलेख दिनांक 23.08.2024 के माध्यम से क्रय की है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि मूल चेन दस्तावेज खो गए हैं, जिनमें विक्रय विलेख दस्तावेज संख्या 7085 दिनांक 15.01.2016, जो श्रीमती सुदेश पत्नी श्री संजय द्वारा श्री जीत सिंह पुत्र श्री टेका राम के पक्ष में निष्पादित किया गया था तथा एसआरओ बहादुरगढ़ में पंजीकृत है, सम्मिलित है। तदनुसार उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में उक्त मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में एक ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 13257032260005) दर्ज कराई गई है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति को हीरो हाउसिंग फाइनेंस, शाखा बहादुरगढ़, हरियाणा द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है।

यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वे इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। निर्धारित अवधि के भीतर आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में, उपर्युक्त अनुसार किसी भी प्रकार का दावा उक्त संपत्ति के संबंध में शून्य एवं अमान्य माना जाएगा।

अश्वनी कुमार अधिवक्ता
चैम्बर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ई-मेल:kumar2021ashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, MD NAIM Alias MOHD NAEEM S/O MD AMANATULLAH residing atA-15/114 DDA Flats Inder Lok Delhi-110035 have changed my name to MD NAEEM for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
यह आपको सूचित किया जाता है कि श्रीमती रेनू शर्मा, पत्नी श्री मनीष कुमार, 80 वर्ग गज क्षेत्रफल के एक भू-खण्ड की स्वामिनी हैं, जिसका विवरण खेवट संख्या 1858, खसरा संख्या 2608 है। उक्त भू-खण्ड वाका मौजा न्यू पटेल पार्क, रेलवे लाइन पार्क, अंदर हदूद, परिषद बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा में स्थित है। श्रीमती रेनू शर्मा, पत्नी श्री मनीष कुमार, ने उक्त संपत्ति श्रीमती दर्शना देवी, पत्नी श्री महिपाल, से विक्रय विलेख दिनांक 17.03.2021 के माध्यम से क्रय की है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि मूल चेन दस्तावेज खो गए हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है: (1) विक्रय विलेख दस्तावेज संख्या 1639, दिनांक 11.06.2014, जो श्रीमती राजबाला, पत्नी श्री सुरेश कुमार द्वारा श्री प्रवीन, पुत्र श्री राजिंदर सिंह के पक्ष में निष्पादित किया गया था। (2) विक्रय विलेख दस्तावेज संख्या 4465, दिनांक 29.08.2016, जो श्री प्रवीन, पुत्र श्री राजिंदर सिंह द्वारा श्रीमती दर्शना देवी, पत्नी श्री महिपाल के पक्ष में निष्पादित किया गया था, जो एसआरओ बहादुरगढ़ में पंजीकृत है। तदनुसार, उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में उक्त मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में एक ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 13257029260173) दर्ज कराई गई है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति को हीरो हाउसिंग फाइनेंस, शाखा बहादुरगढ़, हरियाणा द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है।

यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वे इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। निर्धारित अवधि के भीतर आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में, उपर्युक्त अनुसार किसी भी प्रकार का दावा उक्त संपत्ति के संबंध में शून्य एवं अमान्य माना जाएगा।

अश्वनी कुमार अधिवक्ता
चैम्बर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ई-मेल:kumar2021ashwani@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि नामः **1. मोहिम, पुत्रः मोदहद्दीन, निवासीः झुग्गी भाऊपुर, सुकुर बाजार, ईडीएम के पीछे, उत्तर प्रदेश और अभियुक्त नंबर 2. गौतम, पुत्रः सुरेश केवट, निवासीः झुग्गी भाऊपुर, सुकूर बाजार, ईडीएम के पीछे, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरूद्ध **FIR No.427/2017 U/S 457/380 IPC** के तहत एक मामला **थाना मंडावली, पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **मोहिम और गौतम** नहीं मिले या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **मोहिम और गौतम** फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.427/2017 U/S 457/380 IPC, थाना मंडावली, पूर्वी जिला, दिल्ली** के आरोपी उक्त **मोहिम और गौतम** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए **दिनांक 15.04.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

DP/1619/ED/2026
(अदालती मामला)

आदेशानुसार, श्री सचिन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
पूर्वी जिला, न्यायालय संख्या 16
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

नाम परिवर्तन
यह सामान्य सूचना के लिए है कि मैं श्रीकृष्ण सिंह, S/O वैनीराम, R/O मकान संख्या- B -1, प्लॉट संख्या-14, तारा नगर, NSIT द्वारका, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110078, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे तथा मेरी पत्नी के नाम मेरी नाबालिग पुत्री, अर्थात् अंजली, आयु 16 वर्ष, की 10 वीं कक्षा की शैक्षिक दस्तावेज़ों में गलत रूप से किशन और मंजू लिखे गए हैं। मेरे तथा मेरी पत्नी के वास्तविक नाम श्रीकृष्ण सिंह और मंजू कुमारी हैं, जिन्हें तदनुसार संशोधित किया जा सकता है।

NAME CHANGE
I, BIGARI DEVI W/O SH. LATE VIJAY SINGH R/O C-67, BLOCK NO. 17, DDA FLATS, SARAI KALE KHAN, HAZRAT NIZAMUDDIN, SOUTH DELHI-110013 have Changed my Name from BIMLA DEVI to BIGARI DEVI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JANAKI Mother of JC-285319Y Rank- SUB (OPR) Name-SUDHEESH VC Presently residing at HOUSE-VADAKKECHALIL, VPO-NOCHAD TEH-QUILANDY, DIST-KOZHIKODE, KERALA-673614, have changed my name from JANAKI to JANAKI V C for all future purposes vide Affidavit dated 06/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PRINCE SINGH S/O SUKHA SINGH R/O D-241, Block-D, Raghubir Nagar, Tagore Garden, Po: Tagore Garden, Dist: West Delhi, Delhi-110027 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as PRINCE, SUKHDEV and PINKI in 10th Class Educational Documents. The actual name of mine, my father and my mother are PRINCE SINGH, SUKHA SINGH and PINKAY KAUR respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
1. I, MD IMRAN S/O ABDUL RAHMAN R/O H-33, First Floor, Gali No-40, Zakir Nagar, Okhla, New Friends Colony, South Delhi, Delhi-110025 hereby undertake that I MD IMRAN want to change my name to EMIRA and gender as Female.
2. I, MD IMRAN henceforth be known as EMIRA D/O ABDUL RAHMAN.

NAME CHANGE
It is for general information that I SAJEDA PARWEEN D/O SUKROO AHMAD R/O 1069/10, Govindpuri, Kalkaji, South Delhi, Delhi-110019 declare that name of my father has been wrongly written as SUKROO ALAM in my all educational documents. The actual name of my father is SUKROO AHMAD which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as UDITA KHAITAN D/O PRADEEP AGRAWAL W/O PRRATEK PATEL R/O E-10, Kalindi Colony, Sriniwas Puri, Po-East of Kailash Phase-1, District- South Delhi, Delhi-110065 have changed my name and shall hereafter be known as UDITA PATEL

NAME CHANGE
It is for general information that I, MEGHNA SANAL D/O T N SANAL KUMAR R/O FF-4, A-Block, Ward No-8, Silver Oakwood Residency, Mehrauli, PO: Mehrauli, DIST: South Delhi, Delhi-110030 declare that name of mine has been wrongly written as MEGHNA S in my all Educational Documents. The actual name of mine is MEGHNA SANAL which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I ANJUM W/O ZAHEER YAR KHAN R/O B-578 3RD FLR GALI NO -19 SHRI RAM COLONY RAJEEV NAGAR KARAWAL NAGAR DELHI-110094 , I have changed my name to HALEEMA WARSI Permanently for all Future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHSIN S/O MD NAEEM residing atA-15/114 DDA Flats Inder Lok Delhi-110035 have changed my name to MD MOHSIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MULABHAI Father of No. 15696983Y Rank-HAV Name-SOLANKI VIJAY KUMAR MULABHAI residing at VPO-MOTA KHANPUR, TEHSIL-KHANPUR, DIST-MAHISAGAR, GUJARAT-389230, have changed my name from MULABHAI to CHAMAR MULABHAI for all future purposes Vide Affidavit dated 06/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, BASKANYA DEVI Mother of No-6503862X Rank-SEP Name-DINESH KUMAR Presently residing at VILL-KHATAKHEDI, PO-POLAY KALAN, TEH-POLAY KALAN, DIST-SHAJAPUR, MADHYA PRADESH, PIN-465116, have changed my name from BASKANYA DEVI to BAS KANYA BAI for all future purposes vide Affidavit dated 06/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ARKHIBEN Mother of No. 15696983Y Rank-HAV Name-SOLANKI VIJAY KUMAR MULABHAI residing at VPO-MOTA KHANPUR, TEHSIL-KHANPUR, DIST-MAHISAGAR, GUJARAT-389230, have changed my name from ARKHIBEN to CHAMAR ARKHIBEN for all future purposes Vide Affidavit dated 06/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, S SIVAN AMMAL mother of No-2617293W, Rank-LNK, Name-MURUGAN S residing at 5/30, SCHOOL STREET, VILL & PO- URMELALAGIAN, TALUK-TENKASI, DIST-TIRUNELVELI, TAMIL NADU-627852, have changed my name from S SIVAN AMMAL to SIVANAMMAL SUBRAMANIYAN for all future purposes vide Affidavit dated 06/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, S SUBRAMANIAN father of NO-2617293W, Rank-LNK, Name-MURUGAN S residing at 5/30, SCHOOL STREET, VILL & PO- URMELALAGIAN, TALUK-TENKASI, DIST-TIRUNELVELI, TAMIL NADU-627852, have changed my name from S SUBRAMANIAN to SUBRAMANIYAN SUDALAIMUTHU for all future purposes vide Affidavit Dated 06/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GAURI SHANKAR Father of No-6503862X Rank-SEP Name-DINESH KUMAR Presently residing at VILL-KHATAKHEDI, PO-POLAY KALAN, TEH-POLAY KALAN, DIST-SHAJAPUR, MADHYA PRADESH, PIN-465116, have changed my name from GAURI SHANKAR to GORISHANKAR BHAMURIYA for all future purposes vide Affidavit dated 06/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GUNJAN W/O PAWAN NARULA residing at H NO-79, SRESHTHA VIHAR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to GUNJAN NARULA for all future purpose.

NAME CHANGE
I SURYANSH S/O YOGESH SHARMA R/O F-216 FIRST FLOOR LHS GALI NO 83 MAHAVIR ENCLAVE PART -3 UTTAM NAGAR DELHI- 110059, I have changed my name to SURYANSH SHARMA Permanently for all Future purpose.

NAME CHANGE
I ANIL SINGH S/O RAMKUMAR SINGH R/O GRAM POST CHHANIKALAN CHHANI KALAN MAHOBA CHHANI KALAN UTTAR PRADESH 210424 HAVE CHANGED MY NAME TO ANIL KUMAR SINGH.

NAME CHANGE
I Aniket S/O Rajendar Kanojia R/o - C-17 B- DDA Flait Sarai Basti, Onkar Nagar S.O, North West Delhi, Delhi, 110035 have changed my name to Aniket Kanojia for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MARY W/O PETER ZELEM R/O E-151, RIDGEWOOD ESTATE DLF PHASE-4, GURGAON, HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO P MARY ZELEM FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, No.GS-191551-L. Rank-MT/DVR Name- DILIP KUMAR R/O VILL. GADARHERI, PO-SARSAWA, DIST-SAHARANPUR, UTTAR PRADESH, PIN-247232, have changed my minor son name from MANDEEP KUMAR to MANDEEP for all future purposes. vide affidavit dated 04.02.2026 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I Deepika W/o Charu Krishan R/o HOUSE NO 32. IST FLOOR. VIVEKANAND MARG, BENGALI COLONY. BLOCK A-1, SANT NAGAR. BURARI. BURARI, DELHI CENTRAL, Delhi have changed my name to Deepika Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Vikas Malik S/o Late Sh. Prem Singh aged about 45 years R/o H1/61-62, First Floor, Sector 11, Rohini, Delhi 110085 have declare that Vikas Malik and Vikas Singh Malik are the name of one and the same person and my correct date of birth is 25.11.1980.

NAME CHANGE
It is for general information that I, LALA RAM S/O RAM PAL R/O K-1,2nd Floor, Sujan Singh Park, Lodhi Road, PO: Lodhi Road, Dist: Central Delhi, Delhi-110003 declare that name of minor son has been wrongly written as VANSH in my minor son namely VANSH MATHUR aged 12 years in his school records. The actual name of my minor son is VANSH MATHUR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SURAIYA W/O MOHD SALEEM REHMAN residing atB-2/16-BDDA Flats Inder Lok Delhi-110035 have changed my name to SURAIYA REHMAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SALEEM S/O ABDUL REHMAN residing atB-2/16-BDDA Flats Inder Lok Delhi-110035 have changed my name to MOHD SALEEM REHMAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I Sagar S/o Dharamveer Sisodiya R/o 7, Rajapur Gaon, Sector - 09, Rohini, Delhi - 110085 my name to Sagar Sisodiya for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Urmila Pulani W/o Sanjay Pulani R/o A/13, Plot No. 28, Sector-4, Paarijat Aptt., Dwarka, N.S.I.T Dwarka, South West Delhi, Delhi-110078 that in my Aadhaar Card bearing no.4768 9287 7998 my name has been wrongly written as Urmil Pulani instead of Urmila Pulani which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Mohd Khurshid S/O Noor Mohd R/O - 6767/A 1st Floor Nooruddin Park Beri wala Bagh Azad Mark Delhi 110006 Changed my name to MOHD KHURSHEED.

NAME CHANGE
I Rubina Begum W/O Mohd Khursheed R/O - 6767/ A 1st Floor Nooruddin park beri wala bagh Azad mark Delhi 110006 changed my name to ROBINA

NAME CHANGE
I Deepak singh S/O Dhaneshwar R/O - Flat no - 359, EWS , KLJ Society, sector 77, NIMKA (96) PO: Neemka , District: Faridabad, Haryana - 121004 Changed my name to DEEPAK KUMAR.

NAME CHANGE
I MOHD ANWAR QURESHI S/O MOHD IQBAL R/O T-435 GALI PAHAR WALI AL-QURESH MASJID QASAB PURA DELHI SADAR BAZAR NORTH DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ANWAR.

NAME CHANGE
I Raiyan khan s/o mohd zakir r/o House No.- 863,Gali Tandras Khan, chandini mahal daryaganj New Delhi 110002 , have changed my name from mohd.rayyan khan s/o Mohd Zakir Khan to Raiyan khan s/o mohd zakir for all future purposes . Raiyan khan and mohd.rayyan khan is same and one person.

NAME CHANGE
I, Ravinder Sherawat S/O Sh. Saroop Lal, R/o Opposite Satsang Bhawan, 23-B, Chirag Delhi, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi-110017, I have changed my surname name from Kumar to Sherawat for all future purposes. In future I will be called and known by the name of Ravinder Sherawat.

NAME CHANGE
I MONIKA RANI GROVER D/O SUBODH KUMAR GROVER R/O 6/368 SECOND FLOOR BLOCK -6 NEAR RADHA KRISHAN TEMPLE GEETA COLONY DELHI -110031, I have changed my name to MONIKA GROVER Permanently for all Future purpose.

NAME CHANGE
I,Tofik S/o Imrat Khan R/o Ferozpur, Meo, Ferozepur Meo(203), Pingwan, Mewat, Haryana-122508 have changed my name to Tofik Ahmed.

NAME CHANGE
I, Hasim S/O. Mohd Arif R/O. New F-81, Raghubir Nagar Extn., Delhi-110027 have changed my name to Mohd Hashim for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Bijwana Begum W/O. Mohd Hashim R/O. New F-81, Raghubir Nagar Extn., Delhi-110027 have changed my name to Rizwana for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No.-15818412X, Rank-HAV, Name-RAMSEVAK KUSHWAH residing at VILL-JANAKPUR, PO-BANGWAN, TEHSIL-KARERA, DIST-SHIVPURI, MADHYA PRADESH-473660, have changed my minor son's name from DEEPAK to DEEPAK KUSHWAH for all future purposes vide affidavit dated 06/02/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KHASHTI DEVI Wife of JEEWAN CHANDRA R/o H NO. B-53, GALI NO-6, BHAJANPURA, GARHI MENDU, NORTH EAST DELHI, DELHI-110053, have changed my name from KHASHTI DEVI to KHASHTI PANDEY for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JEEWAN CHANDRA PANDEY Son of RUDRAMANI R/o H NO. B-53, GALI NO-6, BHAJANPURA, GARHI MENDU, NORTH EAST DELHI, DELHI-110053, have changed my name from JEEWAN CHANDRA PANDEY to JEEWAN CHANDRA for all future purposes.

NAME CHANGE
I RAVLEEN KAUR SAWHNEY D/O RATTAN DEEP SINGH R/O 64 UPPER GROUND FLOOR TAGORE PARK DR MUKHERJEE NAGAR DELHI 110009 HAVE CHANGED MY NAME TO RAVLEEN KAUR FOR FUTURE.

NAME CHANGE
I RATTAN DEEP SINGH SAHNI S/O INDER PAL SINGH R/O 64 UPPER GROUND FLOOR TAGORE PARK DR MUKHERJEE NAGAR DELHI 110009 HAVE CHANGED MY NAME TO RATTAN DEEP SINGH FOR FUTURE.

NAME CHANGE
I DALJEET KAUR SAHNI W/O RATTAN DEEP SINGH R/O 64 UPPER GROUND FLOOR TAGORE PARK DR MUKHERJEE NAGAR DELHI 110009 HAVE CHANGED MY NAME TO DALJEET KAUR FOR FUTURE.

NAME CHANGE
I Kunal Gahalot S/O Rajpal Singh R/o - House No. 176 Tigi Pur Bakhtawar Pur Narela North West Delhi Delhi 110036 have changed my name to Kunal Gahlot for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as VINITA PALIWAL alias VINITA SHARMA D/O Om Prakash Sharma W/O Anshul Paliwal R/O H-no-1635, Arun Vihar, Noida sector-37, Noida, PO: Noida, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed my name and shall hereafter be known as VINITA PALIWAL.

NAME CHANGE
I, AMAR SINGH S/O Kanti Prasad R/O 10, shanti kunj power house, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed the name of my minor daughter PALAK SINGH aged 14 years and she shall hereafter be known as MAHI SINGH.

NAME CHANGE
I, Rozina Shariff D/o YASHWANT DHONDIBA PATIL W/o Ex. wife of DIPAK VINAYAKRAO MOLE, R/o House No. 211. Masjid Moth, Andrewsgang, S.O Andrewsganj South Extension, New Delhi-110049, have changed the name of my minor daughter Rizwana Shariff alias swara mole aged 13 years and she shall hereafter be known as Rizwana Shariff.

NAME CHANGE
I, INDRABAI, is legally mother of JC No. 463419Y, Rank – Nb Sub, Name – BHITADE PRATAP PARAJI, presently residing at Vill – Sakharwadi, Post – Chikhali, Teh – Badnapur, Dist – Jalna, State – Maharashtra, Pin – 431203, have changed my name from INDRABAI to INDIRABAI PARAJI BHITADE and my date of birth from 08/06/1957 to 01/01/1950 for all future purposes.
Vide affidavit dated 06/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, AMALE DADA DNYANDEO, is legally father of Army No. 2815795K, Rank – Nk, Name – AMALE VITTHAL DADA, presently residing at Vill – Kondhej, Post – Kondhej, Teh – Karmala, Dist – Solapur, State – Maharashtra, Pin – 413202, have changed my name from AMALE DADA DNYANDEO to AMALE DADA DNYANDEV for all future purposes.
Vide affidavit dated 06/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I Neeta D/o Om Parkash R/o H. No.108, Near Hanuman Mandir, Punjab Colony, Narela, North West Delhi, Delhi-110040 have changed my name to Neha for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Vishal Babu Gupta S/O Anil Kumar Gupta R/O flat no 401 plot no 41 Dwarka vihar VTC Najafgarh delhi 110043 changed my name to Vishal Gupta

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिसार में हत्या के दो दोषियों को उम्रकैद, एक-एक लाख जुर्माना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने पीजीटी कंप्यूटर साइंस का सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट परिणाम जारी कर दिया गया है। जारी परिणाम के अनुसार करीब पांच हजार अभ्यर्थियों में से केवल 39 पास हुए हैं। आयोग हरियाणा और मेवात कैडर के लिए 1711 पोस्ट के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने दिसंबर साल 2023 में हरियाणा कैडर के 1633 व मेवात कैडर के 78 पोस्ट के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की। हरियाणा कैडर के 1633 पदों में 898 पद जनरल, 327 एससी, 163 बीसीए, बीसीबी, 163 ईडब्ल्यूएस के लिए रिजर्व किए गए थे। वहीं मेवात कैडर के 78 पदों में से 43 जनरल, 15 एससी, 8 बीसीए, 4 बीसी बी व 8 पद ईडब्ल्यूएस के लिए रिजर्व किए गए। जिसके लिए 15 जून को प्री परीक्षा का आयोजन किया गया था। पीजीटी कम्प्यूटर साइंस भर्ती परीक्षा में भी 35 प्रतिशत क्राइटेरिया नियम का साफ असर दिखाई दे रहा है। क्योंकि करीब 5 हजार कैंडिडेट में से 39 पास हुए हैं। जो 1711 पद के मुकाबले 2.45 प्रतिशत है। ऐसे में करीब 98 प्रतिशत पद खाली रहेंगे। इससे पहले भी काफी भर्तियां ऐसे रहीं हैं, जिसमें कैंडिडेट पद से कई गुना कम पास हुए हैं।

हिसार-घग्घर ड्रेन समस्या को लेकर किसानों ने दिया धरना, डीसी को सौंपा ज्ञापन

सिरसा। सिरसा जिले के चोपटा क्षेत्र के करीब 40 गांवों के किसान हिसार घग्गर ड्रेन की समस्या को लेकर गुरुवार को लघुसचिवालय पहुंचे और धरना प्रदर्शन किया। किसानों ने घग्गर ड्रेन (सेमनाला) के तटबंधों को मजबूत करने व व्यवस्थित तरीके से पानी निकासी के प्रबंध को लेकर डीसी शांतनु शर्मा को ज्ञापन सौंपा। किसान नेता प्रकाश ममेरां के नेतृत्व में किसान शहीद भगत सिंह स्टेडियम में एकत्रित हुए और यहां से नारेबाजी करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे और धरना देकर रोष जताया। किसानों ने बताया कि हिसार घग्गर ड्रेन में एक हजार क्यूसिक से भी ज्यादा पानी आता है। जो पिछले साल ड्रेन जगह जगह टूट गई। ड्रेन की सफाई न होने के आगे पानी की निकासी नहीं हो पाती। जिसके टूटने से पिछले वर्ष चोपटा क्षेत्र में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ। किसानों ने प्रशासन मांग की कि बरसाती सीजन से पहले सेमनाला की सफाई और उसके तटबंद मजबूत किये जाएं और आगे जो पानी साइफन से निकलने की व्यवस्था है, वो घग्गर में पानी आ जाने की वजह से पानी बैक मारता है। इसी वजह से पानी ओवर लो होने के साथ ही आगे पड़ने वाली दो नहरे एसजीसी व शेर पैरलर में छोड़ा जाता है। जिससे इन नहरों पर पड़ने वाले 50 गांवों की फसल सेम के पानी से तबाह हो जाती है। किसानों ने समाधान के लिए प्रशासन से मांग की कि इसके पानी को सीधा घग्गर में डाला जाए, ताकि इसका स्थाई समाधान हो सके। वहीं किसानों ने समय पर इसकी सफाई और पटड़े मजबूत करने के लिए मांग रखी।

केंद्रीय बजट को विधायक बतरा ने बताया निराशाजनक, हर वर्ग परेशान

रोहतक। केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा स्कीम का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम के बाहर सांकेतिक धरना दिया और शहर में विरोध प्रदर्शन करते हुए उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते कांग्रेस विधायक बीबी बतरा ने कहा कि भाजपा सिर्फ धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है और विकास कार्यो से सरकार का कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का देश की आजादी में अहम योगदान रहा और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने महात्मा गांधी के नाम पर गरीब व मजदूर वर्ग के हितो के लिए ही मनरेगा स्कीम की शुरूआत की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सिर्फ वोट बैक के लिए ही स्वतंत्रता सेनानियों का इस्तेमाल किया है और अब सरकार ने मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम ही हटाया है, बल्कि पूरी योजना को ही बदल दिया है, जिससे गरीब एवं कमेरे वर्ग को कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा से 2026-2027 तो संभाला नहीं जा रहा है और सपने 2047 के विकसित भारत के देख रहे है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश में जब सत्ता छोड़ी तब हरियाणा पर 68 हजार करोड रूपये का कर्जा था, लेकिन आज वर्तमान सरकार ने प्रदेश पर 4 लाख 25 हजार करोड रूपये का कर्जा बढ़ा दिया है। यह हरियाणा ही नहीं बल्कि सभी केन्द्र शासित प्रदेशों का हाल है।

सूरजकुंड मेले को लेकर युवाओं में उत्साह, पर्यटकों का लग रहा जमघट

फरीदाबाद। फरीदाबाद की वादियों में 15 फरवरी तक चलने वाले सूरजकुंड मेले में रोजाना हजारों पर्यटक पहुंच रहे हैं। लोकल टू ग्लोबल-आत्मनिर्भर भारत की पहचान थीम के साथ आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर क्राफ्ट मेले में स्वदेशी, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। सूरजकुंड मेले में हरियाणा के साथ अन्य प्रदेशों के कलाकार भी अपनी लोक शैली से पर्यटकों का मनोरंजन कर रहे हैं। मेले में लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में परंपरागत वाद्य यंत्र बजाकर दर्शकों का स्वागत किया जा रहा है। इन कलाकारों के वाद्य यंत्रों की ध्वनि इतनी सुरीली है कि पर्यटक खुद को थिरकने से नहीं रोक पा रहे हैं। मेले में डेरु, बैगपाइपर व ढोल की थाप पर युवक युवतियां ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटक भी जमकर झूमते नजर आ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर क्राफ्ट मेले को लेकर युवा पीढ़ी में जोश है। मेला परिसर में जगह-जगह पारंपरिक वेशभूषा से सुसज्जित ऐसी सांस्कृतिक टोलियां लोगों का खूब मनोरंजन कर रही हैं।

शिक्षा व कौशल विकास में कानाडा के साथ कारोबार को बढ़ाएगा हरियाणा

कनाडाई प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से की मुलाकात

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में कनाडा के साथ कारोबार को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बीती रात चंडीगढ़ में कनाडा के अल्बर्टा प्रांत की स्वदेशी संबंध मंत्री राजन साहनी के नेतृत्व में आए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल से भेंट की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच निवेश, नवाचार, शिक्षा, कौशल विकास और आर्थिक सहयोग को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि हरियाणा के बड़ी संख्या में छात्र कनाडा में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिससे शैक्षणिक सहयोग दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गया है। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया

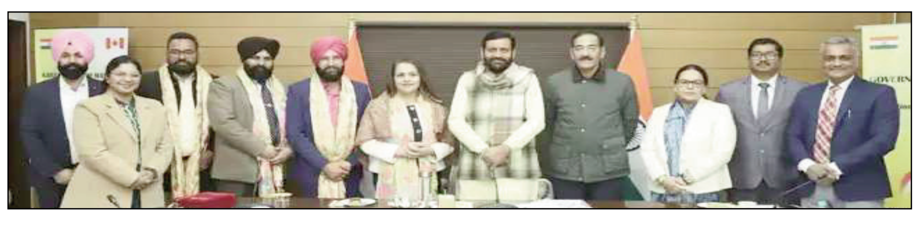

कि हरियाणा सरकार द्विपक्षीय सहयोग, शैक्षणिक आदान-प्रदान और आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देने वाले सभी विषयों को अपना पूरा समर्थन प्रदान करेगी। बैठक के दौरान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विशेष चर्चा हुई। इस दौरान हरियाणा में कनाडा विश्वविद्यालय के परिसर बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत की स्वदेशी संबंध मंत्री राजन साहनी ने हरियाणा के औद्योगिक विकास, नवाचार और मानव संसाधन विकास से जुड़ी नीतियों की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने अल्बर्टा के उन्नत कौशल विकास तंत्र और शिक्षा एवं रोजगार के संबंध में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी, जिसमें मुख्य रूप से कौशल प्रशिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा और उद्योग आधारित कार्यक्रमों में साझेदारी पर भी मंथन हुआ ताकि हरियाणा के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके। इसके साथ-साथ प्रतिनिधिमंडल ने ऊर्जा, फूड प्रोसेसिंग, कृषि, लॉजिस्टिक्स और मुक्त व्यापार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार सांझा किए।

पीजीटी कंप्यूटर साइंस के परिणाम पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा पीजीटी कंप्यूटर साइंस का सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट परिणाम घोषित किए जाने के बाद समूचे विपक्ष ने एकजुटता के साथ सरकार व आयोग को घेरा है। इस परिणाम में पांच हजार अभ्यर्थियों में से केवल 39 पास हुए हैं। परिणाम जारी होने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्य सभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एचपीएससी को 'हेरा फेरी सर्विस कमीशन' की संज्ञा देते हुए कहा कि सरकार ने हरियाणा के युवाओं के लिए नौकरी की सिलेक्शन पॉलिसी नहीं, बल्कि रिजेक्शन पॉलिसी लागू कर रखी है।

पीजीटी कंप्यूटर साइंस भर्ती का हवाला देते हुए सुरजेवाला ने कहा कि भर्ती की अधिसूचना 2019 में जारी हुई, बाद में 2023 में री-एडवर्टाइजमेंट किया गया। अब 2026 में आए रिजल्ट में अधिकांश को फेल घोषित कर दिया गया। सुरजेवाला ने कहा कि 8 साल तक युवाओं का समय, पैसा, सेहत और भविष्य दांव पर लगाकर रखा गया और अंत में उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया। यह धोखा नहीं तो और क्या है। सरकार हरियाणा के युवाओं को सिर्फ चपरासी, क्लर्क या क्लास-4 की नौकरियों के लायक समझती है। ऊपरी पदों पर या तो फेल कर दिया जाता है या बाहर के लोगों को मौका मिल जाता है।

इनेलो नेता अभय चौटाला ने कहा कि पीजीटी कंप्यूटर साइंस परीक्षा में मात्र 2.29 प्रतिशत अभ्यर्थियों को पास किया जाना योग्य युवाओं के साथ भद्दा मजाक है। हरियाणा के युवा सरकारी नौकरियों के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं लेकिन एचपीएससी उनकी मेहनत पर पानी फेर रही है और उन्हें नालायक और नाकाबिल साबित करने पर तुली है। हरियाणा के युवा अपनी मेहनत से यूपीएससी जैसी बेहद कठिन परिक्षाओं को पास करके आईएएस, आईपीएस, जज और वैज्ञानिक बन रहे हैं।

सावी इंटरनेशनल कंपनी में आग से एक कर्मचारी झुलसा

एजेंसी

पलवल। जिले के घूघेरा क्षेत्र के पास स्थित सावी इंटरनेशनल कंपनी में लगी भीषण आग में एक कर्मचारी झुलस गया। जिसे गंभीर हालत में अस्पताल भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार कंपनी में मारूति सहित अन्य ऑटोमोबाइल कंपनियों के स्पेयर पार्ट्स बनाए जाते हैं। दोपहर बाद अचानक फैक्ट्री परिसर से धुआं उठता दिखाई दिया और देखते ही देखते आग ने पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया। उस समय कंपनी में कार्य चल रहा था। कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल बाहर निकलने का प्रयास किया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आया।

फायर ऑफिसर लेखराम शर्मा और सहायक फायर ऑफिसर नवीन पाल ने बताया कि सूचना मिलते ही टीमें मौके पर पहुंच गई और तब से लगातार आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। पलवल, होडल और हथीन से दमकल की गाड़ियां बुलाई गई। इसके अलावा निजी कंपनियों की दमकल गाड़ियां भी राहत कार्य में जुटी हुई हैं। आग की लपटें दूर तक दिखाई दे रही हैं और आसपास के क्षेत्र में धुएं का घना गुबार छाया हुआ है। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी के चलते हादसा हुआ हो सकता है। आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद ही नुकसान का आकलन किया जा सकेगा। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है।

राष्ट्रीय खेल पदक विजेताओं को सम्मानित करेगी सरकार :गौरव गौतम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा सरकार की खेल नीति के तहत सरकार द्वारा 9 फरवरी को गुरुग्राम में समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा उत्तराखंड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेल पदक विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा और सीएम कप-2025 का भी शुभारंभ किया जाएगा खेल मंत्री गौरव गौतम ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सम्मान समारोह में राष्ट्रीय खेलों के 48 स्वर्ण, 47 रजत और 58 कांस्य पदक विजेताओं के साथ-साथ खेलों में भागीदारी करने वाले कुल 689 खिलाड़ियों, कोचों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर भारतीय हाकी में उत्कृष्ट योगदान देने व हाल ही में पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित खिलाड़ी सविता पूनिया को

भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक लगभग 709 करोड़ रुपये की राशि 16970 खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जा चुकी है। वर्ष 2025-2026 के दौरान 662 खिलाड़ियों को 109 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 114 करोड़ की राशि से प्रदेश के खेल स्टेडियमों के कायाकल्प किया जा रहा है, जिसमें से 70 प्रतिशत काम हो चुका है। स्टेडियम में हुए हादसों पर खेल मंत्री ने कहा कि विभाग के दो उपनिदेशकों की डयूटी लगाई गई है, जो अपनी विस्तृत रिपोर्ट देंगे। केंद्रीय बजट में खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का स्वागत करते हुए गौरव गौतम ने कहा कि इसका सीधा लाभ हरियाणा को मिलेगा। हरियाणा बजट के संबंध में खेल मंत्री ने कहा कि पिछले साल 100 करोड़ का बजट मिला था। जिसमें से 70 प्रतिशत का इस्तेमाल हो चुका है। खिलाड़ियों को नौकरी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने कार्यकाल में 44 नौकरी नहीं दे पाई तो वहीं दस सालों में खेल विभाग में 241 खिलाड़ियों को नौकरी देने का काम किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जेल वार्डरों के लिए खोला सौगातों का पिटारा

अगले वित्त वर्ष से 1500 रुपये होगा राशन भत्ता, 720 रुपये कन्वेयन्स भत्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जेल वार्डरों के लिए घोषणाओं का पिटारा खोला और जेल वार्डर की पदोन्नति, सेवा विस्तार और भत्तों में विसंगतियों को दूर किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब जेल वार्डर को 18 वर्ष की सेवा अवधि में हेड वार्डर के पद पर पदोन्नति मिलेगी, सुधारात्मक सेवा पदक विजेता वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को एक वर्ष के सेवा-विस्तार का लाभ मिलेगा, जेल वार्डर व हेड वार्डर को भी पुलिस कांस्टेबल के समान भत्ता मिलेगा, राशन भत्ते में भी आगामी वित्त वर्ष से अढ़ाई गुणा की बढ़ोतरी करते हुए 1500 रुपये किया

गया, कन्वेयन्स भत्ता को 50 रुपये से बढ़ाकर 720 रुपये किया गया तथा वर्दी भत्ते को बढ़ाकर 7500 रुपये किया। इन घोषणाओं से जेल विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल और कार्यक्षमता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जेल प्रशिक्षण अकादमी, करनाल में दीक्षांत परेड समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह अवसर अनुशासन, सेवा, समर्पण और कर्तव्य बोध की आपकी उस यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसे आप सभी नव-प्रशिक्षित कर्मियों ने कठोर परिश्रम, संयम और आत्मनिष्ठा के साथ पूर्ण किया है। इस बैच के सभी 116 सहायक अधीक्षक व वार्डरों को हार्दिक बधाई देता हूं। गर्व की बात है कि इस बैच में एक महिला सहायक अधीक्षक व 8 महिला वार्डर भी शामिल हैं। यह महिलाओं की सहभागिता एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

आज के समय में कारागार कर्मियों की भूमिका पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। बदलते सामाजिक परिवेश, तकनीकी विकास और अपराध के नए स्वरूपों के बीच आपको न केवल सजग रहना है, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण को भी बनाए रखना है। इस अवसर पर जेल प्रशिक्षण अकादमी के प्रधानाचार्य नरेश गोयल ने दीक्षांत परेड समारोह में प्रशिक्षुओं को शपथ दिलाई।

सरकारी जहाज व हेलीकाप्टर को अपडेट करवाएगी हरियाणा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। देश में लगातार हो रहे विमान हादसों के बाद राज्य सरकार ने अपने जहाज व हेलिकॉप्टर को अपग्रेड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हरियाणा के सिविल एविएशन विभाग ने अपने विमानों और हेलिकॉप्टरों के संचालन और रखरखाव के लिए नए और अपडेटेड तकनीकी मैनुअल तैयार करने के लिए इच्छुक कंपनियों से आवेदन मांग लिए हैं। भारत में एयर ऑपरेटरों को अपनी सेवाएं देने में दक्ष कंपनियों को आवेदन के लिए अधिकृत माना गया है। सरकार ने कंपनियों से 9 फरवरी तक आवेदन मांगे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों के अलावा हरियाणा में विमान हादसे होते रहे हैं। 31 मार्च 2005 को हरियाणा के तत्कालीन मंत्री ओपी जिंदल और सुरेंद्र सिंह का उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के पास हेलिकॉप्टर क्रैश में निधन हो गया था। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के हेलीकाप्टर की भी कई बार आपात लैंडिंग हुई है। अपना हेलीकाप्टर खराब होने के कारण हरियाणा ने कई बार पंजाब के हेलीकाप्टर का इस्तेमाल किया है।

हरियाणा सरकार अब अपने विमानों के लिए परफॉर्मेंस आधारित

भारत में एयर ऑपरेटरों को अपनी सेवाएं देने में दक्ष कंपनियों को आवेदन के लिए अधिकृत माना गया है। सरकार ने कंपनियों से 9 फरवरी तक आवेदन मांगे हैं।

जैसे आधुनिक नेविगेशन सिस्टम लगवाना चाहती है। इससे खराब मौसम या कम दृश्यता में भी विमान सुरक्षित रूप से उतर सकेंगे। सरकार ने अब नवीनतम सुरक्षा मानकों के अनुसार अपने ऑपरेशन मैनुअल, फ्लाइट सेफ्टी मैनुअल और सिक्योरिटी मैनुअल को पूरी तरह से अपडेट करने का फैसला लिया है।

हिसार में महिला शोधार्थी से दुर्व्यवहार, एचएयू के दो वैज्ञानिक निलंबित

एजेंसी

हिसार। पीएचडी की महिला शोधार्थी से अभद्र व्यवहार के आरोप में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने दो वैज्ञानिकों को निलंबित कर दिया है। शोधार्थी के परिजनों ने इस संबंध में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज से मिलकर शिकायत की थी, जिस पर उन्होंने तत्काल दोनों को सस्पेंड कर दिया। मामला सुर्खियां न बने, इसलिए एचएयू के अधिकारी इस बारे में कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं। देर सायं विश्वविद्यालय प्रशासन ने दोनों वैज्ञानिकों के निलंबन की पुष्टि की।हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अपने ही दो वैज्ञानिकों को निलंबित किए जाने का मामला विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया ग्रुपों में गुरुवार दोपहर से चल रहा है लेकिन अधिकारियों की मानें तो उन्हें शाम तक इसका पता नहीं चला। विश्वविद्यालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बेसिक साइंस विभाग के दो वैज्ञानिकों डॉ. अजीत सांगवान व नवीन कौशिक को एक महिला शोधार्थी की शिकायत पर सस्पेंड किया गया है। दोनों पर शोधार्थी को पीएचडी करवाने के नाम पर गलत कमेंट करने तक का आरोप है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के सामने जब यह मामला आया तो उन्होंने तुरंत

कार्रवाई कर दी ताकि महिला से जुड़ा मामला होने के कारण किसी तरह का विवाद न हो।सूत्रों ने बताया कि शोधार्थी ने कुछ समय पहले इन दोनों शिक्षकों की शिकायत तत्कालीन डीन को दी थी लेकिन उन्होंने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की और इसे दबाए रखा। उक्त डीन पर दोनों आरोपी वैज्ञानिकों को बचाने का भी आरोप है और इसी के चलते उन्होंने दोनों शिक्षकों पर कार्रवाई करने की कोशिश नहीं की। बताया जा रहा है कि काफी समय बाद भी जब डीन पीजीएस ने वैज्ञानिकों पर कार्रवाई नहीं की तो उसने परेशान होकर अपने परिजनों को यह बात बताई। इस पर शोधार्थी के परिजन कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज से मिले और पूरी घटना से अवगत करवाया। कुलपति ने परिजनों को शिकायत लिखकर देने को कहा तो परिजन बोले कि छात्रा ने शिकायत दे रखी है और उसे दबा दिया गया है। इस पर कुलपति ने कहा कि वे नए सिरे से शिकायत दें और पुरानी शिकायत साथ लगा दें, कार्रवाई करेंगे।

श्रम विभाग के वर्क स्लिप घोटाले की होगी जांच, कमेटी ने बुलाई बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में हाल ही में चर्चा में आए श्रम विभाग के 1500 करोड़ के वर्क स्लिक घोटाले की जांच के लिए गठित कमेटी की पहली बैठक चंडीगढ़ में होने जा रही है। हालांकि यह बैठक तय समयावधि के बाद हो रही है। क्योंकि मुख्यमंत्री द्वारा कमेटी का गठन करते समय एक माह के भीतर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया था।

श्रम मंत्री अनिल विज ने दिसंबर में इस घोटाले को उजागर किया था। उन्होंने बताया था कि शुरू में हिसार, कैथल, जींद, सिरसा, फरीदाबाद और भिवानी जिलों में जांच की गई, जहां बहुत सारी गड़बडियां मिलीं। विभागीय जांच लगभग 4 महीने पहले शुरू हुई थी और अब तक 13 जिलों में 100 प्रतिशत जांच पूरी हो चुकी है। 13 जिलों में कुल 5 लाख 99 हजार 758 वर्क स्लिप जारी की गई थीं, जिनमें से सिर्फ 53 हजार 249 ही सही पाई गईं। बाकी 5 लाख 46 हजार 509 वर्क स्लिप गलत निकलीं। इसी तरह, कुल 2 लाख 21 हजार 517 मजदूरों के नाम दर्ज थे, लेकिन जांच के बाद सिर्फ 14 हजार 240 ही सही पाए गए, जबकि 1 लाख 93 हजार 756 मजदूरों के नाम फर्जी निकले। इसका मतलब है कि बहुत बड़ी संख्या में गलत वर्क स्लिप और फर्जी मजदूरों के नाम दर्ज किए गए थे। आरोपों की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने आईएएस पंकज अग्रवाल की अध्यक्षता में जांच कमेटी का गठन किया था,जिसमें आईएएस राजीव रतन, और आईपीएस पंकज नैन सदस्य हैं। एक माह बाद भी कमेटी अपनी रिपोर्ट नहीं दे सकी है। इसका बड़ा कारण कमेटी में शामिल अधिकारियों के पास एक से अधिक विभागों की जिम्मेदारी होना है। विभागों की लगातार हो रही मीटिंगों के कारण अधिकारी इस जांच को लेकर समय नहीं दे पाए। सरकार ने कमेटी का गठन तो कर दिया है लेकिन जांच का स्वरूप तय नहीं किया।

हरियाणा विधानसभा कमेटी ने पीजीआईएमएस का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा विधानसभा तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की विधायकों की कमेटी ने पीजीआईएमएस रोहतक का दौरा किया। इस कमेटी ने यहां पीजीआईएमएस में सुविधाओं का जायजा लिया और कामकाज की समीक्षा की। कमेटी की अध्यक्षता इंद्री विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक रामकुमार कश्यप ने की। कमेटी में अध्यक्ष के अलावा दस अन्य विधायक भी शामिल हैं। हालांकि इस दौरे में कुल 8 विधायक मौजूद रहे। इस कमेटी के सदस्यों ने हेल्थ यूनिवर्सिटी के वीसी और पीजीआईएमएस रोहतक के डायरेक्टर के साथ भी मीटिंग की। इस दौरान कमियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए गए। बाद में पत्रकारों से बातचीत में विधानसभा कमेटी के अध्यक्ष रामकुमार कश्यप ने बताया कि पीजीआईएमएस में सभी प्रकार की सुविधाओं का जायजा लिया गया। संस्थान में दवाइयों की कमी नहीं है, लेकिन डॉक्टरों की कमी की बात सामने आई है। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि डॉक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही रिक्त पद भरे जाएंगे। उन्होंने बताया कि अन्य प्रकार की कमियों को पूरा करने के लिए

अधिकारियों को समयसीमा दी गई है। बरौदा विधानसभा क्षेत्र से विधायक इंदूराज नरवाल ने कहा कि विधानसभा समिति के दौरे में मरीजों से बातचीत की गई। इसके अलावा पीजीआईएमएस में बहुत सारी कमियां मिली हैं। वार्डों का भी बुरा हाल है। इस बारे में अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि सुधार किया जाएगे। वे व्यक्तिगत तौर पर भी पीजीआईएमएस का दौरा कर सुविधाओं का जायजा लेंगे। बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने कहा कि पीजीआईएमएस में पूरे हरियाणा से लोग आते है और यहां पर काफी खामियां मिली है। काफी प्रोजेक्ट अधूरे पडे है, जिन पर कोई काम नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि पीजीआई में 22 सौ बेड है और 1350 नर्स है तो इसी बात से अंदाज लगाया जा सकता है कि कैसे मरीजों का ईलाज हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री से मिलेगे और विधानसभा में भी इस मामले को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

दो सगी बहनों ने यूजीसी नेट, जेआरएफ में पाया देशभर में टॉप रैंक

एजेंसी

हांसी। क्षेत्र के गांव ढाणा कलां की दो सगी बहनों ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। गांव ढाणा कलां निवासी एवं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुट्ठी समैन के प्राचार्य डॉ. योगी अनूप नाथ की सुपुत्रियों अदिति व अपूर्वा ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित यूजीसी नेट, जेआरएफ के अंग्रेजी विषय की प्रतिष्ठित परीक्षा अपने प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण कर पूरे भारत में टॉप रैंकर्स की सूची में स्थान प्राप्त किया है।परीक्षा परिणामों में अदिति ने 99.89 पर्सेंटाइल तथा अपूर्वा ने 99.93 पर्सेंटाइल हासिल किए, जिसके साथ दोनों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए चयनित किया गया। यूजीसी नेट-जेआरएफ को देश की सबसे कठिन और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शामिल किया जाता है, जिसमें लाखों अभ्यर्थियों के बीच सीमित संख्या में ही जेआरएफ प्रदान की जाती है। ऐसे में प्रथम प्रयास में ही जेआरएफ के साथ शीर्ष पर्सेंटाइल अर्जित करना एक दुर्लभ और सराहनीय उपलब्धि मानी जाती है।इस सफलता की सूचना मिलते ही ढाणा कलां गांव के सरपंच भूप सिंह सैनी सहित अनेक सामाजिक, शैक्षणिक और प्रबुद्धजन डॉ. योगी अनूप नाथ के निवास पर पहुंचे और दोनों बहनों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। ग्रामीणों ने इसे गांव और जिले के लिए सम्मान का क्षण बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि क्षेत्र की अन्य छात्राओं को भी उच्च शिक्षा और शोध के लिए प्रेरित करेगी।अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अदिति और अपूर्वा ने गुरुवार को कहा कि वे इस उपलब्धि का श्रेय अपने संयुक्त परिवार को देती हैं। उन्होंने विशेष रूप से अपनी दादी, माता-पिता, चाचा-चाची, भाई-बहनों तथा परिवार के अन्य सदस्यों का आभार जताया और कहा कि परिवार से मिले संस्कार, अनुशासन और निरंतर सहयोग ने उन्हें लक्ष्य के प्रति केंद्रित बनाए रखा।

रेपो रेट में बदलाव नहीं, लोन महंगा नहीं होगा,

आरबीआई ने ब्याज दर 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी, अब आरबीआई लाएगा सख्त गाइडलाइंस, लोन-रिकवरी एजेंट अब ग्राहकों को परेशान नहीं कर सकेंगे

एजेंटों की बदतमीजी बैंकों को पड़ेगी भारी

मुंबई।

इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने लोन रिकवरी एजेंटों की मनमानी और बैंकों द्वारा की जा रही मिस-सेलिंग पर लगाम लगाने के लिए सख्त गाइडलाइंस लाने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि केंद्रीय बैंक तीन नए ड्राफ्ट रेगुलेशन जारी करने जा रहा है। इनका मकसद ग्राहकों की सुरक्षा को मजबूत करना और बैंकों की जवाबदेही तय करना है। इन नियमों के लागू होने के बाद रिकवरी एजेंट ग्राहकों को डरा-धमका नहीं पाएंगे और न ही बैंक आपको ऐसा इंश्योरेंस या लोन दे पाएंगे, जिसकी आपको जरूरत नहीं है। आरबीआई गवर्नर ने साफ किया है कि लोन रिकवरी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और नैतिकता लाने के लिए मौजूदा नियमों को और कड़ा किया जाएगा। अक्सर शिकायतें आती हैं कि रिकवरी एजेंट ग्राहकों को देर रात फोन करते हैं, उनके रिश्तेदारों को परेशान करते हैं या घर आकर बदतमीजी करते हैं। नए नियमों के तहत बैंक अब इन एजेंटों की हरकतों के लिए सीधे जिम्मेदार होंगे। अगर कोई एजेंट नियमों का उल्लंघन करता है, तो बैंक पर भारी जुर्माना लग सकता है।

अब जबरदस्ती नहीं बेच पाएंगे इंश्योरेंस

जब कोई ग्राहक बैंक में एफडी कराने या लोन लेने जाता है, तो बैंक कर्मचारी उसे लुभावने वादे करके कोई इंश्योरेंस पॉलिसी या इन्वेस्टमेंट प्लान बेच देते हैं। बाद में पता चलता है कि वह प्रोडक्ट ग्राहक के लिए फायदेमंद ही नहीं था। इसे ही मिस-सेलिंग कहते हैं। आरबीआईअब इसके लिए सख्त गाइडलाइंस तय कर रहा है। बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे ग्राहकों को वही प्रोडक्ट बेचें जो उनकी जरूरत और रिस्क लेने की क्षमता के अनुसार हो।

डिजिटल फ्रॉड पर 25,000 तक का मुआवजा

रिजर्व बैंक ने एक नया फ्रेमवर्क लाने का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत छोटे अमाउंट वाले फ्रॉड ट्रांजैक्शन में नुकसान झेलने वाले ग्राहकों को 25 हजार तक का मुआवजा दिया जाएगा।

आरबीआई ने छोटे कारोबारियों के लिए बढ़ाई कोलैटरल-फ्री लोन की सीमा

- कोलैटरल-फ्री लोन सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख की

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद छोटे कारोबारियों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला किया है। आरबीआई ने माइक्रो और स्मॉल एंटरप्राइजेज (एमएसई) के लिए कोलैटरल-फ्री लोन की सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दी है। यह नया नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा और उसके बाद स्वीकृत या रिन्यू होने वाले सभी लोन पर लागू रहेगा। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य छोटे उद्यमियों को बिना संपत्ति गिरवी रखे अधिक लोन उपलब्ध कराना और उन्हें औपचारिक बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना है। पहले कई छोटे व्यवसायियों को गिरवी की कमी के कारण महंगे अनौपचारिक कर्ज का सहारा लेना पड़ता था। अब वे आसानी से बैंक से 20 लाख रुपए तक का लोन ले सकेंगे, जो मशीनरी खरीदने, स्टॉक बढ़ाने और कारोबार विस्तार में सहायक होगा। एमएसएमई सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है और यह लाखों लोगों को रोजगार देता है। माइक्रो एंटरप्राइज में निवेश 2.5 करोड़ रुपए तक और टर्नओवर 10 करोड़ रुपए तक होता है, जबकि स्मॉल एंटरप्राइज में निवेश 25 करोड़ रुपए तक और टर्नओवर 100 करोड़ रुपए तक हो सकता है। ऋब्ढ का मानना है कि इस फैसले से छोटे उद्योगों को औपचारिक क्रेडिट सिस्टम से जोड़ने में मदद मिलेगी। आरबीआई का यह कदम न केवल छोटे कारोबारियों के लिए राहत देगा, बल्कि देश की आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे एमएसएमई सेक्टर को विकास के नए अवसर मिलेंगे और कारोबारी निवेश में तेजी आएगी।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भारी गिरावट, बिटकॉइन 63,000 डॉलर के करीब

बिटकॉइन गुरुवार के मुकाबले 9 फीसदी और गिरकर 65,000 डालर के आसपास

मुंबई ।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में पिछले दो दिनों से भारी अस्थिरता देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन गुरुवार को 12.6 फीसदी गिरकर 63,300 डालर तक पहुंच गई, जो अक्टूबर 2024 के बाद का सबसे निचला स्तर है। शुक्रवार को बिटकॉइन करीब 9 फीसदी और गिरकर 65,000 डालर के आसपास ट्रेड करने लगी। इस हफ्ते बिटकॉइन में कुल 17 फीसदी और साल 2026 में अब तक 28 फीसदी की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर भी दबाव में रही और एक दिन में 13 फीसदी से अधिक गिर गई, जबकि साल 2026 में इसमें करीब 38 फीसदी की गिरावट हो चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों की जोखिम से दूरी, भारी लिक्विडेशन और अमेरिकी मौद्रिक नीति में सख्ती की आशंकाओं ने बाजार को झटका दिया। कॉइनग्लास के आंकड़ों के मुताबिक केवल 24 घंटों में 1 बिलियन डालर के बिटकॉइन पोजीशन जबरन बंद हुए। इसके अलावा टेक शेयरों में कमजोरी और सोना-चांदी जैसी संपत्तियों में अस्थिरता ने बाजार दबाव और बढ़ाया। संस्थागत निवेशकों द्वारा क्रिप्टो ईटीएफ से लगातार निकासी भी गिरावट का बड़ा कारण बनी है। डॉयचे बैंक के अनुसार, जनवरी में अमेरिकी स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से 3 बिलियन डालर से ज्यादा निकासी हुई। बाजार के जानकारों के अनुसार, क्रिप्टो बाजार फिलहाल कैपिटुलेशन मोड में है। यह केवल अल्पकालिक सुधार नहीं बल्कि बड़े रीसेट की शुरुआत हो सकता है, जो कई महीनों तक चल सकता है। गिरावट जारी रहने पर माइनर्स पर दबाव बढ़ सकता है और जबरन लिक्विडेशन का जोखिम फिर से बढ़ सकता है।

नई दिल्ली में लॉन्च हुई भारत टैक्सी, देश की पहली सहकारी कैब सर्विस

मुंबई।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारत टैक्सीऐप को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया। यह देश की पहली सहकारी कैब सर्विस है, जो प्रॉफिट के बजाय ड्राइवरों के कल्याण पर केंद्रित है। कंपनी किसी भी तरह का कमीशन नहीं लेती, और राइड का पूरा पैसा सीधे ड्राइवर के खाते में जाता है। भारत टैक्सी में कैब के साथ-साथ मेट्रो टिकट बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। सहकारी मॉडल और कमीशन रहित सिस्टम के कारण किराया ओला-उबर की तुलना में काफी कम है। साथ ही ऐप में सर्ज प्राइसिंग का कोई सिस्टम नहीं है, जिससे भीड़ के समय किराया बढ़ता नहीं। यात्रियों की सुरक्षा के लिए ऐप में एसओएस, इमरजेंसी बटन भी दिया गया है, जो लोकेशन भरोसेमंद संपर्कों तक तुरंत भेजता है। सफल ट्रायल के बाद ऐप अब दिल्ली-एनसीआर में पूरी तरह उपलब्ध है और जल्द ही मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु में भी शुरू होगा।

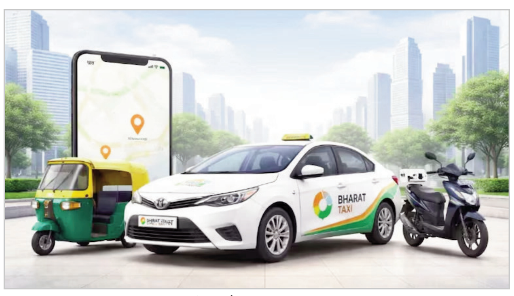

चांदी दो दिन में 41 हजार सस्ती, सोना भी धड़ाम

-चांदी की कीमत 2.41 लाख/किलो, तो सोना 1.51 लाख पर आया

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के दाम में शुक्रवार को भी गिरावट जारी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत शुक्रवार को 13,155 रुपए गिरकर 2,41,184 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,54,339 रुपए थी। दो दिन में ये 41,278 रुपए सस्ती हो चुकी है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव आज 1,013 रुपए कम होकर 1,51,489 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,52,502 रुपए पर था। सोना दो दिन में 6,669 रुपए सस्ता हुआ है। सर्राफा बाजार में सोने ने 29 जनवरी को 1,76,121 और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इससे पहले 29 जनवरी से 2 फरवरी के बीच चांदी की कीमत 1.60 लाख रुपए कम हुई थी। वहीं, सोने की कीमत में 26 हजार रुपए कम हुई थी। वायदा कारोबार पर चांदी 4 लाख रुपए से घटकर 2.41 रुपए प्रति किलो पर आ गई थी। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.70 लाख से गिरकर 1.40 लाख पर आ गया था। हालांकि फिर दोनों के दाम में तेजी रही थी।

सोने-चांदी में गिरावट की वजह

सोने-चांदी की कीमत हाल के दिनों में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुक किया। वहीं ऑल टाइम हाई के बाद फिजिकल डिमांड कमजोर हुई, साथ ही औद्योगिक उपयोग को लेकर चिंताएं भी बढ़ीं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 34 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.68 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 11 पैसे मजबूत होकर 90.23 पर पहुंच गया। गुरुवार को रुपया 13 पैसे बढ़कर 90.34 पर बंद हुआ था। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में कारोबार के दौरान रुपया 90.28 पर खुला और फिर बढ़त जारी रखी। फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने रुपया में और अधिक तेजी पर रोक लगाई। वहीं, डॉलर में थोड़ी मजबूती के चलते भी स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही।

नेस्ले इंडिया की मैगी के 50 वर्ष पूरे, स्मृति में स्मारक डाक टिकट जारी

नई दिल्ली । नेस्ले इंडिया के लोकप्रिय ब्रांड मैगी ने भारत में अपनी उपस्थिति के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया है। इस डाक टिकट का अनावरण केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान और नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने एक गरिमामयी समारोह में किया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इस अवसर पर कहा कि मैगी जैसे अग्रणी ब्रांड्स ने भारतीय खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने और उपभोक्ताओं का विश्वास जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने ब्रांड की पांच दशकों की विकास यात्रा की सराहना की। नेस्ले इंडिया के एमडी मनीष तिवारी ने इसे उपभोक्ताओं के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि 50 ईयर्स ऑफ़ टुगेदरनेस डाक टिकट उन अनगिनत साझा पलों को समर्पित है, जो मैगी ने पीढ़ियों से भारतीय घरों में निर्मित किए हैं। पिछले पांच दशकों में मैगी ने नूडल्स से लेकर सॉस और सूप तक अपनी श्रेणियों का विस्तार कर हर वर्ग के स्वाद में अपनी जगह बनाई है। कंपनी ने भविष्य में भी इसी विश्वास और गुणवत्ता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

आरबीआई डिजिटल लेन-देन सुरक्षा और ग्राहक क्षतिपूर्ति के लिए बनाएगा नई रूपरेखा

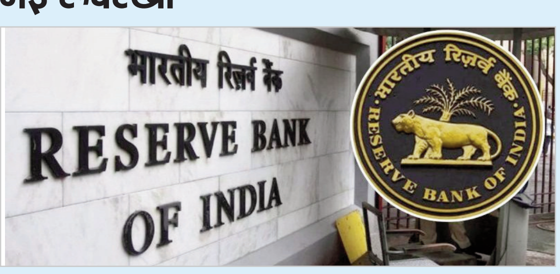

- छोटे-मोटे धोखाधड़ी वाले लेन-देन में 25,000 तक की क्षतिपूर्ति

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को घोषणा की कि छोटे मूल्य वाले धोखाधड़ी वाले डिजिटल लेन-देन के लिए ग्राहकों को 25,000 तक की क्षतिपूर्ति दी जाएगी। इसका उद्देश्य ग्राहकों की तत्काल सुरक्षा और विश्वास बढ़ाना है। आरबीआई जल्द ही एक परिचर्चा पत्र प्रकाशित करेगा जिसमें डिजिटल भुगतान सुरक्षा के उपाय शामिल होंगे। इसमें विलंब से क्रेडिट और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण जैसी सुविधाएं होंगी। तीन दिशानिर्देशों का मसौदा` किया जाएगा तैयार- वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री रोकना, अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन में ग्राहक की देनदारी सीमित करना और ऋण वसूली और वसूली एजेंट के दिशा-निर्देशों का सामंजस्य। शहरी सहकारी बैंकों की क्षमता निर्माण के लिए मिशन सक्षम की शुरुआत की जाएगी। मल्होत्रा ने कहा कि सभी नए और संशोधित निर्देश जल्द सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए जाएंगे, जिससे बैंकिंग क्षेत्र और डिजिटल भुगतान प्रणाली अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बने।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 266 अंक, निफ्टी 50 अंक उछला

मुम्बई ।

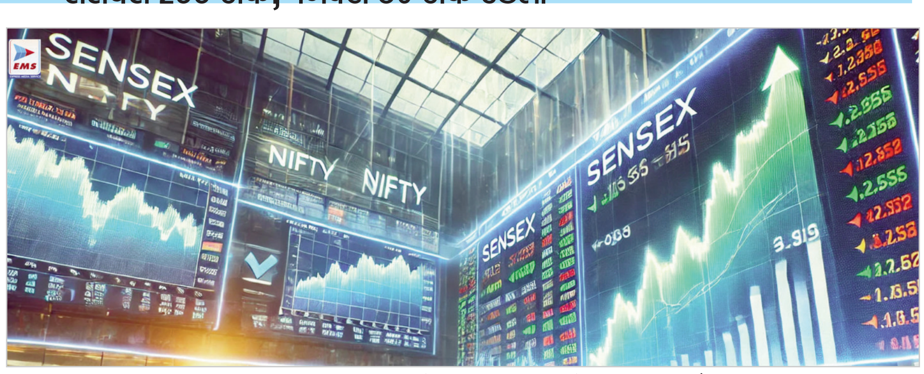

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी दिन बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 266.47 अंक उछलकर 83,580.40 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50.90 अंक बढ़कर 25,693.70 पर बंद हुआ। आज एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में उछाल से बाहर ऊपर आया है। आईटीसी के शेयरों में 5 फीसदी और एचयूएल में 2.96 फीसदी की बढ़त रही।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कंजम्पशन, निफ्टी रियल्टी , निफ्टी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं निफ्टी आईटी , निफ्टी फार्मा , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑटो शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, टाइटन, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, टीसीएस, एशियन पेंट्स, इटरनल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और बीईएल के शेयरों को नुकसान हुआ। लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप के शेयरों में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14.40 अंक की गिरावट के साथ 59,502.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.25 अंक टूटकर 16,938.65 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 224.17 अंक गिरकर 83,089.76 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 25,605 पर खुला और जल्द ही 25,600 के नीचे फिसल गया। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट रही। वॉल स्ट्रीट पर भी टेक शेयरों में दबाव रहा। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, टेक शेयरों वाला नैस्डैक 100 पिछले साल अप्रैल के बाद तीन दिनों में सबसे बड़ी गिरावट का सामना कर रहा है। इसकी एक वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंता भी है। इस दौरान एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.23 फीसदी और नैस्डैक 1.59 फीसदी के नीचे बंद हुआ।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, 723.8 अरब डॉलर

- पिछले सप्ताह के 709.41 अरब डॉलर से 14.4 अरब डॉलर अधिक

मुंबई । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 723.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। यह पिछले सप्ताह के 709.41 अरब डॉलर से 14.4 अरब डॉलर अधिक है। इससे पहले 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार में 8.05 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा* ने कहा कि यह भंडार लगभग 11 महीने के वस्तु आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की बाहरी वित्तीय स्थिति मजबूत है और देश अपनी विदेशी वित्तीय जरूरतों को आसानी से पूरा करने में सक्षम है। विदेशी मुद्रा भंडार में चार कारक हैं - विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि और विशेष आहरण अधिकार। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में करीब 563 अरब डॉलर पर और स्वर्ण भंडार 123 अरब डॉलर पर था। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में डॉलर के अलावा यूरो, ब्रितानी पाउंड और जापानी येन शामिल होता है। आरबीआइई के अनुसार, भंडार की यह बढ़त भारत को वैश्विक वित्तीय बाजारों में भरोसा और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण के उच्च स्तर से भारत अपनी बाहरी भुगतान क्षमता बनाए रखने में सक्षम है।

भारत में ‘डोल्से’ ब्रांड की एंट्री, फाइन एर्स और व्यंडहम में रणनीतिक गठबंधन

उदयपुर और गोवा में खुलेंगे लग्जरी रिसॉर्ट्स; राजस्थान में ‘व्यंडहम ग्रैंड’ का भी हुआ औपचारिक आगाज

उदयपुर ।

भारतीय हॉस्पिटैलिटी परिदृश्य में एक नए युग की शुरुआत करते हुए देश की अग्रणी रियल एस्टेट और हॉस्पिटैलिटी कंपनी फाइन एर्स ने विश्व की विशालतम होटल फ्रेंचाइजिंग संस्था व्यंडहम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के साथ एक ऐतिहासिक रणनीतिक गठबंधन की घोषणा की है। इस साझेदारी के माध्यम से प्रतिष्ठित वैश्विक ब्रांड डोल्से होटल्स एंड रिसॉर्ट्स पहली बार भारतीय बाजार में कदम रखने जा रहा है।

संस्थापक व प्रबंध निदेशक दिनेश यादव के नेतृत्व में विकसित इस सहयोग के तहत गोवा और उदयपुर में दो फ्लैगशिप परियोजनाएं डोल्से बाय व्यंडहम लॉन्च की गई हैं।

उदयपुर के कोडियात में आयोजित एक भव्य गाला साइनिंग समारोह में इस गठबंधन पर मुहर लगी, जिसमें बॉलीवुड हस्तियों, अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों ने शिरकत की। इसी अवसर पर व्यंडहम ग्रैंड जयपुर आमेर का भी शुभारंभ किया गया, जो राजस्थान की शाही विरासत के साथ वैश्विक आधुनिकता का समावेश है।

इन परियोजनाओं की मुख्य विशेषता इनका यूनिट सेल्स मॉडल है।

इसके अंतर्गत लगभग 70 प्रतिशत इकाइयां व्यक्तिगत निवेशकों को विक्रय की जाएंगी, जिन्हें एक प्रबंधित रेंटल पूल के माध्यम से पूर्णतः लीज-बैक किया जाएगा। यह मॉडल निवेशकों के लिए व्यावसायिक स्थिरता, पेशेवर संचालन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन सुनिश्चित करता है।

प्रबंध निदेशक दिनेश यादव ने कहा, हमारा लक्ष्य भारत में 5,000 यूनिट्स के विस्तार के साथ विश्व-स्तरीय हॉस्पिटैलिटी अनुभव प्रदान करना है। डोल्से ब्रांड प्रीमियम रिसॉर्ट्स और डेस्टिनेशन वेडिंग्स की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने की दिशा में हमारा एक ठोस कदम है। व्यंडहम के प्रेसिडेंट दिमित्रिस मैनिकिस और यूरेशिया के एमडी राहुल मैकारियस ने इसे गेम-चेंजर बताते हुए कहा कि यह साझेदारी पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

आरबीआई बैंकों को रीट को ऋण देने की अनुमति देने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को रियल एस्टेट क्षेत्र के वित्तपोषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैंकों को रील एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) को ऋण देने की अनुमति देने का प्रस्ताव पेश किया। इस कदम के पीछे मकसद है निवेशकों और बैंकों दोनों के लिए वित्तीय तरलता बढ़ाना। रीट ऐसे निवेश माध्यम हैं जो आय उत्पन्न करने वाली रियल एस्टेट संपत्तियों के मालिक होते हैं या उनका संचालन करते हैं। निवेशक सीधे संपत्ति खरीदे बिना संपत्ति से होने वाली आय में हिस्सा ले सकते हैं। भारत में रीट और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की अवधारणा संस्थागत और खुदरा निवेशकों के कोष के माध्यम से निवेश पुनर्वित्त करने और बैंकों के फंसे कोष को मुक्त करने के लिए बनाई गई थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति में कहा कि कुछ विवेकपूर्ण सुरक्षा उपायों के साथ बैंकों को रीट को ऋण देने की अनुमति देने पर विचार किया जा रहा है। वर्तमान में, केवल इर विट को बैंक ऋण की अनुमति है, जबकि रीट को यह अनुमति नहीं थी। प्रस्तावित कदम में रीट को ऋण देने के लिए मौजूदा दिशानिर्देशों को इन विट के समान किया जाएगा।

कॉग्निजेंट ने कर्मचारियों को 100 फीसदी बोनस दिया, राजस्व वृद्धि में रिकॉर्ड प्रदर्शन

नई दिल्ली । कॉग्निजेंट ने वर्ष 2025 में 6.4 फीसदी की राजस्व वृद्धि दर्ज की, जो कंपनी के अनुमान 6-6.3 फीसदी से अधिक है। कंपनी ने इसेविजेताओं के समूह में शामिल होने जैसा अनुभव बताया। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी नैस्डैक में सूचीबद्ध शीर्ष राजस्व वृद्धि वाली कंपनियों में फिर से शामिल हो गई है। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने प्रदर्शन के चलते कर्मचारियों को 100 फीसदी बोनस दिया, जो पिछले सात वर्षों में सबसे बड़ा है। इससे यह जाहिर होता है कि कॉग्निजेंट कर्मचारियों को अपने साथ बनाए रखने और उन्हें पुरस्कृत करने के लिए गंभीर है। कंपनी ने राजस्व वृद्धि, बाजार हिस्सेदारी, बड़े करार की गति, कौशल प्रशिक्षण, मार्जिन विस्तार और प्रति शेयर कमाई में बढ़ोतरी जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया।

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

ललित गर्ग

> ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है।

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गई। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक 'गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है।

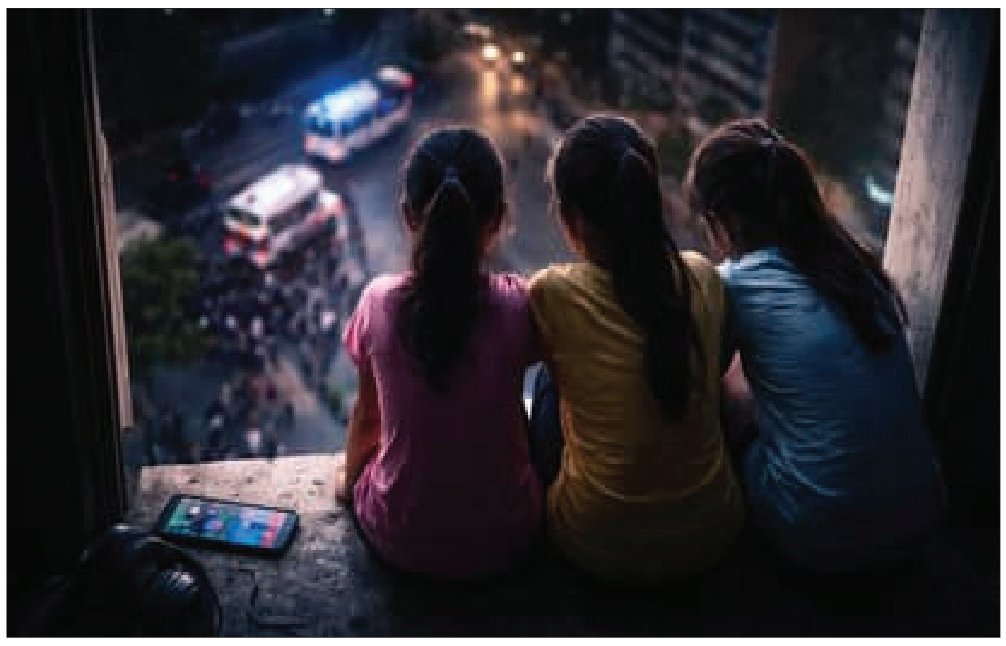

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है।

सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा।

मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं। दरअसल,ये दुखद घटनाएं एक घातक प्रवृत्ति को ही उजागर करती हैं कि गेमिंग और डिजिटल संपर्क लाखों युवाओं को आभासी समुदाय और मनोरंजन तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन साथ ही ये भावनात्मक कमजोरियों,सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की पूर्ति न होने जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। हालांकि, वहीं दूसरी ओर समाज विज्ञानी इस बात पर भी बल देते हैं कि केवल गेमिंग या ऑनलाइन मित्रता ही आत्महत्या का कारण नहीं बन सकती हैं। निस्संदेह, आत्महत्या एक जटिल और बहुआयामी घटना है। लेकिन समस्याग्रस्त डिजिटल जुड़ाव, विशेष रूप से जब यह ऑफलाइन जीवन से अलगाव, बाधित शिक्षा और तीव्र भावनात्मक तनाव के साथ होता है तो संवेदनशील युवा मन में परेशानी को और बढ़ा सकता है।

गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा। यह घटना एक चेतावनी है, एक टर्निंग पॉइंट है। यदि अब भी हमने इसे एक सामान्य समाचार की तरह भुला दिया, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। समाज को, सरकार को और प्रत्येक परिवार को मिलकर कड़े और संवेदनशील कदम उठाने होंगे। तकनीक को नकारना समाधान नहीं है, लेकिन उसे बिना नियंत्रण स्वीकार करना भी आत्मघाती है। संतुलन, संवाद और सहभागिता ही बच्चों की सुरक्षा का वास्तविक आधार हैं। गाजियाबाद की तीनों बहनों हो या कूल्लु के किशोर की असमय मृत्यु हमें यह याद दिलाती है कि अगर हमने अभी नहीं संभला, तो यह इलेक्ट्रॉनिक खतरा हमारे घरों, हमारे भविष्य और हमारी संवेदनाओं को निगलता चला जाएगा। यह समय है जागने का, सोचने का और ठोस कदम उठाने का-क्योंकि यह सवाल केवल तकनीक का नहीं, बल्कि जीवन का है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

प्रधानमंत्री का डर और संसद की गरिमा

संसद सत्र को सत्ता पक्ष की तरफ से ही बाधित करना, एक साथ विपक्ष के सौ से ज्यादा सांसदों का निलंबन, सदन के भीतर एक अल्पसंख्यक सांसद के लिए अपशब्दों का प्रयोग, पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल, महिला सांसदों के लिए अभद्र टिप्पणियां, संसद के भीतर रंगीन धुआं उड़ाना, संसद में हिंदू पंडितों से पूजा-पाठ करवाकर धर्मनिरपेक्षता की बलि चढ़ाना और सुबह सत्र संचालित करा रहे राज्यसभा सभापति का अचानक शाम को स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा और उन्हें औपचारिक विदाई तक न देना, मोदी सरकार में संसदीय परंपराओं और मयार्दा को किस तरह बार-बार तोड़ा गया, ये उसके चंद उदाहरण हैं। लेकिन अब तो संसदीय इतिहास को मुंह चिढ़ाते हुए मोदी सरकार ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसका अगला पायदान तानाशाही ही लगता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की तरफ से चर्चा के बिना ही पारित करा दिया गया। पाठक जानते हैं कि 2 और 3 फरवरी को राहुल गांधी को सत्तापक्ष ने पूरा भाषण नहीं देने दिया। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोद मुकुंद नरवणे की किताब के कुछ अंश कारवां पत्रिका में प्रकाशित हुए थे, जिसे राहुल गांधी ने सत्यापित करने के बाद उद्धृत करना चाहा लेकिन सत्ता पक्ष की टोकाटाकी के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने उन्हें नियम 349 का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दी। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा भी कि मैं बिना उद्धृत किए ही अपनी बात रखता हूं, लेकिन जैसे ही वे चीन पर बोलने लगे, सत्ता पक्ष की घबराहट देखकर आसंदी ने उन्हें बोलने नहीं दिया। इसके बाद विपक्ष के किसी सांसद ने भाषण नहीं दिया। राहुल गांधी तो सदन में बहादुरी के साथ डटे रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कायरता की नयी मिसाल देश के सामने पेश की। वे संसद आए और फिर वापस लौट गए। बुधवार शाम पांच बजे उनका भाषण लोकसभा में निर्धारित था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का कहना है कि उन्होंने ही प्रधानमंत्री को सदन में आने से मना किया था। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि कांग्रेस के सांसद उन पर शारीरिक हमला कर सकते थे। इस बीच हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। ओम बिड़ला ने कहा कि अगर कोई घटना हो जाती तो लोकतंत्र की मयार्दा तार-तार हो जाती।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है।

वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

वैश्विक कूटनीति में बदलता शक्ति संतुलन

डॉ हिदायत अहमद खान

मौजूदा वक्त में विकसित देशों के साथ ही प्रमुख विकासशील देशों में जिस तरह के घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं, उससे दुनियां में एक बड़े बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। मनमाने ढंग से देशों पर अपने नियमों को लादना और न मानने पर कठोर से कठोर कार्यवाही करना, सामान्य लगने लगा है। न्याय दिलाने या जुल्म को खत्म करने की बजाय शक्ति का उपयोग अपने आधिपत्य को बढ़ाने के लिए किया जाने लगा है। इस तरह से इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक दुनियां की तस्वीर बदलने को आतुर नजर आ रहा है। वैश्विक राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिख रही है। यही नहीं लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का नेतृत्व करने वाला अमेरिका अब धीरे-धीरे कई बहुपक्षीय मंचों और वैश्विक संस्थानों से पीछे हटता नजर आया है। इसके विपरीत, चीन इस खाली होते कूटनीतिक मैदान में न केवल सक्रिय हुआ है, बल्कि स्वयं को एक वैकल्पिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की कोशिश भी कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भविष्य का वैश्विक सुपर पावर कौन होगा, अमेरिका, रुस, चीन या कोई और उभरती ताकत? अमेरिका में दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वर्ष के कार्यकाल में 66 बहुपक्षीय संगठनों से बाहर निकलने की घोषणा करके सभी को चौंकाने का काम किया है। इससे वैश्विक राजनीति में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है। जलवायु परिवर्तन, श्रम अधिकार और प्रवासन जैसे मुद्दों को 'राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध' बताकर उनसे दूरी बनाना अमेरिका की उस परंपरागत भूमिका से हटना है, जिसमें वह वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के संरक्षक की भूमिका निभाता चला आ रहा था। फिलहाल इस बदलाव का लाभ चीन को मिला है, जिसने कूटनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग में विदेशी नेताओं की मेजबानी के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह कहना, कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था भारी दबाव में है और समानता आधारित प्रणाली की जरूरत है, चीन की महत्वाकांक्षा को स्पष्ट करता है। वैसे चीन इस दिशा में लंबे समय से काम करता चला आया है। खास बात यह है कि चीन का उभार केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में यह धारणा मजबूत हुई है कि आने वाले दशकों में चीन का वैश्विक प्रभाव तेजी से बढ़ेगा। ऐसे में अमेरिका और चीन के बीच शक्ति का जो अंतर कभी बहुत व्यापक था, वह अब सिमट रहा है। हालांकि सैन्य क्षमता, तकनीकी नवाचार और सॉफ्ट पावर के लिहाज से अमेरिका अब भी अग्रणी है, लेकिन चीन आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर उसकी बराबरी बल्कि कई मामलों में तो आगे बढ़ता दिखा है। इस वैश्विक रणनीति में 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका बेहद अहम है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के साथ चीन ने बीते एक दशक में गहरे संबंध बनाए हैं। वर्ष 2013 में शुरू किया गया बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) इसी का सशक्त उदाहरण है, जिसके तहत चीन ने बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश कर रखा है। आज जब पश्चिमी देश चीन को रणनीतिक रूप से घेरने का प्रयास कर रहे हैं, तब यही विकासशील देश उसके लिए राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का आधार बनते दिख रहे हैं। आर्थिक रूप से भी चीन की स्थिति मजबूत बनी हुई है, 2025 में पांच प्रतिशत की विकास दर और रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष इसकी पुष्टि करते हैं। बावजूद इसके अमेरिका के सामने चीन का यह रास्ता जोखिमों से मुक्त नहीं है। अमेरिका टैरिफ-टैरिफ खेल रहा है, जबकि कई देशों में बीआरआई परियोजनाओं से जुड़े कर्ज संकट ने चीन को अपनी निवेश नीति पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर दिया है। यही कारण है कि अब वह बड़े और जोखिम वाले प्रोजेक्ट्स के बजाय छोटे, सुरक्षित और रणनीतिक निवेशों पर ध्यान दे रहा है। इसके साथ ही रूस और उत्तर कोरिया जैसे देशों के साथ उसकी बढ़ती नजदीकी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ाई है। यह साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर नहीं, बल्कि अमेरिका-विरोध जैसे तात्कालिक हितों पर आधारित प्रतीत होती है, जिसका असर संयुक्त राष्ट्र में समन्वित मतदान के रूप में दिखता है। यहां महत्वपूर्ण यह भी है कि चीन पूरी वैश्विक व्यवस्था पर वर्चस्व स्थापित करने की जल्दबाजी में नहीं दिखता। फिलहाल बीजिंग की प्राथमिकता अपनी घरेलू राजनीतिक स्थिरता और कम्युनिस्ट पार्टी की सत्ता को सुरक्षित रखना है। इस दिशा में भी उसने मौजूदा वक्त में अनेक सख्त फैसले लिए हैं और अनेक जिम्मेदारों को सजा तक देने से पीछे नहीं हटा है। वह केवल उन्हीं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाता है, जहां उसके प्रत्यक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा हित जुड़े हों। असल में चीन का लक्ष्य वैश्विक प्रभुत्व से अधिक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव को सीमित करना है, जिसकी झलक दक्षिण चीन सागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों से भी मिल जाती है। अंततः आज की दुनिया एक एकध्रुवीय व्यवस्था से बहुध्रुवीय संतुलन की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन के बीच यह प्रतिस्पर्धा केवल शक्ति की नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय करने की भी है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि दुनिया किसी एक सुपर पावर के नेतृत्व को स्वीकार करती है या साझा, संतुलित और बहुपक्षीय व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाती है।

संसद की गरिमा को बचाने की जरूरत

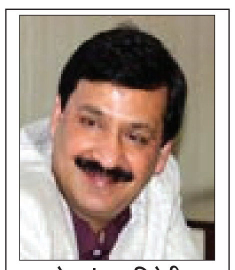

प्रो. संजय द्विवेदी

देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मयार्दाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ,वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ , सबने देखा। यह संसदीय मयार्दाओं के तार-तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है।

इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मयार्दाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं । इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ -साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं।

दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ , संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है। बजट सत्र संसद का बहुत महत्व का सत्र होता है। जिसमें हम अपने देश के आगामी एक साल के सपनों, आकांक्षाओं, आर्थिक भविष्य का खाका खींचते हैं। ऐसे सत्र का समय नष्ट करके हमें क्या हासिल होगा, समझना मुश्किल है।

मुद्दे की बात यह भी है कि क्या हमारे सांसद स्वस्थ बहस चाहते हैं? क्या क्षणिक राजनीतिक सुर्खियों के लिए हम समाज के वृहत्तर प्रश्नों की उपेक्षा नहीं कर रहे हैं। दिवंगत नेताओं की चरित्रावली का वाचन करके हम कौन से मूल्य स्थापित कर रहे हैं? कभी नेता प्रतिपक्ष ने वीर सावरकर पर सवाल खड़े करके जो गलत परंपरा डाली , अब दूसरे सांसद बोरे में किताबें लाकर उनके अंश पढ़ रहे हैं। इससे हमें क्या हासिल होगा? नेहरू जी, श्रीमती इंदिरा गांधी, अटल जी इस देश के महान नेता रहे हैं, उनके देहावसान के बाद ऐसी गलीज बातें राजनीतिक कार्यकताओं को नहीं करनी चाहिए। मृत्यु के बाद हम पुरखों के सद्गुण याद करते हैं। उनके प्रदेय और योगदान पर गर्व करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। किंतु हम किस रास्ते पर चल पड़े हैं? आजादी के इतने सालों बाद संसदीय बहस और संसदीय मयार्दाओं का स्तर ऊंचा करने के बजाय हम इसे रसातल में ले जा रहे हैं। कितना अच्छा होता कि हमारे सांसद यह समझ पाते कि देश की जनता ने उन्हें किन उम्मीदों से संसद में भेजा है। अगर सांसद ही तय लेंगे कि संसद नहीं चलेगी, तो उसे कौन चला सकता है। सांसद होना साधारण नहीं है, देश के 1 अरब, 40 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधियों का आचरण प्रश्नचिन्ह की तरह हमारे सामने है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल ऐसे निराशाजनक दृश्यों से संसद को बचाने के लिए सोचेंगे। संसदीय राजनीति का यह पतन देखकर सबसे दुखी शायद पं.जवाहरलाल नेहरू और श्री अटल बिहारी वाजपेयी ही होते। दुर्भाग्यवश इन दोनों के राजनीतिक उत्तराधिकारी ही इन दृश्यों के लिए जिम्मेदार हैं। बाकी से क्या उम्मीद करना ?

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं–शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना– ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय–समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो–चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि, 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग–अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

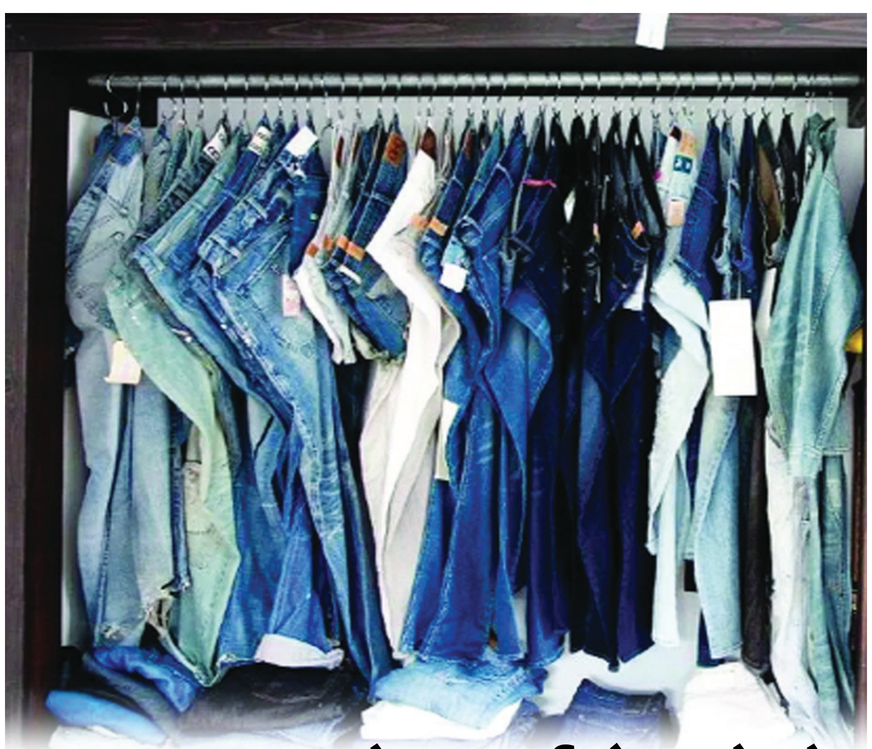

क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रैंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने–जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग–अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो–हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।

इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा। भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलेकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इंफेक्शन या फिर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच क्रीम

अधिकांश ब्लीच क्रीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन त्वचा के निकलने, लालिमा या लाल रेशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना बेहतर होगा।

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंठों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों को ब्लॉक कर सकते हैं।

हेयर कलर

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती है जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही अपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।

उम्र की सेंचुरी

लम्बे और स्वस्थ जीवन के नुस्खे

चलते रहें

यदि आप सप्ताह में तीन बार आधे घंटे की तेज सैर करना प्रारंभ कर दें, तो आप अपनी आयु को लगभग दस वर्ष बढा सकते हैं। जेरेक्स जोंस ने एक शोध में 220 रिटायर होने वाले पुरूषों को दो समूहों में बांट दिया। एक समूह कोई व्यायाम नहीं करता था। दूसरे समूह को आधा घंटा तेज सैर करवाई गई। एक वर्ष पश्चात् दूसरे समूह में एरोबिक शक्ति में 12 प्रतिशत और कूल्हों की मजबूती और लचक में 10 प्रतिशत सुधार पाया गया।

वजन उठाएं

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि एरोबिक व्यायाम जैसे जॉगिंग और ह्वदय और फेफडों के कई व्यायाम बहुत लाभदायक है। अमरीका और डेनमार्क में हुए अन्य शोधों में पाया गया कि वजन उठाने से मांसपेशियों और हड्डियों में क्षरण को न केवल रोका जा सकता है, बल्कि सुधार भी किया जा सकता है। 50 से 60 वर्ष की रजोनिवृत्त महिलाओं ने सप्ताह में दो बार वजन उठाए, तो उनकी हड्डियों के घनत्व में 30 वर्ष की महिलाओं जैसी वृद्धि हो गई।

सिगरेट छोडें

यदि आप 30 वर्ष की आयु तक सिगरेट पीना बंद कर देते हैं, तो आपके आयुष्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पडेगा। यदि आपको धूम्रपान के कारण कोई बीमारी हो भी चुकी है, तो धूम्रपान छोडने से आपकी हालत में सुधार होगा। जिन्हें दिल का दौरा पड चुका है यदि वे धूम्रपान छोड दें तो उन्हें दोबारा दिल का दौरा पडने का खतरा तीस प्रतिशत कम हो जाता है।

पूरा पोषण लें

- पोषण विशेषज्ञ के अनुसार हमारे भोजन में ये चीजे होनी जरू री हैं।
- पत्ते वाली हरी सब्जियां जैसे पालक (इसमें कैल्शियम, लौह, तत्व, फोलेट और बीट केरोटिन होता है)।
- शकरकंद (इसमें फोलेट, बीटा केरोटिन, विटामिन ए, सी और रेशा होता है)।
- जामुन, फालसे, आलू बुखारा आदि (इनमें विटामिन सी, लौह तत्व और रेशा होता है)।
- बींस (इनमें लौह तत्व, रेशे वाला प्रोटीन होता है)।
- अनाज (इनमें विटामिन बी समूह के विटामिन, विटामिन ई, सेलेनियम और जिंक होता है)।
- नटस् (एक अमरीकी शोध के अनुसार सप्ताह में 5 से अधिक बार इन्हें खाने से ह्वदय रोग का खतरा 25 से 39 प्रतिशत तक कम हो जाता है)।

विटामिन की गोली खाएं

उम्र बढने के साथ-साथ हमारा शरीर भोजन में से आवश्यक पोषक तत्व पूरी तरह नहीं खींच पाता। एक मिनरल वाली मल्टी विटामिन गोली लेने से हमें की लाभदायक तत्त्व प्राप्त हो सकते हैं यद्यपि ये एक स्वाभाविक पोषक भोजन का विकल्प नहीं हो सकती। एक अमरीकी पोषण विशेषज्ञ जैफरी ब्लूमबर्ग ने मल्टी विटामिन के अतिरिक्त कैल्शियम, हड्डियों की मजबूती हेतु, विटामिन डी (आर्थराइटिस को दूर रखने हेतु) और विटामिन ई (अल्जीमर रोग दूर रखने हेतु) भी लेने की सलाह दी है।

कम वसा वाला भोजन लें

नए शोधों के अनुसार कम वसा वाला भोजन लेने से हमारी दिमागी शक्ति अधिक समय तक बरकरार रह सकती है।

पूरी नींद लें

आवश्यकता से कम नींद लेने पर शरीर थकान महसूस करता रहेगा वहीं आवश्यकता से अधिक नींद भी घातक है। अमरीका में हुए शोध के अनुसार 7 घंटे की नींद लेना सर्वोत्तम है।

दिमाग तेज करें

उम्र बढने पर भी ऐसे कार्य करते रहें जिससे आपका मानसिक व्यायाम होता रहे। कोई विदेशी भाषा सीखने, कठिन पुस्तकें पढने, ब्रिज खेलने या सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते रहने से आप अपने दिमाग को आयु बढने के दुष्प्रभाव से बचा सकते हैं।

मंदिर जाएं

लगभग एक हजार शोधों में यह पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से मंदिर, मस्जिद या चर्च जाते हैं, वे अधिक स्वस्थ और दीर्घायु होते हैं। एक शोध के अनुसार ऐसे लोगों की आयु लगभग 7 वर्ष बढ जाती है।

दूसरों की सहायता करें

कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि जो लोग समाज सेवा में व्यस्त रहते हैं वे अपनी वृद्धावस्था में अधिक संतुष्ट और प्रसन्न रहते हैं।

लोगों से मिलते रहें

अमरीकी शोधकर्ता थामस ग्लास ने 65 वर्ष और उससे अधिक के लोगों का अध्ययन कर पाया कि जो लोग सामाजिक दृष्टि से सक्रिय रहते हैं उनका कोलेस्ट्रॉल और उच्च रक्तचाप कम हो जाता है।

हेल्थ प्लस

बच्चे के खेल बताएंगे ऑटिज्म

आजकल बच्चों में ऑटिज्म की समस्या तेजी से उभर रही है। ऑटिज्म से ग्रस्त बच्चे अपने आपमें खोए-खोए व गुमसुम रहते हैं। इनकी हरकतें भी आम बच्चों से अलग होती हैं। तमाम कोशिशों केबाद भी आज तक इसका कोई प्रामाणिक इलाज नहीं मिल पाया है। अधिकतर बच्चों में इस बीमारी के लक्षण बचपन में पता ही नहीं चल पाते। इसी संबंध में हुए लंबे अध्ययन के बाद यह बात सामने आई कि जिन बच्चों को आगे चलकर ऑटिज्म की समस्या होती है उनका बचपन में खिलौनों से खेलने का तरीका एकदम भिन्न होता है। ये बच्चे खिलौने को आम बच्चों की तुलना में अधिक घुमाते हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि हर बच्चे के माता-पिता को चाहिए कि जब उनका नन्हा-मुन्ना खेले तो वे उसे गौर से देखें। इससे समय रहते या आरंभिक अवस्था में ही इस बीमारी का पता चल सकेगा।

गर्भावस्था में मोबाइल से दूर रहें

भले ही मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा हो गया हो लेकिन हालिया शोध के परिणामों से पता चला है कि गर्भावस्था के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से होने वाले बच्चे की सेहत पर खराब असर पडता है। इससे भ्रूण की शारीरिक और मानसिक सक्रियता प्रभावित होती है। ये समस्याएं बच्चों के हाव-भाव, व्यवहार, रिश्तों और भावनाओं से जुडी हो सकती हैं। यदि सात साल से पहले बच्चा मोबाइल का इस्तेमाल करने लगे तो यह खतरा और भी बढ जाता है। सामान्य गर्भवती स्त्रियों की तुलना में मोबाइल इस्तेमाल करने वाली स्त्रियों के बच्चे 54 प्रतिशत अधिक समस्याग्रस्त हो जाते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि गर्भावस्था में अनिवार्य होने पर ही मोबाइल का प्रयोग करें।

'श्वेत भोजन' का सावधानीपूर्वक प्रयोग करें

आज अधिकतर बीमारियों का कारण है चीनी, नमक, मैदा, दूध व नारियल। आइए जानें कि इनमें ऐसा क्या है जिसके कारण ये सभी सफेद खाद्य पदार्थ हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं :-

चीनी:-

चीनी को आज अधिकतर बीमारियों की वजह माना जाता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार जो व्यक्ति चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करते हैं, उनमें बड़ी आंत का कैंसर होने की संभावना होती है। चीनी की प्रयोग हम चाय, कॉफी, बिस्कुट, मिठाई, चाकलेट और न जाने कितने खाद्य पदार्थों में करते हैं। यही नहीं चीनी से हमें बहुत अधिक मात्रा में कैलोरीज मिलती हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक है व कई रोगों की जड़ है।

नमक:-

उच्च रक्तचाप वाले रोगियों का तो नमक सबसे बड़ा दुश्मन है। भोजन में नमक भी थोड़ा प्रयोग ही उचित है।

भोजन में से नमक बिल्कुल निकाल देना तो संभव नहीं परन्तु इसकी थोड़ी मात्रा लेना व नमकीन खाद्य पदार्थ जिसमें नमक की मात्रा बहुत अधिक होती है जैसे अचार, टोमैटो सॉस, सोया सॉस को भोजन से निकालना आवश्यक हैं। जब भी नमक का प्रयोग करें तो आयोडाइज्ड नमक ही प्रयोग करें।

मैदा:-

मैदे का प्रयोग बिस्किट, केक, ब्रैड, पिज्जा व मिठाई आदि बनाने में किया जाता है।

मैदे में रेशे का अभाव होता है। इसे मशीनी प्रक्रिया द्वारा शुद्ध किया जाता है। अगर आप आटे व मैदे की तुलना करें तो पाएंगे कि आटा भूरा रंग लिए होता है जबकि मैदा सफेद व नरम होता है क्योंकि उसमें रेशा नहीं होता। जो लेग मैदे का अधिक सेवन करते हैं उन्हें कब्ज की शिकायत रहती है।

दूध:-

दूध, प्रोटीन, विटामिन व कैल्शियम का बहुत अच्छा स्त्रोत है लेकिन दूध में वसा की मात्रा अधिक होती है इसलिए स्कीम्ज मिल्क पाउडर का प्रयोग करें या फिर दूध को अच्छी तरह उबाल लें व ठंडा होने पर उसके ऊपर आई हुई मलाई उतार लें।

नारियल:-

नारियल को वैसे तो पौष्टिक माना जाता है परन्तु इसमें वसा की मात्रा अधिक होने के कारण ह्रदय के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।

नारियल पानी वसा रहित होता है और पोटाशियम का भी बहुत अच्छा स्त्रोत है। नारियल में संतुप्त वसा पाई जाती जो ह्रदय के लिए हानिकारक है इसलिए नारियल व नारियल के तेल का कम से कम सेवन करें।

भिंडी की उपयोगिता जानें

बच्चे से लेकर बडे तक अनेक लोगों की पसंदीदा सब्जी है भिंडी। केवल स्वाद की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी उपयोगी है भिंडी। इसको खाने से आंत में फायदेमंद बैक्टीरिया की बढोत्तरी होती है। इन्हें प्रोबायोटिक्स के नाम से जाना जाता है। ये बैक्टीरिया उसी प्रकार के हैं जैसे दही द्वारा छोटी आंत में पैदा होते हैं और विटमिन बी कांप्लेक्स के संश्लेषण में मदद करते हैं। साथ ही भिंडी एक बेहतरीन लैक्जेटिव भी है जो इरिटेबल बॉवेल्स में लाभ पहुंचाती है। यह अल्सर को भी ठीक करने में सहयोग करती है तथा गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक की जलन को शांत करती है। भिंडी को उबाल कर ठंडा कर उसके पानी से सिर धोने से बाल मुलायम व घने नजर आएंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1980

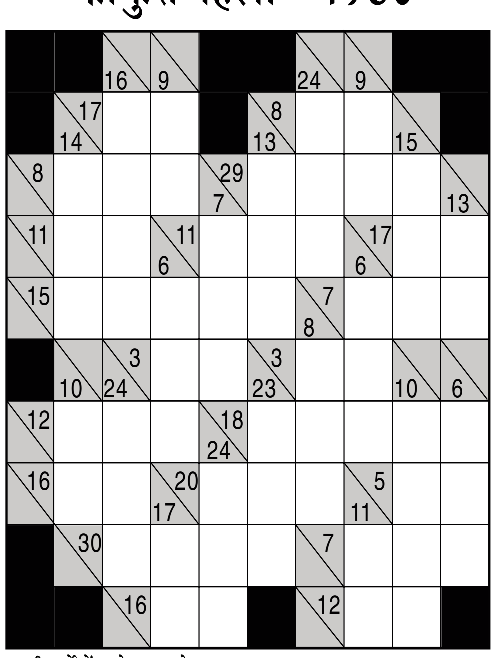

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

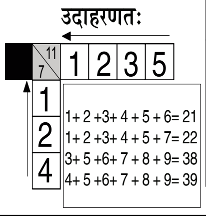

काकुरो - 1979 का हल

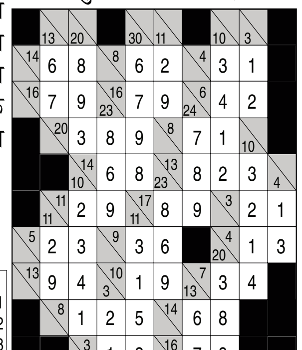

हंसी के फूव्वारें

मां: स्कूल कैसा लगा मुन्नी ?

मुन्नी: अच्छा तो लगा, पर वहां मास्टर साहब मुझसे वे ही सवाल पूछते हैं जिनका मुझे जवाब मालूम नहीं होता.

□ □ □

अध्यापक(राजेश से): गर्मियों में होने वाला कौन-सा फल खट्टा, मीठा और चटपटा होता है.

राजेश: सर, परीक्षाफल.

□ □ □

वकील: तो तुम जानते हो कि तुमने श्याम लाल के कान पर छुरा मारा था.

अभियुक्त: सरकार, कान पर तो भूल से लग गया मैं तो उसे उसके गले पर मारना चाहता था.

□ □ □

एक दोस्त: यार, इस मोटे लैंस के चश्मे में तुम बिलकुल उल्लू दिखाई देते हो.

दूसरा: अगर मैं चश्मा उतार दूं तो तुम मुझे बिलकुल गधे दिखाई दोगे.

□ □ □

एक बच्चे ने अपनी मां से जाकर पूछा- आखिर तुम मुझे स्कूल क्यों भेजती हो ?

तुम जैसे नटखट बच्चों को इंसान बनाने के लिए, मां ने कहा.

बच्चा झट से बोला-लेकिन मास्टरजी तो मुर्गा बनाते हैं.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1980

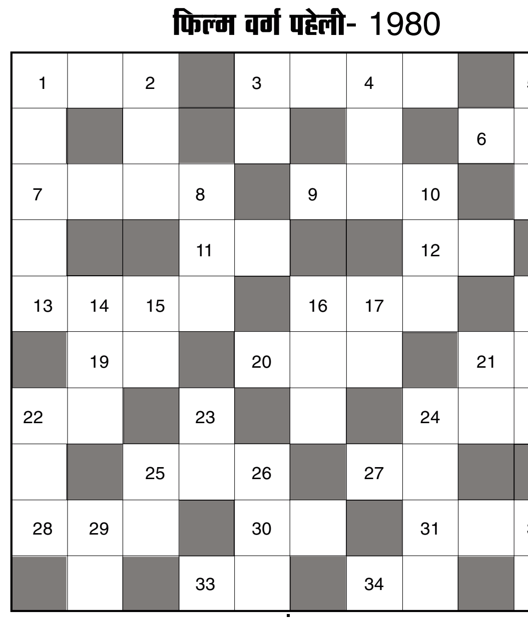

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1979

सूडोकु -1980

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1979 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 1980

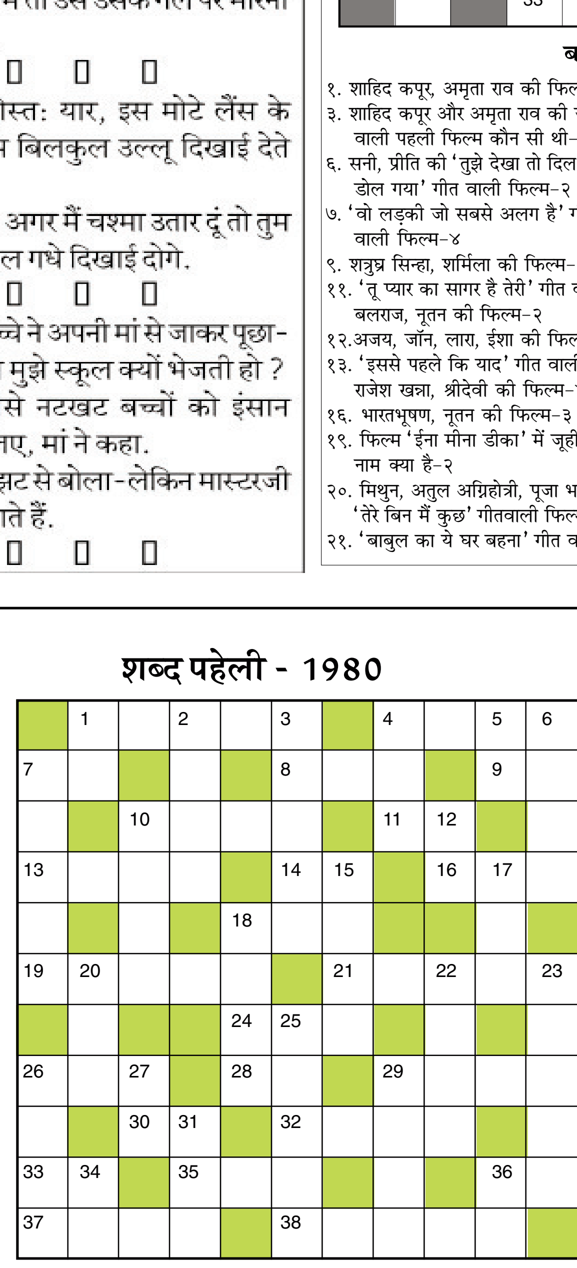

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली - 1979 का हल

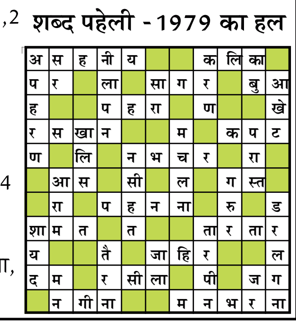

बेलडांगा हिंसा मामले में आरोपितों के पेश न होने पर एनआईए ने राज्य पुलिस पर उठाए सवाल

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में हुई हिंसा मामले में आरोपितों को कोलकाता के बैंकशाल कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। इस पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राज्य पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। एनआईए ने अदालत को बताया कि अब तक उन्हें केस डायरी भी नहीं सौंपी गई है। सुनवाई के दौरान एनआईए के वकील ने बताया कि आरोपित फिलहाल मुर्शिदाबाद जेल में हैं, लेकिन पर्याप्त पुलिस एस्कॉर्ट नहीं मिलने के कारण उन्हें अदालत में पेश नहीं किया जा सका। जेल सुपर ने जानकारी दी कि पुलिस सुपरिंटेंडेंट वाहन और सुरक्षा व्यवस्था नहीं करा सके, जिसके चलते आरोपितों को कोलकाता नहीं लाया जा सका। एनआईए ने अदालत को यह भी बताया कि जेल को पहले ही सुरक्षा व्यवस्था के साथ आरोपितों को पेश करने की सूचना दी गई थी। जेल प्रशासन ने राज्य पुलिस से एस्कॉर्ट मांगा था, लेकिन सहयोग नहीं मिला। एजेंसी का कहना है कि जांच अधिकारी केस डायरी के बिना जांच आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं। इस पर न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि क्या स्थानीय पुलिस के असहयोग के कारण आरोपितों को पेश नहीं किया जा सका। एनआईए ने इस पर सहमति जताई। इसके बाद अदालत ने आदेश दिया कि 12 फरवरी को आरोपितों को हर हाल में अदालत में पेश किया जाए। साथ ही राज्य पुलिस के जांच अधिकारी को उस दिन सशरीर अदालत में उपस्थित होकर कारण बताना होगा।

पर्यटन या भ्रमण स्थल नहीं है धार्मिक स्थानः आलोक कुमार

हरिद्वार। विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने हिंदू धार्मिक स्थलों में गैरहिंदू के प्रवेश निषेध का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल पर्यटन या भ्रमण के स्थल नहीं है। उन्होंने नवरात्र में होने वाले गरबा जैसे आयोजनों में भी गैर हिंदू के प्रवेश को अमान्य किया है। हरिद्वार प्रवास पर आए विहिप अध्यक्ष आलोक कुमार यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। आलोक कुमार ने कहा कि हिन्दू समाज के धार्मिक पूजा स्थलों एवं श्रद्धा केंद्रों की अपनी प्राचीन परंपराएं, मर्यादाएं एवं धार्मिक व्यवस्था होती हैं। मंदिर पर्यटन या भ्रमण के स्थल नहीं हैं, वहां भगवान की प्रतिष्ठा होती है और श्रद्धालु पूजा-अर्चना के उद्देश्य से वहां आते हैं। जिनका धर्म मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं रखता और मूर्ति को तोड़ने का आदेश देता हो अथवा जो मानते हो उन्हीं का भगवान, उन्हीं की पुस्तक से उन्हें मोक्ष मिलेगा, ऐसे संदर्भों में धार्मिक संस्थाएं अपनी परंपरागत व्यवस्था लागू कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने कहा कि नवरात्र के दौरान आयोजित गरबा केवल मनोरंजन का कार्यक्रम नहीं, अपितु माता अंबा की आराधना से जुड़ी धार्मिक परंपरा है। पारंपरिक रूप से इसे नंगे पैर एवं दीपज्योति के साथ देवी की आराधना के रूप में किया जाता है।

नसीरुद्दीन शाह के साथ जो हुआ वह कट्टरता हैः मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने एक्टर नसीरुद्दीन शाह से जुड़े एक मामले पर बयान दिया है। दरअसल, नसीरुद्दीन शाह को एक यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें नहीं बुलाया गया। हालांकि, कार्यक्रम के आयोजक ने बताया कि अभिनेता ने कार्यक्रम में शामिल होने से मना कर दिया है। दोनों तरफ से जारी आरोप-प्रत्यारोप के बीच मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने इसकी आलोचना की है। उनका कहना है कि अगर अभिनेता के साथ ऐसा हुआ है तो यह सांप्रदायिकता या कट्टरता की निशानी है। उन्होंने कहा, 'नसीरुद्दीन शाह भारत में एक जानी-मानी हस्ती हैं और अगर कोई कुछ कहता है तो उसे सुनना चाहिए। हर चीज को देशद्रोह के दायरे में नहीं लाया जा सकता है। देशद्रोह के दायरे में लाने की भी एक सीमा होती है। अगर किसी का बयान उस सीमा पर आता है तो वह आएगा। वरना, उसे जबरदस्ती नहीं लाया जा सकता है। यही भारत के संविधान की खूबसूरती और सुंदरता है। यही वजह है कि हर कोई सरकार के सामने आजादी से अपनी बात कहता है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर कोई सरकार की आलोचना करता है तो यह भी संविधान के दायरे में आता है।

जवाहरलाल नेहरू ने पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया, इतिहास झुठलाया नहीं जा सकता : पप्पू यादव

नई दिल्ली । भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और नेहरू-गांधी परिवार पर निशाना साधे जाने पर सांसद पप्पू यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नेहरू जी के योगदान को पूरी दुनिया जानती है और इतिहास को झुठलाया नहीं जा सकता। पप्पू यादव (राजेश रंजन) ने कहा, 'दुनिया को पता है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी सारी संपत्ति देश को दान कर दी थी। उन्होंने 11 साल जेल में बिताए और करीब 10 साल जमीन पर सोए। जिस दौर में देश का बजट लाखों में होता था, उस समय नेहरू जी ने भारत को ऊंचाइयों पर पहुंचाया।' उन्होंने आगे कहा कि आज अगर भारत दुनिया में एक मजबूत और सम्मानित देश है, तो उसमें नेहरू जी से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तक की अहम भूमिका रही है। राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार' कहे जाने और इस बयान को हरदीप सिंह पुरी द्वारा सिख समाज के अपमान से जोड़ने पर भी पप्पू यादव ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'हरदीप सिंह पुरी के चरित्र के बारे में सब जानते हैं। वे तीन-खैय्या घोषित हो चुके हैं। इन्हें सिख धर्म और उसके इतिहास की कोई जानकारी नहीं है।' पप्पू यादव ने कहा कि सिख समाज कभी भी गद्दार को स्वीकार नहीं करता और देश के लिए उनका बलिदान अतुलनीय है।

राज्यसभा में सत्तापक्ष-विपक्ष में तीखी नोकझोंक, नड्डा बोले- कांग्रेस को 'अबोध बालक' ने बनाया बंधक

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सभा की शुरुआत में जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लोकसभा में बोलने से रोका जा रहा है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालना नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि लोकसभा से जुड़े मामलों पर राज्यसभा में चर्चा नहीं की जा सकती।रिजिजू ने विपक्षी सदस्यों से सदन के नियमों और परंपराओं का पालन करने की अपील की। रिजिजू ने कहा, 'सदन के सभी सदस्य प्रधानमंत्री का भाषण सुनने के लिए इंतज़ार कर रहे हैं। अगर कांग्रेस सदस्य उनका भाषण नहीं सुनना चाहते, तो यह उनका निर्णय है, लेकिन वे दूसरों को सुनने से नहीं रोक सकते।' उन्होंने कहा कि लोकसभा में

विपक्ष के नेता राहुल गांधी सदन के नियमों का पालन नहीं करते। इसके बाद सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि 'राज्यसभा में विपक्ष के नेता को यह समझना चाहिए कि लोकसभा की कार्यवाही पर राज्यसभा में चर्चा नहीं की जा सकती। इस संबंध में पूर्व सभापतियों द्वारा फैसले दिए जा चुके हैं। अगर उन्हें चर्चा करनी है तो वे अपनी पार्टी के सदस्यों से लोकसभा में इस पर चर्चा करने को कहें। मैं कांग्रेस और देश को यह संदेश देना चाहता हूं कि मोदी सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। 'उन्होंने कहा, 'लोकसभा में उठाए गए सवालों का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह तैयार थे, लेकिन आपने सदन को चलने नहीं दिया। आपने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बयान की मांग की थी, जिस पर पीयूष गोयल ने बयान दिया। विपक्ष के नेता ने तय समय से 20 मिनट अधिक बोला, फिर भी हमने कहा कि आप और बोल सकते हैं। लोकतंत्र खतरे में है, ऐसा कहना गलत है और मैं इसकी निंदा करता हूं। एक मासूम बच्चे को बंधक बनाकर अपनी पार्टी को बंधक मत बनाइए। ' इस पर खरगे ने कहा कि संसद लोकसभा और राज्यसभा से मिलकर बनती है। हमारे संविधान के अनुसार दो सदन हैं लेकिन लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। वे देशहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना चाहते थे।

एचएएल ने वायु सेना को समय पर एलसीए मार्क-1ए की आपूर्ति करने का भरोसा दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने वायु सेना को समय पर एलसीए मार्क-1ए की आपूर्ति करने का भरोसा दिया है। आपूर्ति के लिए पांच तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान तैयार कर हैं, जिनके फायरिंग और मिसाइल ट्रायल्स पूरे हो चुके हैं। वायु सेना इन फाइटर जेट की आपूर्ति स्वीकार करने से पहले इस साल मई में 'कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट' की समीक्षा करेगी।

भारतीय वायु सेना ने एचएएल को दो किश्तों में 180 तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान के ऑर्डर दिए हैं। पहला ऑर्डर फरवरी 2021 में 83 लड़ाकू विमानों के लिए और दूसरा ऑर्डर पिछले साल सितंबर में 97 विमानों के लिए दिया गया था। एचएएल से दोनों सौदों के तहत वायु सेना को 141 लड़ाकू और 39 ट्रेनर विमान मिलने हैं। अभी तक एक भी विमान की आपूर्ति न होने पर वायु सेना प्रमुख कई मौकों पर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। इस बीच मई में पाकिस्तान के साथ ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भी स्वदेशी लड़ाकू विमान की जरूरत महसूस की गई थी। दरअसल, एचएएल से वायु सेना को पहले बैच की आपूर्ति मार्च 2025 तक होनी थी, लेकिन बाद में इस टाइमलाइन को बदलकर मार्च 2026 कर दिया गया। अब तक कोई अपडेट न मिलने से 31 मार्च की अंतिम समय सीमा तक आपूर्ति पर सवालिया निशान मंडरा रहा है, क्योंकि इसे अभी अपनी पहली उड़ान भरनी बाकी है। इस बीच एचएएल ने आज वायु सेना को भरोसा दिया है कि पांच एयरक्राफ्ट आपूर्ति के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

बंगाल विधानसभा में एसआईआर के खिलाफ टीएमसी का प्रस्ताव, स्पीकर ने चर्चा से किया इनकार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने इस मुद्दे पर सदन में किसी भी तरह की चर्चा की अनुमति देने से इनकार कर दिया, क्योंकि मामला फिलहाल उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा की मांग करते हुए आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव 2026 से पहले यह कवायद मतदाताओं के लिए व्यापक उत्पीड़न का कारण बन रही है। लेकिन स्पीकर ने स्पष्ट किया कि चूंकि मामला न्यायालय में लंबित है, इसलिए सदन में इस पर बहस नहीं हो सकती और चर्चा केवल राज्यपाल के अभिभाषण तक सीमित रहेगी। इस बीच विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सरकार पर बिजनेस एडवाइजरी कमिटी (बीएसी) के फैसले को अंतिम समय में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सुबह

बीएसी का जो निर्णय बताया गया था, उसे बाद में बदल दिया गया। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि हमें बताया गया था कि एसआईआर पर चर्चा होगी और हम उसी तैयारी के साथ आए थे। अब अचानक इसे बदल दिया गया। स्पीकर को सदन के सामने कार्यसूची रखनी चाहिए।

इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने नियम 169 के तहत एसआईआर के खिलाफ एक प्रस्ताव पढ़कर सुनाया, जिसे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन प्राप्त था। प्रस्ताव रखते हुए चट्टोपाध्याय ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के कारण मतदाताओं को परेशान किया गया और इस कवायद से जुड़े तनाव के चलते 107 लोगों की मौत हुई है।उन्होंने चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले आयोग 'उत्पीड़न का आयोग' बन गया है। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने प्रस्ताव को खारिज करते हुए दोहराया कि चूंकि यह मामला शीर्ष अदालत में लंबित है, इसलिए विधानसभा इस पर विचार नहीं कर सकती।विधानसभा चुनाव में अब तीन महीने से भी कम समय शेष है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 54 लाख के इनामी 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में गुरूवार को 54 लाख के इनामी 12 नक्सलियों ने पुलिस के आलाधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 08 महिला और 4 पुरुष कैडर के नक्सली शामिल हैं। इन्होंने 3 आटोमैटिक हथियार, कारतूस और विस्फोटक पुलिस को सौंपें।बीजापुर में सुरक्षाबलों के संयुक्त प्रयास से आज साउथ सब जोनल ब्यूरो से संबंधित कुल 54 लाख रूपये की इनामी 8 महिला और 4 पुरुष कैडर के 12 नक्सलियों, जिसमें डीवीसीएम-1 सदस्य, बटालियन नम्बर 1, कंपनी नम्बर दो-2, पीपीसीएम-1, एसीएम -2, पार्टी सदस्य-2, पीएलजीए सदस्य-4 ने 3 आटोमैटिक हथियार, कारतूस व विस्फोटक के साथ बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम, बीजापुर एसपी डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव, उप पुलिस महानिरीक्षक केरिपु ऑप्स बीजापुर सेक्टर बीएस.नेगी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस अवसर पर अतिरक्त पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन अमन कुमार झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीजापुर युलैण्डन यार्क, उप पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन सुदीप सरकार, उप पुलिस अधीक्षक, रोशन आहूजा और उप पुलिस अधीक्षक विशाल गर्ग भी मौजूद थे। नक्सलियों ने कहा कि अब उन्होंने हिंसा

और जनविरोधी विचारधारा का परित्याग कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। पुनर्वास प्रक्रिया के तहत प्रत्येक कैडर को प्रोत्साहन स्वरूप 50 हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई। बीजापुर जिले में 01 जनवरी 2024 से अब तक 888 नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं, 1163 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं और 231 नक्सली विभिन्न मुठभेड़ों में मारे गए हैं । आत्मसमर्पण करने वाले 12 नक्सलियों में-1. 42 वर्षीय सोमडू मड़कम, साकिन यमपुर सेण्ड्राबोरपारा थाना पामेड़ जिला बीजापुर पद-दरभा डीविजन डीव्हीसीएम(कटेकल्याण एरिया कमेटी इंचार्ज), घोषित इनामी राशि 8 लाख रूपये, एके-47 हथियार और 1 मैग्जीन के साथ पुनर्वास।2. 19 वर्षीय हुंगी कुंजाम, साकिन बडेसुंकनपल्ली स्कूलपारा थाना बासागुडा जिला बीजापुर, पद-बटालियन नं. 1 पार्टी सदस्या, घोषित इनामी राशि 8 लाख रूपये।3. 22 वर्षीय पायकी कुंजाम, साकिन टेकमेटा ओड़सापारा थाना उसूर जिला बीजापुर, पद-कंपनी नं. 2 पार्टी सदस्य, घोषित इनामी राशि 8 लाख रूपये ।

सनातन संस्कृति से भारत की पहचानः आरिफ मोहम्मद

एजेंसी

हरिद्वार। हरिद्वार में चल रहे स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज श्रीविग्रह मूर्ति स्थापना समारोह के दूसरे दिन धर्मसभा एवं संत सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में देश के संतों, राजनेताओं तथा सामाजिक संगठनों ने गुरुदेव के जीवन-दर्शन, सनातन धर्म की समन्वय परंपरा तथा राष्ट्र निर्माण में आध्यात्मिक मूल्यों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि संतों के आशीर्वाद और पुरुषार्थ से हमे रामजन्म भूमि की प्राप्ति हुई। कृष्ण जन्म भूमि और काशी विश्वनाथ का मामला कोर्ट में है। हो सकता है कि कुछ वर्ष लगें, हम दोनों मामले जीत जाएंगे। तब हम आप सभी को निमंत्रण देने की स्थिति में हो जाएंगे। यह शताब्दी वर्ष हिंदुत्व के जागरण और हिन्दू की शताब्दी का वर्ष है।

संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि पूरे विश्व में भारत की धरती को देवत्व प्राप्त है। अध्यात्म की दीक्षा इसी धरती से प्राप्त हुई है, यहां की हर नदी, सरोवर व मंदिर पवित्र हैं। यह हमारे संस्कार ही हैं कि हम भवन निर्माण और कुछ

निर्माण करने से पहले भूमि पूजन करते हैं, मां धरती माता से अनुमति लेते हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि संतों के मार्गदर्शन में देश आगे बढ़ रहा है। सनातन संस्कृति में भेदभाव नहीं है। सनातन में एकता है समाज का कल्याण है। हमारी सनातन संस्कृति मानव पोषक रही है। इस संस्कृति को युवा और महिला शक्ति से जोड़ने पर काम होना चाहिए। पिछले 12 वर्षों में भारत दुनिया की सबसे तेज गति से विकास करने वाले देशों में शामिल है। भारत विश्व की चौथी अर्थ शक्ति बना है। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि संतों का सान्निध्य जीवन के दुखों का समाधान है। भारत की पहचान सनातन संस्कृति से है। शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठ देश की आध्यात्मिक एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि परमात्मा एक है, उसकी अभिव्यक्ति विभिन्न आस्थाओं के माध्यम से होती है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि हरिद्वार में गंगा तट पर स्थित भारत माता मंदिर देश की सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 2027 के कुंभ मेले की तैयारियाँ की जा रही हैं और महाराज जी का जीवन निरंतर सद्कर्म और साधना से प्रेरित रहा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज सनातन संस्कृति और राष्ट्र चेतना के प्रतीक थे।

इससे पहले जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में निरंजन पीठाधीश्वर राजराजेश्वराश्रम महाराज, योगगुरु बाबा रामदेव, आचार्य प्रमोद कृष्णन, ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी, महंत ज्ञानदेव शास्त्री, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद महाराज, निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोखानंद भारती व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ओडिशा के जाजपुर में चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस की तीन बोगियां पटरी से उतरीं, कोई हताहत नहीं

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के जाजपुर जिले में जखपुरा रेलवे स्टेशन के पास सुबह चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, हादसे के समय ट्रेन की गति काफी धीमी थी। ट्रेन संख्या 22611, जो चेन्नई सेंट्रल (एमएएस) से न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) के बीच संचालित होती है, जखपुरा यार्ड सीमा के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हुई। रेलवे सूत्रों ने बताया कि एक एसी कोच और दो सामान्य कोच पटरी से उतरे। इस घटना में किसी भी यात्री के हताहत या घायल होने की कोई सूचना नहीं है। साथ ही, इस खंड में यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित नहीं हुआ। रेलवे सूत्रों ने बताया कि प्रभावित बोगियों को अलग किया जा रहा है और उनमें सवार यात्रियों को वैकल्पिक रूप से समायोजित किया गया है। यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बोगियों की व्यवस्था कर उन्हें आवश्यकता अनुसार ट्रेन में जोड़ा जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही भुवनेश्वर और खुर्दा रोड से दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) को सुबह 08:53 बजे रवाना किया गया। इसके अलावा खुर्दा रोड से दुर्घटना राहत चिकित्सा उपकरण (एआरएमई) भी घटनास्थल के लिए भेजे गए। भद्रक से एक बचाव दल भी मौके के लिए रवाना हुआ। वरिष्ठ रेलवे अधिकारी घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंच गए और बहाली एवं सुरक्षा संबंधी कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

मप्र के सिंगरौली में सात समंदर पार से आई दुल्हन, फ्रांस की शार्लोट ने संदीप संग लिए सात फेरे

एजेंसी

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली में पंचखोरा रोड पर सात समंदर पार फ्रांस से आई दुल्हन शार्लोट ओलानियां ने भारतीय युवक संदीप कुमार सिंह के साथ हिंदू परंपरा के अनुसार सात फेरे (विवाह) लिए। इस अनोखे विवाह समारोह को देखने के लिए शहरवासियों में भारी उत्सुकता देखी गई।

सिंगरौली जिला मुख्यालय में बैढ़न स्थित होटल हेरिटेज पैलेस में हिंदू रीति-रिवाजों से हुए इस विवाह ने विदेशी सैलानियों का मन मोह लिया। यहां आज सिंगरौली निवासी संदीप कुमार सिंह पुत्र स्व.रमेश प्रसाद सिंह का विवाह फ्रांस के ओलां निवासी शार्लोट ओलानियां के साथ हुआ। संदीप कुमार सिंह वर्तमान में बेल्जियम में नौकरी कर रहे हैं। वहीं उनकी मुलाकात फ्रांस के ओलां शहर की रहने वाली शार्लोट से हुई। दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और जल्द ही यह दोस्ती प्यार में बदल गई। लगभग दो साल तक एक-दूसरे को समझने के बाद दोनों ने जीवन भर साथ निभाने का फैसला किया। संदीप शुरू से ही चाहते थे कि उनका विवाह उनकी अपनी संस्कृति और परंपराओं के अनुसार हो, जिसे शार्लोट ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। एक दिन पहले

यानी बुधवार 4 फरवरी को हेरिटेज पैलेस में हल्दी की रस्म से हुई। इस अवसर पर लगभग आधा सैकड़ा फ्रांसीसी नागरिकों ने पीले वस्त्र धारण कर हेरिटेज पैलेस होटल में परिवार के सदस्यों के साथ दूल्हा-दुल्हन को हल्दी का लेप लगाया, जो सौंदर्य, पवित्रता, सुरक्षा और वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद का प्रतीक है। इस दौरान फ्रांसीसियों ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता का विशेष सम्मान करते हुए सारी रस्म मंत्रोचारण के साथ सम्पन्न कराया। संदीप और शार्लोट के विवाह की रस्में पूरी तरह भारतीय अंदाज में निभाई गईं। दुल्हन शार्लोट के हाथों में जब पारंपरिक डिजाइन वाली मेहंदी सजी, तो उनकी खुशी देखते ही बन रही थी। शार्लोट ने बताया कि वे बचपन से ही भारत और यहां की संस्कृति के बारे में सुनती आई थीं, लेकिन यहां आकर दुल्हन बनना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। इस शादी की खास बात यह रही कि दुल्हन के साथ उनके परिवार और रिश्तेदारों के करीब 25 लोग फ्रांस से सिंगरौली पहुंचे। रात में पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच अग्नि के फेरे लेकर दोनों ने शादी की रस्में पूरी कीं।

उप्र में प्रतिबंधित चीनी मांझे के उपयोग पर सरकार सख्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हैदरगंज में चीनी मांझे से एक युवक की गर्दन कटने से हुई मौत की घटना को शासन ने गंभीरता से लेते हुए इस पर पहले से लगे प्रतिबंध को कड़ाई के साथ लागू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में सख्त रुख अख्तियार करते हुए इससे मौत होने पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने का भी आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को प्रदेश भर में बड़े पैमाने पर छापेमारी और अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। यह फैसला लखनऊ में एक दिन पहले हुई घटना के बाद लिया गया है। बुधवार शाम को हैदरगंज ओवरब्रिज के पास बाइक से जा रहे 33 वर्षीय मोहम्मद शोएब निवासी दुबग्गा के गले में अचानक चीनी मांझा फंसने से उनकी गर्दन की नसें कट गयीं, जिससे खून से लथपथ होकर वे बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े और करीब 10 मिनट तक तड़पते रहे। राहगीरों ने उन्हें तुरंत ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस हादसे से इलाके में भारी आक्रोश फैल गया और लोग प्रतिबंधित मांझे की खुलेआम बिक्री पर सवाल उठाने लगे।

छत्तीसगढ़ ने देश में सर्वाधिक पांच लाख प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण पूर्ण किया

एजेंसी

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर सुशासन, दृढ़ इच्छाशक्ति और परिणामोन्मुख प्रशासन का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में मात्र 10 माह 4 दिवस की अवधि में छत्तीसगढ़ में देश में सर्वाधिक 5 लाख प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। शासन ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की पहली ही बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। निर्णय के परिपालन में राज्य के सभी जिलों के सतत, संगठित एवं अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि योजना के प्रारंभ से अब तक पहली बार छत्तीसगढ़ ने किसी एक वित्तीय वर्ष में 5 लाख आवासों के निर्माण का रिकॉर्ड कायम किया है।

मानसून अवधि सहित औसतन प्रतिदिन 1,600 से अधिक आवासों का निर्माण कर राज्य ने समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और लक्ष्यबद्ध कार्य निष्पादन की नई मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिलों की सक्रिय भागीदारी और स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक कार्य संस्कृति इस उपलब्धि का मजबूत आधार बनी है। इस क्रम में बिलासपुर जिले में 29 हजार 235, महासमुंद में 27 हजार 224, बलरामपुर में 27 हजार 12, कोरबा में 26 हजार 839 तथा रायगढ़ जिले में 26 हजार 707 आवासों का निर्माण पूर्ण कर इन जिलों ने राज्य की समग्र उपलब्धि में अग्रणी भूमिका निभाई है। इसके अतिरिक्त मस्तूरी, आरंग, डभरा, बिल्हा, पाली एवं जैजैपुर जनपद पंचायतों द्वारा भी 7,500 से अधिक प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण कर उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आवास निर्माण के साथ-साथ आजीविका सृजन को भी समान प्राथमिकता दी गई है। महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हजारों महिलाओं ने सीएलएफ बैंक से ऋण लेकर निर्माण सामग्री आपूर्ति का कार्य प्रारंभ किया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। इस पहल के परिणामस्वरूप 8,000 से अधिक महिलाएँ 'लखपति दीदी' के रूप में आत्मनिर्भर बनकर उभरी हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को कौशल से जोड़ने के उद्देश्य से राजमिस्त्री प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक जिलों में स्थित आरसेटी के माध्यम से 6,000 से अधिक हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें 960 से अधिक महिलाएँ तथा 292 से अधिक आत्मसमर्पित नक्सली शामिल हैं। य

आवास हितग्राहियों की निजी भूमि पर महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत आजीविका संवर्धन हेतु विभिन्न कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनके तहत वर्तमान में प्रदेश में 10,000 से अधिक आजीविका डबरियों का निर्माण प्रगतिरत है।

इस प्रकार छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से न केवल आवासों का तीव्र गति से निर्माण सुनिश्चित किया जा रहा है, बल्कि इनके साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर भी सृजित किए जा रहे हैं, जो राज्य के समावेशी, संतुलित एवं सतत विकास को सुदृढ़ आधार प्रदान कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की पहचान इनामी उधम सिंह के रूप में हुई

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मारे गए नक्सली की पहचान आठ लाख के इनामी उधम सिंह के रूप में हुई है। वह कोत्तागुड़ा थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर निवासी था और दक्षिण बस्तर डिवीजन में डीवीसीएम कैडर का यह नक्सली प्लाटून नम्बर 13 का इंचार्ज था। बीजापुर जिले के थाना तर्रेम के जंगल में आज सुरक्षाबलों और नक्सलियों की मुठभेड़ में एक नक्सली का शव और एके-47 हथियार मौके से बरामद किया गया थाद्य उधम सिंह का यह इनामी नक्सली वर्ष 2002-03 में संगठन में पार्टी सदस्य के रूप में शामिल हुआ था । संगठन में शामिल होने के बाद से छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा में सक्रिय रूप से कार्य किया। वगत 3 वर्ष से वह पामेड़ एरिया कमेटी में सक्रिय रहा है। उस पर अलग-अलग थानों में मारे गये नक्सली उधम सिंह के विरूद्ध कुल 9 अपराधिक मामले पंजीबद्ध है । मुठभेड़ स्थल से मारे गये नक्सली के शव के साथ 1 नग एके 47, दो नग मैग्जीन, 28 राउण्ड, कार्डेक्स वायर, वायरलेस सेट, मोबाईल, पोच, पिटठू, टिफिन बैग एवं अन्य नक्सली सामग्री बरामद हुई है। पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के थाना तर्रेम क्षेत्रान्तर्गत जंगल पहाडों में दक्षिण बस्तर डिवीजन के डीव्हीसीएम उधम सिंह एवं अन्य सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर डीआरजी-कोबरा की संयुक्त टीम द्वारा सर्च अभियान पर रवाना किया गया था। अभियान के दौरान गुरूवार सुबह से डीआरजी बीजापुर की सयुंक्त टीमों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से डीवीसीएम उधम सिंह का शव ऑटोमैटिक हथियार-एओ 47 सहित विस्फोटक सामग्री और माओवादी सामग्री मौके से बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में बीजापुर जिले में हुए अलग-अलग मुठभेड़ों में 163 नक्सली को मार गिराने में सुरक्षा बलों को सफलता मिली है । वर्ष 2026 में 11 नक्सली ढेर हुए हैं । इस प्रकार जनवरी 2024 से अब तक जिले में चलाये गये नक्सल विरोधी अभियान में कुल 232 नक्सली मारे गये, 1163 नक्सली गिरफ्तार हुए और 888 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए।

टी20 विश्वकप में आज अमेरिका पर जीत के साथ अपना अभियान शुरू करने उतरेगी भारतीय टीम

मुंबई (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम शनिवार को यहां टी20 विश्वकप के अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 4-1 से जीत दर्ज की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। भारतीय टीम के पास अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसी आक्रामक जोड़ी हैं। तिलक वर्मा की वापसी से भी टीम की बल्लेबाजी मजबूल हुई है। वहीं टीम की गेंदबाजी अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती पर आधारित रहेगी। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस साल की शुरुआत से ही फार्म में आ गये हैं जिसका भी लाभ टीम को मिलेगा। ईशान किशन ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पिछले कुछ समय में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। ईशान और अभिषेक शर्मा की जोड़ी भारतीय टीम को धमाकेदार शुरुआत दे सकती है।

टीम के पास हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे ऑल राउंडर हैं। रिंकू सिंह का फार्म में होना भी टीम के लिए सकारात्मक बात है। गेंदबाजी में बुमराह का साथ देने के लिए अर्शदीप सिंह भी हैं। हर्षित राणा हालांकि चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं रहेंगे। टीम के पास कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है।

भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इसके बाद भी वह अमेरिकी टीम को हल्के में नहीं लेगी। अमेरिकी टीम ने पिछली बार पाकिस्तान हराने के बाद सुपर आठ में भारतीय टीम को भी कड़ी टक्कर दी थी। अमेरिकी टीम ने पिछले साल 9 में से आठ मैच

जीते हैं और टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंका में तीन सप्ताह के शिविर में भाग लिया है। ऐसे में उसे कमजोर नहीं माना जा सकता। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। अमेरिकी टीम की कप्तानी भारतीय मूल के मोनांक पटेल के पास है। उन्हें साइतेजा मुक्कमल्ला तथा मिलिंद कुमार से पूरा सहयोग मिला। वहीं गेंदबाजी में सौरभ नेत्रावलकर, हरमीत सिंह जैसे खिलाड़ी हैं।

टीम इस प्रकार है

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

अमेरिका : मोनांक पटेल (कप्तान/विकेटकीपर), स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, एंड्रीज़ गौस, मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, निश्थुश केनजिगे, सौरभ नेत्रावलकर और अली खान।

मंधाना को डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी के साथ ही मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

वडोदरा (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दूसरी बार खिताब जीता है। इस जीत के दौरान मंधाना ने 87 रनों की आक्रामक पारी खेली जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। आरसीबी ने इससे पहले 2024 में डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता था। आरसीबी को विजेता बनने पर 6 करोड़ का इनाम मिला। वहीं चौथी बार फाइनल में उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ का इनाम मिला। इसके अलावा स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और सोफी डिवाइन को भी पांच-पांच लाख रुपये की इनामी राशि मिली है। मंधाना ने लीग में सबसे अधिक 377 रन बनाये। वहीं सोफी डिवाइन ने 17 विकेट के साथ पर्पल कैप जीती। युवा खिलाड़ी नंदनी शर्मा ने भी 17 विकेट लिए, जिसके लिए उस भी उभरती हुई खिलाड़ी का इनाम मिला। सोफी को मोस्ट वेल्यूएबल प्लेयर और मोस्ट आईक्यू ऑफ द ईयर का इनाम मिला। नंदनी को साल की इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला। मुम्बई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस साल लीग में सबसे ज्यादा छक्के लगाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत पर 6 करोड़ की ईनामी राशि मिली जबकि उपविजेता दिल्ली को 3 करोड़ रुपये मिले। फेयर प्ले अवार्ड के तौर पर मुम्बई को पांच लाख का इनाम मिला है।

डब्ल्यूपीएल में सभी खिलाड़ियों को पांच लाख के इनाम दिये गये हैं। वहीं मैन ऑफ द मैच के लिए मंधाना हो ढाई लाख रुपये मिले हैं।

12 फरवरी के बाद भारत से खेलने तैयार हो जाएगा पाक : चेतन शर्मा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन शर्मा ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) 12 फरवरी के बाद भारत से खेलने को तैयार हो जाएगा। चेतन के अनुसार पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का विश्वकप बहिष्कार का फैसला राजनीतिक है और इसमें बदलावा आना तय है। चेतन का ये बयान हैरानी भरा लगा है क्योंकि गत दिवस ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने साफ कर दिया कि उनकी टीम टी20 विश्वकप में खेलेगी पर भारतीय टीम के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को अब भी उम्मीद है कि पाकिस्तान के रुख में बदलाव होगा क्योंकि मैच न खेलने उसपर प्रतिबंध सहित कई अन्य प्रकार की कार्रवाई की जा सकती है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के विरोध में विश्वकप से नाम वापस लिया है। चेतन ने कहा, 'बांग्लादेश के खिलाड़ियों की क्या गलती थी? कोई नहीं। ये सब राजनीति है. बांग्लादेश में 12 तारीख को चुनाव हैं। उसके बाद आप देखेंगे इस सामले में फैसला पलटेगा। पाक से एक बयान आएगा, जिसमें कहा जाएगा कि जनता की भावना को देखते हुए पाक टीम भारत से खेलेगी क्योंकि खेल को नुकसान नहीं होना चाहिये।' अभी का कड़ा रुख केवल बांग्लादेश चुनाव के कारण है। चुनाव के बाद शायद सेना प्रमुख भी कह दें कि खेल को राजनीति से दूर रखना चाहिए और मैच होना चाहिए।÷चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन ने कहा कि बहिष्कार से सबसे अधिक नुकसान पाकिस्तान के खिलाड़ियों को हो रहा है। उन्होंने कहा, ÷ पाक बोर्ड ने अभी तक आईसीसी को कुछ भी औपचारिक रूप से नहीं बताया है। इस मामले से खिलाड़ी संश मे हैं।÷ वहीं पीसीबी जो भी करे, भारतीय टीम इस मैच के लिए तय समय पर कोलंबो पहुंचेगी। भारतय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी साफ कर दिया कि टीम कोलंबो जाएगी और मैच खेलेगी। उन्होंने कहा, 'हमारा रुख साफ है हमने खेलने से इंकार नहीं किया। आईसीसी ने जो कार्यक्रम तय किया है। हम उसका पालन करेंगे।÷ पाक टीम ये मैच नहीं खेलती है तो भारतीय टीम को वाकओवर के तौर पर दो अंक मिल जाएंगे।

बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, सीएम नीतीश कुमार ने की तारीफ, सहवाग भी हुए गदगद

हरारे (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी की 80 गेंदों पर खेली गई 175 रनों की विशाल पारी की बदौलत भारतीय अंडर-19 पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड के सामने 412 रनों का विशाल लक्ष्य रखा है। इस शानदार प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव सूर्यवंशी को बधाई दी है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि आज अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे मैच में बिहार के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों में 175 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया है। वे अपनी मेहनत और प्रतिभा के बलबूते भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बन गए हैं। मेरी शुभकामना है कि वैभव भविष्य में भारतीय टीम के लिए नया कीर्तिमान रचें और देश का नाम रौशन करें।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लिखा कि बिहार की शान, भारत का गौरव - वैभव सूर्यवंशी! अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में 175 रनों की शानदार पारी खेलकर आपने न केवल बिहार का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे देश को गर्व से सराबोर कर दिया है। आपकी मेहनत, लगन और प्रतिभा ने यह साबित कर दिया कि

बिहार के युवा किसी से कम नहीं हैं। आप हमारे लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। आपको इस शानदार उपलब्धि के लिए ढेरों बधाई एवं शुभकामनाएं! आगे भी ऐसे ही देश और प्रदेश का मान बढ़ाते रहें।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने लिखा कि बिहार का लाल वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे फाइनल मुकाबले में 80 गेंदों में 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर न सिर्फ हाईएस्ट स्कोर बनाया, बल्कि एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने और 55 गेंदों में सेकंड फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। बिहार से निकलकर

पूरी दुनिया में अपना नाम चमका रहा है

उन्होंने आगे कहा कि यह प्रदर्शन बिहार के युवाओं के लिए प्रेरणा है और यह संदेश भी कि प्रतिभा और मेहनत से बिहार का बेटा दुनिया में पहचान बना सकता है। वैभव आगे भी इसी तरह क्रिकेट के लिए नए कीर्तिमान रचें और बिहार एवं देश का गौरव बढ़ाते रहें। उनकी इस शानदार पारी के बाद, पूर्व क्रिकेटरों ने तुरंत उनकी उपलब्धि को सराहा और सोशल मीडिया पर अलग-अलग पोस्ट के जरिए उन्हें बधाई दी। इनमें वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, इयान बिशप और माइकल वॉन शामिल थे।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने X पर एक पोस्ट में सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों में 175 रन बनाए। 15 चौके + 15 छक्के - बराबर चौके, बराबर छक्के, बराबर तबाही। सूर्यवंशी = सूर्य वंश से जन्मे। आज उन्होंने बिल्कुल सूर्यवंशी की तरह बल्लेबाजी की! धधकते हुए। बेकाबू। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने हर संभव कोशिश की। लेकिन आप सूर्य को नहीं रोक सकते। भारतीय क्रिकेट पर सूर्य उदय हो गया है! यह भविष्य की एक झलक है।'

मंधाना ने बुखार के बाद भी खेली डब्ल्यूपीएल की सबसे अच्छी पारी : कोच रंगराजन

वडोदरा (ईएमएस)।आरसीबी के कोच मलोलन रंगराजन ने कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार बल्लेबाजी की सराहना की है।कोच ने कहा कि मंधाना ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) फाइनल की अब तक की सबसे अच्छी पारी खेली है।इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स से मिले 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना ने 41 गेंदों में 87 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से भी अधिक रहा।मंधाना ने अपनी इस पारी में 12 चौके और 3 छक्के लगाए।यह इस टूर्नामेंट के फाइनल की अब तक की सबसे आक्रामक पारी रही है।मंधाना की ये पारी इसलिए भी विशेष है कयोंकि ये उसने बीमार होने के बाद भी खेली।मंधाना को इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला है।

कोच रंगराजन ने कहा कि मंधाना ने डब्ल्यूपीएल फाइनल में अपनी सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली।रंगराजन ने कहा कि मंधाना ने तेज़ बुखार से पीड़ित होने के बाद भी अच्छी पारी खेली।उन्होंने इसका प्रभाव अपनी पारियों पर नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मंधाना ने अपनी सबसे अच्छी पारियों में से एक फाइनल के लिए बचाकर रखी थी।मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि हां, वह पिछले 12 महीनों से बहुत अच्छी फॉर्म में रही हैं।वह गेंद को अपने हिसाब से खेल रहीं थीं।मंधाना और जॉर्जिया के अर्धशतक और दोनों के बीच हुई शतकीय साझेदारी से आरसीबी ने डब्लयूपीएल फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया।

चोटिल हर्षित राणा की जगह इस भरोसेमंद खिलाड़ी को मिली भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह

मुंबई।भारत के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में घुटने की चोट के कारण शुक्रवार को टी20 विश्व कप से बाहर होना पड़ा और सूत्रों के मुताबिक उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है।कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इससे पहले स्वीकार किया था कि इस 24 साल के गेंदबाज की स्थिति अच्छी नहीं लग रही।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार राणा की जगह टीम में साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया है।सूर्यकुमार की बातों से पहले ही लगा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल इस गेंदबाज के लिए समय पर ठीक होना मुश्किल है।भारतीय टीम विश्व कप में अपना अभियान शनिवार को अमेरिका के खिलाफ शुरू करेगी।सूर्यकुमार ने शुक्रवार को मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'राणा को अभी बाहर नहीं किया गया है, हमारे फिजियो उनका आकलन कर रहे हैं, लेकिन उनके चोट की स्थिति अच्छी नहीं लग रही है।' सूर्यकुमार यादव ने हालांकि इसे ज्यादा बड़ी समस्या नहीं माना था।उन्होंने कहा, 'चिंता की बात नहीं है, हमारे पास कल (शनिवार) के लिए 11 खिलाड़ी हैं।यह हालांकि निश्चित रूप से एक बड़ा झटका होगा क्योंकि 15 खिलाड़ियों की टीम बहुत सोच-विचार के बाद बनाई जाती है और उसे भी काफी सोच-विचार के बाद ही शामिल किया गया था।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'वह अगर उपलब्ध नहीं होते हैं, तो हम अलग-अलग संयोजन अपनाएंगे।हमारे पास इस टूर्नामेंट में सभी टीम के खिलाफ खेलने के लिए पर्याप्त खिलाड़ी और संयोजन मौजूद हैं।वह अगर उपलब्ध नहीं होते हैं, तो हमें उनकी कमी निश्चित रूप से खलेगी।' राणा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में केवल एक ओवर डाला जिसमें उन्होंने 16 रन दिए और उसके बाद घुटने की चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए।राणा हालांकि भारत की शुरुआती एकादश का हिस्सा नहीं थे।उनका 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय में इकोनॉमी रेट भी 10.60 का है। वह हालांकि विशिष्ट परिस्थितियों में एक उपयोगी विकल्प साबित हो सकते थे।वह निचले क्रम में भी बल्ले से योगदान देने में सक्षम है। इसके साथ ही हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर भी मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से जूझ रहे हैं।

हेजलवुड टी20 विश्व कप से बाहर हुए: सीए

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 विश्वकप से पहले ही करारा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार हेजलवुड को टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण बाहर कर दिया गया है। हेजलवुड को एशेज सीरीज शुरू होने से पहले ही शेफील्ड शील्ड के अंतिम मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल सके। रिकवरी के दौरान उन्हें एड़ी में भी समस्या हो गई, जिससे उनकी वापसी अभी संभव नहीं है। हेजलवुड पिछले साल 12 नवंबर के बाद से से ही मैदान से बाहर हैं। इसके बाद भी उन्हें विश्व कप तक फिट होने की उम्मीद में टीम में शामिल किया गया था हालांकि वह टीम के साथ श्रीलंका नहीं गये थे। वहीं अब चयनकर्ताओं ने कहा है कि उन्हें पूरी

तरह से फिट होने में समय लगेगा।

चयनकर्ता टोनी डोडमाइड ने कहा, हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 स्टेज तक मैच फिटनेस हासिल कर लेंगे पर इसमें उन्हें अभी कुछ समय लगेगा। अभी अगर उन्हें उतारा जाये तो ये नुकसानदेह होगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हालांकि अभी हेजलवुड की जगह किसी नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा नहीं की है। चयनकर्ताओं का कहना है कि शुरुआती मैचों के लिए टीम संतुलित है और आगे टूर्नामेंट की जरूरत और हालातों के हिसाब से फैसला होगा। हेजलवुड टी20 के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उना रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने 2021 में यूएई में हुए टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 रन देकर 3 विकेट लिए थे। उन्होंने 20.44 की औसत और 7.57 की इकॉनमी रेट से 133 विकेट लिए हैं। ऐसे में उनकी कमी पूरी करना संभव नहीं होगा।

हेजलवुड के अलावा तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी चोटिल हैं। ऐसे में युवा ज़ेवियर बार्टलेट और बेन ड्वार्शुइस को टीम में रखा गया है। इसके अलावा ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर सीन एबॉट शामिल किये गये हैं जो हेजलवुड की जगह ले सकते हैं।

वहीं अन्य खिलाड़ियों की बात करें तो नाथन एलिस और टिम डेविड ग्रुप चरण के लिए शामिल रहेंगे। ये दोनो भी हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे थे। वहीं स्पिनर एडम ज़म्पा के भी अगले सप्ताह कोलंबो में होने वाले पहले मैच से पहले फिट होने की संभावनाएं हैं। विश्वकप में टीम की कप्तानी मिचेल मार्श संभाल रहे हैं।

नेपाल के दीपेंद्र के नाम है टी20 में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

मुम्बई।आईसीसी टी20 विश्वकप में रोहित पौडेल की कप्तानी में नेपाल की टीम उतरेगी।नेपाल को विश्व कप लिए ग्रुप-सी में रखा गया है।इस ग्रुप में इटली, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड की टीमें शामिल है।नेपाली टीम अपने चारों लीग मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेलेगी।उसका शुरुआती मुकाबला 8 फरवरी को इंग्लैंड से होना है।इसके बाद उसे इटली, वेस्टइंडीज का मुकाबला करना है।नेपाल की टीम के बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड दीपेंद्र के नाम है।दीपेंद्र ने हांगझोउ एशियन गेम्स 2023 में मंगोलिया के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में केवल 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।जो इस बार भी टूटना असंभव है।दाएं हाथ के बैटर दीपेंद्र के नाम टी20 मैच के दौरान एक ओवर में छह छक्के जड़ने का भी रिकार्ड है।टी20 अंतरराष्ट्रीय में नेपाल की ओर से सबसे अधिक रनों का रिकार्ड भी इस खिलाड़ी के नाम है।दीपेंद्र ने 90 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 32.06 के औसत से 1956 रन बनाये हैं।इस दौरान उन्होंने एक शतक और 10 अर्धशतक बनाये।इनके बाद कुशल भुरतेल और आसिफ शेख हैं, जिन्होंने अबतक 70 और 68 मैचों में क्रमश- 1807 एवं 1639 रन बनाए हैं।

मंगोलिया के खिलाफ उस मुकाबले में नेपाल ने तीन विकेट पर 314 रन बनाए थे, जो तब टी20 अंतररष्ट्रीय का सबसे बड़ा स्कोर था हालांकि जिम्बाब्वे ने अक्टूबर 2024 में गाम्बिया के खिलाफ 344/4 का स्कोर बनाकर ये रिकॉर्ड तोड़ दिया था।गेंदबाजों की बात करें तो स्पिनर संदीप लामिछाने टी20 इंटरनेशनल में नेपाल के सबसे सफल गेंदबाज हैं।संदीप ने 67 टी20 अंतररष्ट्रीय मैचों में 12.05 की औसत से 129 विकेट लिए है।नेपाली टीम ने अब तक 112 टी20 अंतररष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिसमें उसने 65 में जीत हासिल की जबकि 41 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा।नेपाल की टीम टीम टी20 में वेस्टइंडीज, आयरलैंड और नीदरलैंड्स को भी हरा चुकी है!

चीन से हारकर भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप से बाहर

किंगदाओ (एजेंसी)। पिछली चैम्पियन भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को दूसरे दर्जे की चीन की टीम से 0-3 से हारकर बाहर हो गई।भारत ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा।टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जिसे एकतरफा मुकाबले में 9-21, 9-21 से हार गई।गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने जुझारू खेल दिखाया लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यि फान और झांग शू शियान से 22-24, 18-21 से पराजय का सामना करना पड़ा। रक्षिता रामराज दूसरे एकल में शू वेन जिंग से 70 मिनट के मुकाबले में 14-21, 21-15, 17-21 से हार गई।भारत ने टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में म्यामांर को 5-0 से हराया था लेकिन थाईलैंड से 2-3 से हार गई थी।भारतीय पुरूष टीम क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया से खेलेगी।

टी20 विश्व कप के लिए अंपायिंग पैनल में रहेंगे गावस्कर, शास्त्री, सहित कई दिग्गज

दुबई।भारत और श्रीलंका में शनिवार से शुरु हो रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए कमेंट्री पैनल की घोषणा कर दी गयी है।इसमें भारत से सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री, रॉबिन उथप्पा, दिनेश कार्तिक और हर्षा भोगले रहेंगे।इसके अलावा कमेंट्री पैनल में ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच, श्रीलंका के कुमार संगकारा, एंजेलो मैथ्यूज, वेस्टइंडीज के सैमुअल बद्री और कार्लोस ब्रेथवेट के अलावा दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बावुमा रहेंगे। इस टूर्नामेंट में कुल 55 मैच खेले जाएंगे और इन सभी मुकाबलों में यही कमेंटेटर रहेंगे। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी।उसका लक्ष्य तीसरी बार टी20 विश्व कप जीतने के साथ-साथ खिताब को बरकरार रखना है।भारतीय टीम को टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।अक्टूबर 2023 के बाद से ही भारतीय टीम ने अपने पिछले 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 48 में जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत पहले ही दिन 7 फरवरी को करेगी। ग्रुप स्तर में उसका पहला मुकाबला अमेरिका के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

कमेंटेटरों की पूरी सूची इस प्रकार है-

रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ, इयान बिशप, आरोन फिंच, दिनेश कार्तिक, कुमार संगकारा, सैमुअल बद्री, रॉबिन उथप्पा, कार्लोस ब्रेथवेट, इयोन मॉर्गन, वसीम अकरम, सुनील गावस्कर, मैथ्यू हेडन, रमीज राजा, डेल स्टेन, माइकल एथरटन, वकार यूनिस, साइमन डूल, शॉन पोलॉक, केटी मार्टिन, हर्षा भोगले, म्पुमेलेलो मबांगवा, नताली जर्मनोस, डैनी मॉरिसन, एलन विल्किंस, इयान वार्ड, मार्क हॉवर्ड, निक नाइट, अथर अली खान, कैस नायडू, बाजिद खान, रौनक कपूर, नायल ओब्रायन, प्रेस्टन मॉमसेन, एंड्रयू लियोनार्ड, रसेल अर्नोल्ड, रोशन अबेसिंघे, एंजेलो मैथ्यूज और टेम्बा बावुमा।

जरूरत पड़ी तो टी20 विश्व कप में भारत दो स्पिनरों को खिलाएगा: सूर्यकुमार यादव

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भारत टी20 विश्व कप में दो स्पिनरों को खिलाने से संकोच नहीं करेगा। उन्होंने साथ ही वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को लेकर चयन की उलझन को 'बहुत अच्छा सिरदर्द' बताया। कुलदीप और वरुण दोनों ने टी20 विश्व कप से पहले भारत की अंतिम श्रृंखला में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की टी20 सीरीज में हिस्सा लिया था। लेकिन दोनों को एक साथ केवल रायपुर में हुए दूसरे टी20 मैच में ही मौका मिला जिसमें भारत ने सात विकेट से जीत दर्ज की।

अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले से पहले मीडिया से बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, 'यह एक अतिरिक्त फायदा है कि आपके पास इतने अच्छे गेंदबाज उपलब्ध हैं। लेकिन साथ ही आपको टीम संयोजन भी देखना होता है कि किस प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ किसे खिलाया जाए।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर जरूरत होगी कि हम दो स्पिनर या दो कलाई के स्पिनर को खिला सकते हैं तो हम निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। लेकिन वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव जैसे विकल्प होना हमेशा अच्छा होता है। ये दुनिया के बेहतरीन स्पिनरों में से हैं और यह एक बहुत अच्छा सरदर्द है।'

सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि टीम के पास दाएं हाथ के बल्लेबाजों की तुलना में बाएं हाथ के बल्लेबाज ज्यादा होना भी एक अच्छी परेशानी है। ईशान किशन के अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, 'क्या आप चौके-छक्के लगते हुए देखना पसंद नहीं करते?'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक अच्छी परेशानी है और इस पर जरूरत से ज्यादा बातचीत की जा रही है। इस स्तर पर जब आप बाएं हाथ के स्पिनरों या ऑफ स्पिनरों के खिलाफ काफी क्रिकेट खेल चुके हैं, आप इतना क्रिकेट खेल चुके हैं और इतना अभ्यास कर चुके हैं।' उन्होंने कहा, 'किसी भी दिन, चाहे स्पिनर गेंदबाजी कर रहा हो या तेज गेंदबाज और चाहे सामने दो बाएं हाथ के बल्लेबाज हों या दो दाएं हाथ के बल्लेबाज, आपका काम वही करना होता है जो टीम के लिए सबसे बेहतर हो और ऐसा ही हो रहा है।'

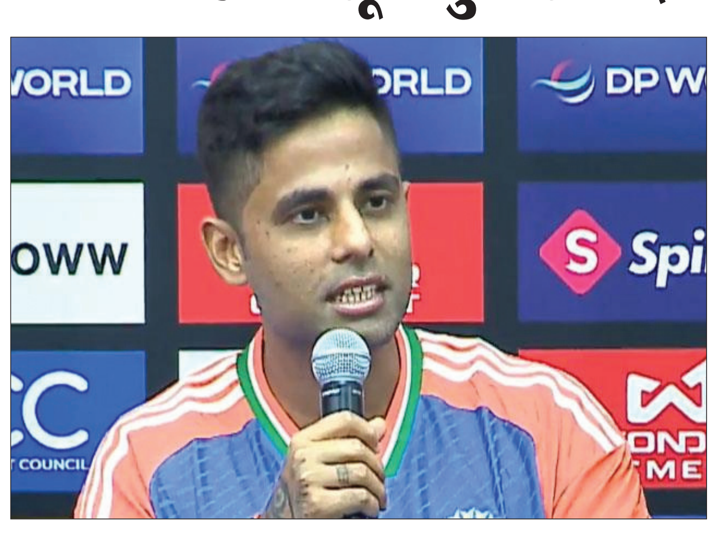

हम अच्छी फिल्में नहीं बना रहे

पिछले कुछ साल में इस बात पर बहस तेज हो गई है कि डूम स्क्रॉलिंग ने ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कैसे प्रभावित किया है। कई लोगों का मानना है कि अब लोगों में लंबे समय तक चलने वाले मनोरंजन के लिए धैर्य नहीं बचा है। कुछ लोग तो इसे बॉलीवुड के पतन का एक कारण भी बताते हैं, क्योंकि दर्शक फिल्में देखने में कम रुचि दिखा रहे हैं। अब अपनी आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' के प्रमोशन में जुटे अभिनेता शाहिद कपूर ने इस मुद्दे पर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि सिर्फ कम ध्यान केंद्रित करने की क्षमता ही इंडस्ट्री के मौजूदा हालातों के लिए जिम्मेदार नहीं है। एक्टर ने बॉलीवुड में अच्छी फिल्मों की कमी पर भी बात की।

मेकर्स भी अपने काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे

बातचीत में शाहिद कपूर ने कम ध्यान केंद्रित करने के मुद्दे पर कहा देखिए, मोमबत्ती दोनों तरफ से जल रही है। दर्शक अपना धैर्य खो रहे हैं। उनका ध्यान केंद्रित नहीं हो पा रहा है। उन्हें उत्तेजना चाहिए, उन्हें ब्रेक चाहिए, क्योंकि इससे डोपामाइन का स्तर बढ़ता है। मेकर्स भी अपने साथ ऐसा ही कर रहे हैं, इसलिए जब वे ध्यान केंद्रित करके काम करने की कोशिश करते हैं, तो उनकी रचनात्मक क्षमता प्रभावित होती है। ऐसा नहीं है कि दर्शक फिल्में देखना नहीं चाहते; लेकिन हम उतनी अच्छी फिल्में नहीं बना पा रहे हैं जितनी बनानी चाहिए। इसलिए यह एक दोतरफा प्रक्रिया है। शाहिद ने मेन्यूफैक्चेट मार्केटिंग पर भी अपनी राय रखते हुए कहा कि लोग समझते नहीं हैं, लेकिन यह जीवन का एक चमत्कार है। जब लोगों से भरा एक कमरा ताली बजाता है, सीटी बजाता है और आपको पहचानता है, आपको अपने से ऊपर दर्जा देता है, तो यह बहुत खूबसूरत होता है। इसीलिए कला खास है। लेकिन जब वह पवित्रता भंग होने लगती है और उसमें बनावटीपन आ जाता है, तो उसका महत्व खत्म हो जाता है। मार्केटिंग तो हर किसी को करनी पड़ती है। लेकिन मार्केटिंग कब सही और गलत की सीमा पार कर जाती है? हद से ज्यादा क्या होता है? यह वास्तव में आपकी अपनी नैतिक समझ पर निर्भर करता है। अगर आप उस समझ के साथ काम करना चुनते हैं, तो बात अलग है। लेकिन अगर आप सिर्फ बिजनेस और आंकड़ों के लिए काम कर रहे हैं, तो वह सिर्फ बिजनेस और आंकड़े ही हैं और वही आपका जीवन का अनुभव है। अगर आप कुछ प्रामाणिक, मानवीय, सहज खोज रहे हैं, तो उसे होने दें। उसे कंट्रोल करने की कोशिश न करें। शाहिद कपूर जल्द ही विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित 'ओ रोमियो' में नजर आएंगे। फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेरी जिंदगी परफेक्ट नहीं, ईश्वर की कृपा है

पंजाबी सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपने अभिनय का परचम लहराने वाली अभिनेत्री सोनम बाजवा अपने पोस्ट के जरिए फैंस दिलों में राज करती हैं। अभिनेत्री ने गुरुवार को फैंस को एक खास संदेश दिया। अभिनेत्री सोनम बाजवा ने इंस्टाग्राम पर कुछ ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शेयर कीं। अभिनेत्री की यह तस्वीरें काफी सादगी भरी और प्रभावशाली लग रही हैं, जो उनकी पर्सनैलिटी को गहराई से दर्शाती हैं, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उन्होंने फैंस को बताया है कि वे जिंदगी को परफेक्ट दिखाने की कोशिश कभी नहीं करतीं, बल्कि वे यह दिखाना चाहती हैं कि ईश्वर की कृपा से गुजर जाती हैं। वहीं, अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, मैं कभी ऐसा न दिखूं कि मेरी जिंदगी बिल्कुल परफेक्ट है, बल्कि हमेशा यह दिखे कि ऊपरवाले ने मुझे अपने अनुग्रह से संभाला है। कमेंट सेक्शन में फैंस अभिनेत्री की तारीफ कर रहे हैं। वे उनकी इस बात को सच्ची और इंस्पायरिंग बता रहे हैं।

फिलहाल अभिनेत्री अपनी आने वाली फिल्मों में व्यस्त हैं। हाल ही में अभिनेत्री की फिल्म बॉर्डर 2 रिलीज हुई। फिल्म को 23 जनवरी को रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों से बेहद प्यार मिल रहा है। 1997 की बॉर्डर की अगली कड़ी में सोनम के अलावा, सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, आन्या, मेधा राणा, मोना सिंह और अहान शेट्टी जैसे सितारे मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 295 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म में कहानी को मजबूत तरीके से दिखाया गया है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के दिलों को छू रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म का आखिरी पार्ट देखना लाजवाब है, क्योंकि उसमें 1997 की बॉर्डर के मुख्य कलाकारों को भी दिखाया गया है। बॉर्डर 2 के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं।

तेलुगु फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम में नजर आने वाली हैं राशा थडानी

बॉलीवुड में फिल्म आजाद से डेब्यू कर चुकी अभिनेत्री राशा थडानी अब तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वह फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम में नजर आने वाली हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का मोशन पोस्टर सामने आ चुका है। सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर करते हुए राशा थडानी ने खुशी जाहिर की है। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी है।

इंस्टाग्राम पर राशा थडानी ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने हल्की बैंगनी रंग की ड्रेस पहनी है। उन्होंने अपने बाल खोले हैं। इसके बैकग्राउंड में गुड़हल के फूल लगे हैं। मोशन पोस्टर शेयर करते हुए राशा थडानी ने लिखा है श्रीनिवास मंगापुरम की मंगा से मिलिए। आभार और उम्मीद से भरे दिल के साथ, मैं तेलुगु सिनेमा में अपना पहला कदम रख रही हूं। यह एक ऐसी दुनिया है, जहां जमीन से जुड़ी कहानियां होती हैं। इस सफर ने मुझे अपने ऊपर यकीन करना और सब्र करना सिखाया है। उन लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मुझ पर शुरुआत में भरोसा किया। फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम के निर्देशक अजय भूपति हैं। राशा थडानी इस फिल्म में मंगा का किरदार निभाएंगी। यह फिल्म कब रिलीज होगी इसके बारे में जानकारी नहीं है।

मेधा राणा ने बताया कैसे हुई 'बॉर्डर 2' में एंट्री

हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की तारीफ मिल रही है। इस फिल्म से अभिनेत्री मेधा राणा को भी एक अलग पहचान मिली है। वो फिल्म में वरुण धवन के साथ नजर आई हैं। अब अभिनेत्री ने वरुण के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है।

फिल्म में कास्टिंग के दिन को किया याद

एएनआई से बातचीत के दौरान अपनी कास्टिंग की खबर मिलने के दिन को याद करते हुए मेधा ने कहा कि मैंने कई ऑडिशन दिए, पहले चरण में कम से कम दो या तीन। उसके बाद मुझे जाने-माने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा सर और हमारे निर्देशक अनुराग सर से मिलने के लिए बुलाया गया। उस मुलाकात के दौरान दोनों ने मुझे बधाई दी और बताया कि मेरा चयन फिल्म के लिए हो गया है। मुझे वह दिन आज भी अच्छे से याद है। जब मैं उनसे मिलने गई तो मुझे मुश्किल से ही विश्वास हो रहा था। मैं बहुत भावुक हो गई और उनके सामने रोने लगी क्योंकि यह सब कुछ अवास्तविक लग रहा था।

सेट पर सपोर्टिव थे वरुण धवन

अपने बारे में बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि मैं एक सैन्य परिवार से आती हूं। मेरे परिवार की तीन पीढ़ियां सेना में सेवा कर चुकी हैं। हमारे परिवार के लिए यह बहुत बड़ी बात है कि मुझे इस तरह के प्रोजेक्ट में भूमिका निभाने का मौका मिला। यह फिल्म मेरे लिए बहुत मायने रखती है। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। मैं हमेशा आभारी रहूंगी। वरुण धवन के साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव के बारे में मेधा राणा ने कहा कि वरुण बहुत ही प्यारे, दयालु और सहयोगी को-स्टार हैं। मुझे याद है जब मैं पहली बार सेट पर गई थी, तो मैं बहुत घबराई हुई और डरी हुई थी। लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि मैं सहज महसूस करूं। उनकी एक खासियत है कि आपको कभी यह महसूस नहीं होगा कि वो एक स्टार हैं क्योंकि वो अपने आस-पास के सभी लोगों को सहज और सामान्य महसूस कराते हैं।

शुभांगी अत्रे ने मनोरंजन जगत का सच बताया

टेलीविजन की मशहूर शुभांगी अत्रे इन दिनों आगामी फिल्म भाबीजी घर पर हैं को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में फ्रेंडशिप को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। शुभांगी अत्रे ने कहा कि इस इंडस्ट्री में कोई भी बेस्ट फ्रेंड नहीं है। अभिनेत्री ने हाल ही में बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉपुलर पॉडकास्ट ऑनेस्टली, व्हाई नॉट? में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शिरकत की थी। इस शो में होस्ट ने अभिनेत्री से मनोरंजन जगत में दोस्ती को लेकर सवाल किए। होस्ट ने पूछा था कि क्या आपने कभी इंटरव्यू में अपने को-स्टार्स के साथ सबसे अच्छे दोस्त होने को लेकर झूठ बोला है? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, देखिए, यहां पर कोई भी बेस्ट फ्रेंड नहीं है, क्योंकि यहां पर लोगों में कॉम्पीटिशन और एक दूसरे को लेकर इंसीक्योरिटी बहुत ज्यादा है। जब एक शो चलता है, तब आप बहुत अच्छे दोस्त होते हैं, लेकिन जैसे ही आप उस शो से निकलते हैं, वो रिश्ते पीछे छूट जाते हैं। फिर आप अपनी जिंदगी की एक नई यात्रा शुरू करते हैं। मुझे लगता है कि एक एक्टर होने की सबसे अच्छी बात ये है कि आप खुद को लगातार खोजते और समझते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, इसलिए यहां बेस्ट फ्रेंड जैसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। हां, इतना जरूर है कि जब तक हम साथ काम करते हैं, तब हम एक परिवार की तरह रहते हैं।

इसके बाद होस्ट ने पूछा, आपके साथ सेट पर कभी ऐसा हुआ है कि सीन करने के बाद आपकी किसी के साथ नोकझोंक या लड़ाई हो गई और फिर से उन्हीं के साथ सीन करना पड़ रहा है और आपको ऐसा लग रहा है कि मुझे करना ही नहीं है? इस सवाल का जवाब शुभांगी अत्रे ने हंसते हुए दिया। उन्होंने कहा कि वे अपने काम को काफी पसंद करती हैं और जब किरदार में रहती हैं तो वे सब भूल जाती हैं। उन्होंने कहा, नोकझोक तो हुई है पर काम ही नहीं करना ये कभी नहीं हुआ है और जब मैं अपने किरदार में रहती हूं तो मुझे कुछ याद नहीं रहता है। मुझे अपना काम बहुत पसंद है और मैं इसे पूरे मन से मजे लेकर करती हूं।

रानी मुखर्जी से लेकर प्रियंका चोपड़ा तक, इन अभिनेत्रियों ने निभाया पुलिस का दमदार किरदार

सिनेमाघरों में रानी मुखर्जी की अदाकारी वाली फिल्म मर्दानी 3 रिलीज हो चुकी है। दर्शक फिल्म पर मिलीजुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस फिल्म में रानी मुखर्जी ने पुलिस ऑफिसर का दमदार किरदार निभाया है। फिल्म में वह मानव तस्करी गिरोह का पर्दा फाश करती हैं। आज हम उन अभिनेत्रियों के बारे में बताने वाले हैं जिन्होंने फिल्मों में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया है।

मर्दानी, मर्दानी 2

मर्दानी फ्रेंचाइजी की सबसे पहली फिल्म मर्दानी (2014) में रानी मुखर्जी ने शिवानी शिवाजी नाम की पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया था। इसमें वह एक लापता लड़की की तलाश करती हैं। केस को हल करते हुए वह चाइल्ड ट्रैफिकिंग की दुनिया में पहुंचती हैं। इसी तरह से मर्दानी 2 (2019) में भी रानी मुखर्जी ने एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया। इसमें वह एक ऐसे व्यक्ति को पकड़ने की कोशिश करती हैं जो मासूम महिलाओं के साथ दुष्कर्म करता है और उनका कत्ल कर देता है। दोनों फिल्मों की कामयाबी के बाद मर्दानी 3 (2026) बनी है।

दृश्यम, दृश्यम 2

फिल्म दृश्यम (2013) में तब्बू ने एक पुलिस ऑफिसर मीरा देशमुख का किरदार निभाया है। इसमें वह अपने बेटे को ढूंढती हैं। उनका बेटा अजय देवगन की बेटी के साथ कुछ गलत करना चाहता है लेकिन धोखे से उसकी मौत हो जाती है। फिल्म में तब्बू का सामना अजय देवगन से होता है। दृश्यम 2 (2022) में यही कहानी आगे बढ़ती है। पुलिस के किरदार में तब्बू अपने बेटे को ढूंढने के लिए अक्षय खन्ना को लेकर आती हैं। इस बार भी वह अजय देवगन से मात खा जाती हैं।

जय गंगाजल

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी फिल्म जय गंगाजल (2016) में प्रियंका चोपड़ा ने आभा माथुर नाम की पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया है। फिल्म में वह ताकतवर गुंडों का सामना करती हैं। पुलिस के किरदार में प्रियंका चोपड़ा को खूब सराहा गया।

सोनी

फिल्म सोनी (2018) में गीतिका विद्या ओल्यान ने सोनी नाम की पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया था। फिल्म में दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों से लड़ने की कहानी दिखाई गई है। इसके अलावा फिल्म पुलिस विभाग में पितृसत्तात्मक चुनौतियों को चित्रित करती है। फिल्म में गीतिका के किरदार को पसंद किया गया।

कटहल

फिल्म कटहल (2023) में सान्या मल्होत्रा ने महिमा बोर्से नाम की पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि एक विधायक के घर से दो कीमती कटहल गायब हो जाते हैं। यह केस गरीब माली की लापता बेटी के अपहरण से जुड़ा होता है। फिल्म में सान्या के पुलिस वाले किरदार को खूब पसंद किया गया।

सुबह क्यों सूर्य को अर्पित करना चाहिए जल

भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में सूर्य को भगवान का दर्जा मिला है। ग्रह विज्ञान के हिसाब से भी सूर्य को सभी ग्रहों से श्रेष्ठ माना गया है। सूर्य ऊर्जा का स्रोत है और अन्य ग्रह इसकी परिक्रमा करते हैं। वे इसकी रोशनी प्राप्त करते हैं। सनातन धर्म नें भी इसके महत्व को समझा है और इसिलिए सबसे श्रेष्ठ मानते हुए सूर्य देव की पूजा को कहा गया है। सूर्य को जल अर्पित जाता है। सूर्य को जल अर्पण करने के पीछे धार्मिक कारणों के साथ साथ कुछ वैज्ञानिक तथ्य हैं।

- जिन लोगों की कुंडली मे सूर्य कमजोर होता है या जिनमें आत्मविश्वास की कमी होती है या फिर जो निराशावादी होते हैं और जिन्हें घर-परिवार में मान-सम्मान की अभिलाषा होती है उनके लिए सूर्य को जल चढ़ाना महत्वपूर्ण माना गया है।
- सूर्य की किरणों में सात रगों का समावेश होता है जो रंग हम कृत्रिम रोशनी में नहीं देख पाते वे सभी सूर्य की रोशनी में सपष्ट दिखाई देते हैं। सूर्य की रोशनी के कारण ही हम रंगों की सही पहचान करने में सक्षम होते हैं।
- माना जाता है कि सुबह जब कोई व्यक्ति सूर्य को जल चढ़ाता है तो सूर्य से निकलने वाली किरणें उसको स्वास्थ्य लाभ देती हैं। सुबह के समय सूरज की जो किरणें निकलती हैं वे शरीर में होने वाले रंगों के असंतुलन को सही करती हैं। सूरज की किरणों में सात रंगों का समावेश होता है। यह रंग रंगो के विज्ञान पर काम करते हैं। माना जाता है कि सुबह के समय सूर्य को जल चढ़ाते समय इन किरणों के प्रभाव से रंग संतुलित हो जाते हैं और साथ ही साथ शरीर में प्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ती है।
- धार्मिक दृष्टिकोण से देखें तो सूर्य देव को आत्मा का कारक माना गया है। प्रात:काल सूर्य देव के दर्शन से मन को बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। यह शरीर में स्फूर्ति लाता है। सूर्य प्रकाश का सबसे बड़ा स्रोत है और प्रकाश को सनातन धर्म में सकारात्मक भावों का प्रतीक माना गया है। दुख, तकलीफ और परेशानियों को रात या अंधेरे से जोड़ा गया है। जब सूर्य का उदय होता है तो अंधकार गायब होने लगता है। अर्थात सूर्य के आने से सभी नकारात्मक उर्जा नष्ट हो जाती हैं। यही वजह है सूर्य को श्रेष्ठ ईश्वर का दर्जा दिया गया है।
- सूर्य को जल चढ़ाने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि करके तांबे के लोटे से सूर्य को जल अर्पित करने का विधान है। इस विधि के दौरान जल की धारा में से उगते सूरज को देखना चाहिए इससे धातु और सूर्य कि किरणों का असर आपकी दृष्टि के साथ-साथ आपके मन पर भी पड़ेगा और आपको सकारात्मक उर्जा का आभास होता रहेगा। सूर्य को जल अर्पित करते वक्त इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि अर्घ्य किया हुआ जल बेकार ना जाए। वो जल किसी वनस्पति में गिरे तो आपको सौभाग्य की प्राप्ति होगी। इसके साथ साथ जल चढ़ाते वक्त सूर्य मंत्र ऊं सूर्याय नम: का जाप करते रहना चाहिए। सूर्य को जल चढ़ाने का सही वक्त सूर्योदय होता है।

क्यों खास माना जाता है पीपल का वृक्ष, जानिए इसके बारे में

सनातन धर्म में सभी जीव, जंतुओं और वनस्पतियों को महत्व मिला है। यही कारण है की किसी ना किसी रुप में नदी, पहाड़ जीव और वनस्पतियों को धार्मिक आस्थाओं के साथ जोड़ा गया ताकि लोग इन्हें अपने जीवन का हिस्सा बनाए रखें। सनातन धर्म के सिद्धांतों में पीपल वृक्ष को सर्वोत्तम माना गया है। पीपल को दैवीय वृक्ष माना गया है। पीपल की पूजा की जाती है। जानिए पीपल से जुड़े कुछ तथ्य।

- पद्मपुराण में पीपल वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माना गया है। इसी के चलते धर्म के क्षेत्र में पीपल के वृक्ष को दैवीय पेड़ के रूप में मान्यता मिली और सभी विधि-विधानों के साथ इसकी पूजा की जाने लगी। हिंदू धर्म में अनेक अवसरों पर पीपल वृक्ष की पूजा का विधान है और मान्यता यह भी है की सोमवती अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का वास होता है। स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तो में हरि आदि देव रहते हैं। ऐसे में पीपल वृक्ष की पूजा करने से सभी देव प्रसन्न होते हैं। पीपल में पितरों का निवास भी माना गया है। इसमें सब तीर्थों का निवास होता है इसलिए ज्यादातर संस्कार इसके नीचे कराए जाते हैं।
- ज्योतिष विज्ञान के अनुसार अगर किसी जातक की शनि साढ़ेसाती चल रही हो तो ऐसे वक्त में हर शनिवार पीपल वृक्ष में जल अर्पित करके इसके सात चक्कर लगाने से लाभ होता है। इसके साथ-साथ शाम के समय पीपल के पेड़ की जड़ में दीपक जलाना भी फायदेमंद होता है।
- हिंदु धर्म मान्यताओं के अनुसार अगर कोई व्यक्ति पीपल के पेड़ के नीचे भगवान शिव की स्थापना करके नित्य नियम से पूजा आराधना करता हो तो उसके समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं।
- पीपल के वृक्ष की महत्ता का पुराणों और अन्य धार्मिक ग्रंथों में खूब वर्णन किया गया है। इस वृक्ष की सकारात्मक उर्जा को देखते हुए ऋषि-महात्माओं नें पीपल वृक्ष के नीचे बैठ कर तप किया और ज्ञान अर्जित किया। महात्मा बुद्ध नें भी पीपल के नीचे बैठकर ही जन्म-मृत्यु और संसार के रहस्यों को जाना था।
- पीपल के वृक्ष का सिर्फ धर्म और पुराणों में नहीं बल्कि विज्ञान में भी काफी महत्व है। प्रकृति विज्ञान के अनुसार पीपल का वृक्ष दिन-रात ऑक्सीजन छोड़ता है, जो हमारे पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा पीपल के पेड़ को अक्षय वृक्ष भी कहा जाता है क्योंकि ये पेड़ कभी भी पत्ते विहीन नही होता। मतलब इसमें एकसाथ पतझड़ नही होती। पत्ते झड़ते रहते हैं और नए आते रहते हैं। पीपल के वृक्ष की इस खूबी के कारण इसके जीवन-मृत्यु चक्र का द्योतक बताया गया है।

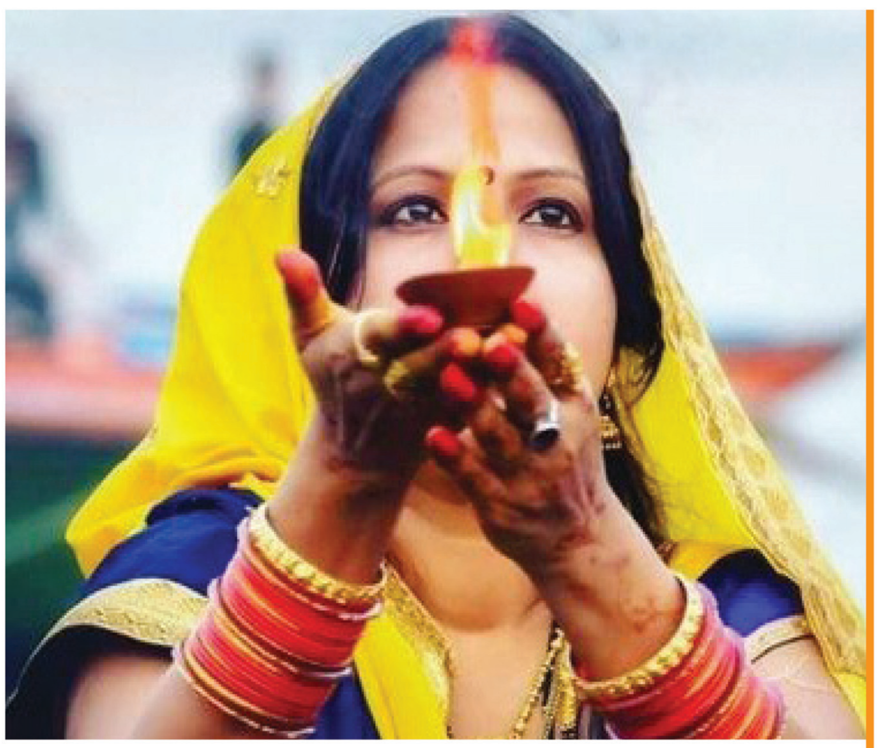

पूजा करने के दौरान इन पांच बातों को कभी न करें अनदेखा

भगवान की विशेष कृपा पाने के लिए जरूर करें पालन

पूजा-पाठ का अर्थ केवल भगवान की स्तुति कर उन्हें प्रसन्न करना नहीं होता बल्कि यह अपने मन की शांति के साथ अपने आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए भी पूजा-पाठ का बहुत महत्व है लेकिन पूजा करते समय कुछ बातें ऐसी हैं, जिनका पालन करना बहुत जरूरी है।

दोनों हाथों को मजबूती के साथ जोड़कर करें प्रणाम

भगवान के सामने या पूजा-हवन में शामिल होते वक्त हमेशा हाथों को मजबूती के साथ जोड़कर प्रणाम करना चाहिए। इससे यह पता चलता है कि आप पूरी सकारात्मक ऊर्जा के साथ भगवान को धन्यवाद दे रहे हैं। प्रणाम करने के बाद दोनों हाथों को माथे पर जरूर लगाना चाहिए।

जाप करते हुए या माला फेरते हुए याद रखें

जाप करते या माला फेरते हुए आपको जीभ या होठों को नहीं हिलाना चाहिए बल्कि मन-मन में जप करना चाहिए। इसे उपांशु जप कहा जाता है। ऐसे जप में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हमारे पूरे शरीर में होता है। जिससे हमारा चित्त शांत होता है।

तुलसी तोड़ते हुए ध्यान रखें

बिना नहाए हुए कभी भी तुलसी नहीं तोड़नी चाहिए। साथ ही तुलसी तोड़ते हुए ध्यान रखें कि कभी भी नाखून का इस्तेमाल करके तुलसी न तोड़े। इसके अलावा संक्रांति, द्वादशी, अमावस्याल, पूर्णिमा और रविवार के दिन तुलसी तोड़ने से परहेज करें।

पीपल पर जल कब चढ़ाएं

पीपल पर हमेशा जल नहीं चढ़ाना चाहिए बल्कि शनिवार के दिन पीपल की जड़ों को सींचना चाहिए। शनिवार के दिन पीपल की विशेष पूजा करनी चाहिए। साथ ही पीपल की सात परिक्रमा करनी चाहिए।

जानवरों को जरूर खिलाएं प्रसाद

जानवरों पर भगवान की विशेष कृपा होती है क्योंकि जानवर छल-कपट से दूर होते हैं। जानवरों को पूजा पाठ के बाद हमेशा प्रसाद देना चाहिए। साथ ही इनके जीवन को आसान बनाने के लिए आपको सामर्थ्यनुसार मदद करनी चाहिए जैसे सर्दी में इनके लिए बिछौना, चटाई या बारिश में इन्हें शरण देनी चाहिए।

भूलकर भी घर में नहीं रखने चाहिए ये पौधे, देते हैं अशुभ फल

फेंगशुई के अनुसार घर में पौधे रखना घर में एनर्जी के प्रवाह को बनाए रखता है। कहा जाता है कि कुछ पौधे रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है तो कुछ पौधों को रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा भी आती है। इसलिए ऐसे पौधों को घर में रखने से बचना चाहिए। फेंगशुई एक्सपर्ट की मानें तो इन्हें घर में रखने से घर में बेड लक आता है। यहां हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही कुछ ऐसे ही कुछ पौधों के बारे में जिन्हें घर में नहीं रखना चाहिए। आगे की स्लाइडों में पढ़ें ऐसे ही पौधों के बारे में...

कैक्टस: फेंगशुई के अनुसार कैक्टस एक कटीला पौधा है। घर में कांटेदार पौधों को रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है। वैसे तो गुलाब की कांटेवाला पौधा है लेकिन घर में गुलाब लगा सकते हैं, लेकिन कैक्टस का पौधा नहीं लगाया जाता।

बोनसई: बोनसई का पौधा देखने में तो अच्छा लगता है लेकिन फेंगशुई के अनुसार इसे घर में नहीं रखना चाहिए। कहा जाता है कि इस पौधे को घर में रखने से कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

कपास: घर के करीब कपास का पेड़ होने से कलह की स्थिति पैदा होती है।

इमली या मेहंदी: अगर घर के आगे इमली या मेहंदी का पेड़ है तो उसे हटवा लिजिए। वास्तु के अनुसार इनमें बुरी आत्माएं वास करती हैं।

अच्छा नहीं माना जाता है घर पर आकर रुकने वाला रास्ता

कई बार आपने देखा होगा कि घर के ठीक सामने कोई रास्ता या सड़क आकर बंद हो जाती है। वास्तु में इसे अच्छा नहीं माना जाता। इसके बहुत से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। किसी सड़क या मार्ग का घर पर आकर बंद हो जाना या रुकना वास्तु दोष माना गया है। जानिए क्या नुकसान पहुंचा सकता है यह वास्तु दोष।

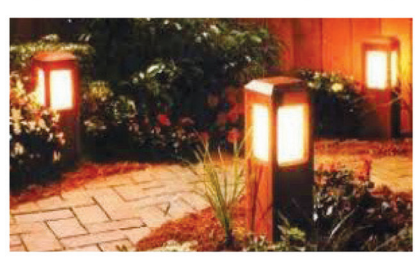

- जब कोई मार्ग आपके घर के सामने सीधा प्रवेश करता हो या आकर रुक जाए तो वास्तु शास्त्र की दृष्टि से वह अशुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र में यह स्थिति अच्छी नहीं मानी गई है। कोशिश कीजिए इस तरह से कोई रास्ता आपके घर के सामने आकर ना रुके और यदि ऐसा है तो उपाय जरूर कराइए।
- विवाह योग्य युवक-युवती के कमरों की दीवार पर सुंदर चित्र लगाएं, लेकिन रोते हुए बच्चे और डूबते सूरज का चित्र कभी भी नहीं लगाना चाहिए। साथ ही जब कोई विवाह के लिए देखने आए तो इस प्रकार बैठें कि आपका मुख उत्तर दिशा की ओर हो।
- यदि प्रेम-विवाह हो रहा है और बुरे सपने या विचार आते हों तो सोते समय तकिए के नीचे चाकू या कैंची रखकर सोएं।
- घर के मुख्य द्वार पर शीशा नहीं लगा होना चाहिए। इससे वैवाहिक जीवन में अच्छा जीवनसाथी मिलने से पहले ही लौट जाता है।
- यदि घर के मुख्य द्वार के सामने कोई खंभा, वृक्ष, खुली हुई नाली हो तो यह आपके काम में वाधा डाल सकती है। क्योंकि यह सब कुछ नकारात्मक माना जाता है। इसलिए ऐसी जगहों से बचें।
- विवाह में अतिथियों को ठहराने का स्थान हमेशा पश्चिम दिशा में ही होना चाहिए।

जानिए, क्यों हाथ से खाने को माना जाता है अच्छा

हाथ से खाना खाने की हम भारतीयों की सदियों पुरानी परंपरा है। पुरातन समय से ही हमारे पूर्वज, ऋषि और महात्मा हमें हाथ से खाने की प्रेरणा देते आए हैं। लेकिन आज स्थितियां बदल रही हैं। हाथ से खाने के बजाय हमने चम्मच अथवा काटों के सहारे भोजन ग्रहण करना शुरू कर दिया। जानिए हाथ से खाना खाने के पीछे क्या कारण हैं...

- जब हम हाथ से खाना खाते हैं तब उंगलियों और अंगूठे से जो मुद्रा बनती है उससे शरीर में एक विशेष उर्जा बनती है, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होती है। हमारा शरीर पांच तत्वों के योग से बना है जिन्हें जीवन उर्जा के नाम से जाना जाता है और इन्ही पांच तत्वों की उपस्थिति हमारे हाथों की उंगलियों में होती है। इसमें अंगूठे में अग्नि, तर्जनी में वायु, मध्यमा में आकाश, अनामिका में पृथ्वी और सबसे छोटी उंगली तत्व का प्रतीक मानी गई है। माना जाता है कि जब हम हाथ से खाना खाते हैं तो उंगलियों से बनने वाली मुद्रा से पंच तत्वों का प्रतिनिधित्व मिलता है।
- हाथ से खाना खानें में भोजन का अलग अहसास होता है। मगर इसमें सिर्फ स्वाद ही मुख्य कारक नहीं है। इसका एक तार्किक कारण भी है। जब हम चम्मच से खाना खाते हैं तो हमें खाने के तापमान का अंदाजा नहीं हो पाता, लेकिन यदि हम खाना खाएंगे तो हमें इस तापमान का आसानी से अहसास रहेगा। यही नहीं जब हम हाथ से खाना खाएंगे तो स्वभाविक रूप से पहले उन्हें साफ करेंगे, जबकि चम्मच का प्रयोग करने पर हम कई बार सफाई को इग्नोर कर देते हैं।
- जब हम हाथ से भोजन ग्रहण करते हैं तब हमारे हाथों में स्थित इन पाचों तत्वों की उर्जा हमारे भोजन को और उर्जावान बना देती है। इससे हमारे शरीर के अंदर प्राणाधार की उर्जा में विकास होता है।
- जब हम हाथ से खाना खाते हैं तो हमारी तंत्रिकाओं द्वारा हमारे दिमाग में संदेश पहुंचता है जिससे हमारा पाचन तंत्र सक्रिय हो जाता है और भोजन के प्रकार के अनुसार चयापचय की व्यवस्था करता है जिससे हम भोजन को सही पचाने की उर्जा प्राप्त करते हैं।
- हाथ से खाना खाने पर हम अवांछित वस्तु का अहसास कर पाते हैं जबकि चम्मच या कांटे का प्रयोग से ऐसा नहीं हो पाता। हाथ से सीधे खाने का स्पर्श अलग अहसास देता है। जो सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

वक्त का बदलना है एक सतत प्रक्रिया, बदलाव की राह पर ध्यान रखें ये 5 बातें

वक्त का बदलना एक सतत प्रक्रिया है। दिन-रात, मौसम, जन्म-मृत्यु और बदलाव एक निरंतर चक्र है। समय और जीवन का बदलाव चक्र। बिना बदलाव तरक्की नहीं हो सकती। प्रकृति भी बदलाव में यकीन करती है। जो बीत गया उसका शुक्र मनाते हुए आगे बढ़ना आना चाहिए। साथ ही जो आने वाला है उसका स्वागत करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। हमें हर बार नई सोच, नई ऊर्जा, नए विचारों, नए लक्ष्यों और नए संकल्पों के साथ नई शुरुआत करनी चाहिए। बीते अनुभव से सीख लें और आगे बढ़ जाएं। मगर बदलाव की राह पर ये 5 बातें जरूर ध्यान रखनी चाहिए-

1. **पसंद:** जब कभी भी बदलाव का सामना होता है, तब आपके सामने दो तरह के विकल्प होते हैं उसे स्वीकार करें या कन्नी काट लें। स्वीकार करने में हिम्मत और विश्वास की जरूरत होती है, चूंकि कंफर्ट जोन से बाहर कदम रखने में हमेशा हिचक होती है। लेकिन जब आप पूरे विश्वास से बढ़ते हैं तो उत्साह के साथ संभावनाओं का उदय होता है।
2. **खुशी:** हमेशा खुशी को तरजीह दें, अपने लिए भी दूसरों के लिए भी। खुशी एक ऐसा विकल्प है, जो हमें हमारे भीतर से ही मिल सकता है। हर चीज के उज्ज्वल पक्ष पर ध्यान केंद्रित करें, उदाहरण के लिए खुद से पूछें मैं इससे क्या सीख सकता हूं? या धन्यवाद व आभार के साथ हर चीज को स्वीकार करें। खुशी खुद ही करीब आती दिखेगी।
3. **स्थिरता का भाव लाएं:** अपनी वास्तविकता और बुद्धि कौशल का प्रयोग करें। इनका आपके भौतिक अस्तित्व से ज्यादा महत्व है। जीवन में जब कभी उतार-चढ़ाव वाले क्षण आएं, अपने मन और आत्मा को और विस्तार देने के लिए इन्हीं अनुभवों की मदद लीजिए। स्थिर चित्त रहेंगे तो कठिन हालात से भी निकल आएंगे।
4. **तरक्की:** जब आप समय और बदलाव को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं तो आप आगे बड़ते जाते हैं। आप अपने से बड़ी ताकत को स्वीकार करते हैं, तो आपका विश्वास बढ़ता है और उसका प्राकृतिक प्रतिफल होता है आपकी तरक्की।
5. **नई उत्पत्ति:** इस तरीके से बदलाव को स्वीकार करने के बाद मिलने वाली ताकत और वास्तविकता के धरातल से होती है नई उत्पत्ति। नए दोस्त, संबंध, सफलताएं, उत्साह व खुशियां। आने वाले समय के लिए अपने उत्साह में कमी न आने दें और खुली बांहों से बदलाव को आत्मसात करें। हर कदम में छिपे रहस्यों और उत्साह को पूरी प्रसन्नता के साथ स्वीकार करें।

इन उपायों को करने से परीक्षा में मिलेगी सफलता

बच्चों की परीक्षाएं सिर पर हैं। बच्चों के साथ माता-पिता को भी उनकी पढ़ाई को लेकर बेहद चिंता है। वैसे तो पढ़ाई में की गई मेहनत ही बच्चों के रिजल्ट में रंग लाएगी, लेकिन बच्चों की एकाग्रता बनी रहे, उनका पढ़ाई में मन लग सके, इसे लेकर फेंगशुई के कुछ आसान उपायों को अपनाया जा सकता है। इन उपायों को अपनाने से बच्चे नकारात्मक ऊर्जा से दूर रहेंगे और सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपनी परीक्षा अच्छे से दे सकेंगे।

- क्रिस्टल बॉल को बच्चों के स्टडी रूम में नॉर्थ ईस्ट दिशा में रखें। इससे बच्चों में बुद्धि का विकास होता है।
- अध्ययन कक्ष में कोई कॉपी-किताब या पेन को खुला न छोड़ें। कॉपी किताबों को हमेशा उनके तय स्थान पर ही रखें।
- स्टडी टेबल के कोने कटे हुए नहीं होने चाहिए। स्टडी टेबल को दीवार से सटाकर नहीं रखना चाहिए। जिस मेज या कुर्सी पर पढ़ाई करते हों, वह टूटी हुई न हो। पढ़ाई करने वाली मेज पर कभी खाना न खाएं।
- पढ़ाई करते वक्त विद्यार्थी की पीठ के पीछे दीवार होनी चाहिए।
- पढ़ाई करते समय जूते-मोजे उतार दें। विद्यार्थी मोर पंख अपने पास रखें।
- परीक्षा देने जाते समय मीठा दही या मिष्ठान खाकर जाएं।
- फेंगशुई ग्रीन लैंप को घर की उत्तर दिशा में लगाने से बच्चों का पढ़ाई में मन लगता है।
- क्रिस्टल ग्लोब को नॉर्थ-वेस्ट दिशा में रखना चाहिए। पढ़ाई आरंभ करने से पहले अपने ईष्ट देव का ध्यान कर लें। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी ऐसा ही करें।

बिजनेस में आ रही है परेशानी तो घर लें आए ये खास चीज

जीवन में सफलता और तरक्की तो हर कोई पाना चाहता है। इसके लिए आप मेहनत करते ही है। कई कितनी भी मेहनत कर लो सफलता नहीं मिल पाती। अगर आपको भी तरक्की नहीं मिल पा रही है तो फेंगशुई के इस आसान उपाय आपकी परेशानी का हल हो सकते हैं। फेंगशुई में घोड़े को तरक्की का रूप माना जाता है। यदि आपको तरक्की चाहिए तो आप घोड़े की मूर्ति घर में रख सकते है।

- घर में रखे घोड़े का स्टैच्यू तरक्की का प्रतीक है। इसे आप घर के दक्षिण दिशा में रखें इससे आपको तरक्की मिलेगी।
- घर में घोड़े की तस्वीर लगा सकते है, वहीं दुकान वगैरह में आप इसका स्टैच्यू रख सकते हैं।
- घोड़े को कभी भी लगाम के साथ नहीं रखना चाहिए। इसे इस तरह रखें कि इसकी रफ्तार रुकी हुई दिखाई दे।
- घर के बेडरूम में आप घोड़ा रखते हैं तो ध्यान रखें कि आप घोड़े का जोड़ा रखें इससे पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ता है। वहीं सुख-शांति आती है।